पारा आपडेट
मैक्सिमम 30.00 | मिनीमम 14.00
सूर्यास्त (आज) 17.44
सूर्योदय (कल) 06.21
बोकारो से प्रकाशित

सेंसेक्स 75,939.21 ● निफ्टी 22,929.25 ● डॉलर 86.67 ₹ ● सोना 84,680 ₹ ● चांदी 1,08,000 ₹

पेज 06 स्वभाषा के बिना संस्कृति निष्प्राण
पेज 08 मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बक्सर...

हिन्दी दैनिक

झारखंड दर्शन

हर खबर पर नजर

फाल्गुन कृष्ण पक्ष चतुर्थी संवत 2082

RNI No. : JHAHIN/2018/76658 | बोकारो, रविवार 16 फरवरी 2025 ● पृष्ठ : 12 मूल्य : 3/- रुपया ● वर्ष : 07 अंक : 224 | Email : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

पोप फ्रांसिस अस्वस्थ, अस्पताल ले जाया गया, सभी कार्यक्रम रद्द

वेटिकन सिटी। पोप फ्रांसिस अस्वस्थ हैं। उन्हें वेटिकन सिटी के पॉलीक्लिनिको एगोस्टिनो जेमेली में भर्ती कराया गया है। प्रारंभिक चिकित्सीय जांच में पुष्टि हुई कि बुखार पीड़ित पोप फ्रांसिस के श्वसन तंत्र में संक्रमण है। उनका इलाज शुरू कर दिया गया है। यह जानकारी वेटिकन ने दी। वेटिकन के अनुसार, 14 फरवरी को पोप फ्रांसिस के अस्पताल में भर्ती होने के बाद 15 फरवरी को जयंती समारोह रद्द कर दिया गया। 16 फरवरी को जयंती अवसर के पवित्र मास की अध्यक्षता संस्कृति और शिक्षा विभाग के प्रीफेक्ट कार्डिनल जोस टॉलेन्टिनो डी मेंडोंका करेंगे। सिनेसिटा में पोप फ्रांसिस के साथ 17 फरवरी को होने वाली कलाकारों की बैठक को भी रद्द कर दिया गया है।

प्रधानमंत्री आज दिल्ली में भारत टेक्स 2025 में भाग लेंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को शाम 4 बजे नई दिल्ली के भारत मंडपम में भारत टेक्स-2025 में भाग लेंगे। इस अवसर पर वे उपस्थित जनसमूह को संबोधित भी करेंगे। इसमें 120 से अधिक देशों के नीति निमार्ता और वैश्विक सीईओ, प्रदर्शक, अंतरराष्ट्रीय खरीदार भाग लेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने शनिवार को एक बयान में कहा कि भारत टेक्स 2025, एक व्यापक स्तर का वैश्विक कार्यक्रम है और इसका आयोजन 14-17 फरवरी को भारत मंडपम में किया जा रहा है। यह एक विशिष्ट कार्यक्रम है क्योंकि यह कच्चे माल से लेकर तैयार उत्पादों तक की संपूर्ण वस्त्र मूल्य श्रृंखला को एक ही मंच पर एक साथ लाता है।

मणिपुर में तलाशी अभियान में हथियार और विस्फोटक बरामद

इंफाल। मणिपुर के पहाड़ी और घाटी जिलों के सीमावर्ती तथा संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा बलों के तलाशी अभियान में हथियार और विस्फोटक बरामद किए गए। पुलिस ने शनिवार को बताया कि काकचिंग जिले के हियांगलाम नटेखोंग थोंगजिन में नदी किनारे से ये हथियार और विस्फोटक बरामद किए गए। बरामद सामान में दो सिंगल बैरल गन, एक स्नाइपर राइफल (संशोधित) स्कोप के साथ, एक देशी पिस्टल (बिना मैगजीन), पांच हैंड ग्रेनेड, 4 आईईडी (विभिन्न भार और रंगों में), .303 राइफल के 15 जिंदा कारतूस, इंसास राइफल के दो जिंदा कारतूस, 9मिमी पिस्टल के दो जिंदा कारतूस, विभिन्न राइफलों के खाली कारतूस, 11 एंटी-रायट उपकरण, दो बाओफेंग हैंडसेट, एक ड्रोन रिमोट कंट्रोलर (मेड इन चाइना) सहित अन्य सामान शामिल हैं।

मुंबई एयरपोर्ट पर 7.14 किलो सोने के साथ तीन गिरफ्तार

मुंबई। छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) की टीम ने शुक्रवार रात 7.14 किलोग्राम सोने के साथ तीन विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया। बरामद सोने की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में 6.28 करोड़ आंकी गई है। डीआरआई सूत्रों ने शनिवार को मीडिया को बताया कि उनकी टीम को दुबई से मुंबई तस्करी के सोने सहित कुछ यात्रियों के आने की गोपनीय जानकारी मिली थी। डीआरआई की टीम ने इन तीनों को शक के आधार पर रोक लिया और उनकी तलाशी के दौरान सात सोने की छड़ें और उसका एक टुकड़ा बरामद हुआ। तीनों से गहन पूछताछ जारी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने काशी तमिल संगमम–3 की सफलता के लिए दिया संदेश

तमिलनाडु और काशी के बीच संबंधों को मिलेगी मजबूती : मोदी

एजेंसी

वाराणसी। काशी तमिल संगमम-3 की सफलता के लिए वाराणसी के सांसद और देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुभकामना संदेश भेजा है। प्रधानमंत्री ने लिखा कि काशी तमिल संगमम न केवल इन यादों को ताजा करेगा, बल्कि तमिलनाडु और काशी के बीच संबंधों को और मजबूत करेगा। लोगों की संपूर्ण भागीदारी ने इन संगम को एक भारत-श्रेष्ठ भारत की भावना का मशाल वाहक बना दिया है। यह जानकर खुशी हो रही है कि इस वर्ष हमारी पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों के साथ-साथ शास्त्रीय तमिल साहित्य में ऋषि अगस्त्य के महत्वपूर्ण योगदान का जश्न मनाया जाएगा। काशी-तमिल संगमम-3 का आयोजन 15 से 24 फरवरी तक किया गया है।

प्रधानमंत्री ने यह शुभकामना संदेश अपने अमेरिका दौरे में लिखा। प्रधानमंत्री शुक्रवार देर रात दिल्ली लौट आए हैं। प्रधानमंत्री ने संदेश में लिखा कि वाराणसी में काशी तमिल संगमम-3 के आयोजन के बारे में जानना आनंददायक है। प्रयागराज में

महाकुंभ के बीच होने के कारण यह अवसर और भी महत्वपूर्ण हो गया है। तमिलनाडु और काशी के बीच, कावेरी और गंगा के बीच का अटूट संबंध हजारों साल पुराना है। पिछले दो संगमों के दौरान लोगों की हार्दिक भावनाओं और अनुभवों ने भारत की विविध संस्कृति की सुंदरता के साथ-साथ लोगों के बीच मजबूत संबंधों को भी प्रदर्शित किया।

उन्होंने कहा कि यह भी उल्लेखनीय है कि प्रतिभागियों को महाकुंभ का अनुभव करने के साथ-साथ अयोध्या में राम मंदिर के दर्शन भी करने का मौका मिलेगा। मुझे यकीन है कि सभी प्रतिभागी इन स्थानों की दिव्यता से धन्य महसूस करेंगे। जैसे-जैसे राष्ट्र विकसित भारत के निर्माण के सपने को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, काशी तमिल संगमम जैसे प्रयास हमारी विविधता का जश्न मनाते हुए हमारी एकता को मजबूत करने में सर्वोपरि हो जाते हैं। काशी आने वाले तमिलनाडु के लोग जीवन भर याद रखने योग्य महान यादें लेकर वापस जाएं।

राष्ट्रपति ने बीआइटी मेसरा के प्लेटिनम जुबली समारोह को किया संबोधित

छोटे और पारंपरिक समाधान को भी आजमाएं युवा वर्ग : राष्ट्रपति

संवाददाता

रांची। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि हमारा युग प्रौद्योगिकी का युग है। सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नई प्रगति ने हमारे जीने के तरीके को बदल दिया है। कल तक जो अकल्पनीय था, वह आज वास्तविकता बन गया है। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्ष और भी अधिक नाटकीय होते जा रहे हैं, जिसमें विशेष रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग में दूरगामी प्रगति की उम्मीद है। चूंकि एआई तेजी से अर्थव्यवस्थाओं को बदल रहा है, इसलिए भारत सरकार उभरते परिदृश्य पर प्रतिक्रिया देने में तत्पर रही है। उच्च शिक्षा संस्थानों में एआई को एकीकृत करने के लिए कई पहल की जा रही है। राष्ट्रपति शनिवार को बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान (बीआइटी) मेसरा के प्लेटिनम जुबली समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रही थीं।

राष्ट्रपति ने कहा कि चूंकि प्रौद्योगिकी समाज में बड़े व्यवधान पैदा करती है, इसलिए हमें हाशिए पर पड़े समूहों पर इसके प्रभाव के बारे में चिंतित रहना चाहिए। जो महान अवसर पैदा किए जा रहे हैं, वे सभी के लिए उपलब्ध होने चाहिए, जो महान परिवर्तन लाए जा रहे हैं, उनसे सभी को लाभ होना चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि अक्सर हमारे आसपास की समस्याओं के लिए किसी बड़े तकनीकी हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं होती है। उन्होंने युवा छोटे और पारंपरिक समाधान को भी ना भूलें बल्कि उसे भी आजमाने की जरूरत है। युवा छोटे पैमाने के पारंपरिक समाधानों के महत्व को न भूलने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि नवोन्मेषकों और उद्यमियों को पारंपरिक समुदायों के ज्ञान के आधार को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि प्लेटिनम जुबली इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी और संबद्ध क्षेत्रों में शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार में बीआईटी मेसरा के योगदान का जश्न मनाने और सम्मान करने का एक उपयुक्त अवसर है।

विशेष स्मारक रजत पदक, डाक टिकट किया जारी

समारोह का मुख्य आकर्षण राष्ट्रपति मुर्मू और राज्यपाल गंगवार द्वारा एक विशेष स्मारक रजत पदक, डाक टिकट और लिफाफा जारी करना था, जो शिक्षा, इनोवेशन और राष्ट्र निर्माण में इंस्टीट्यूट के उल्लेखनीय योगदान का प्रतीक है। समारोह में 780 एकड़ के परिसर में पौधरोपण और राष्ट्रपति द्वारा रिसर्च एग्जीबिशन का उद्घाटन जैसी गतिविधियां भी शामिल थीं। मौके पर बीआईटी के सैकड़ों छात्र और शिक्षक सहित कई लोग मौजूद थे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु बीआईटी मेसरा के प्लेटिनम जुबली कार्यक्रम में शामिल होने के बाद एयरपोर्ट पहुंची और विशेष विमान से नई दिल्ली के लिए रवाना हो गयी।

राज्यपाल ने बीआईटी मेसरा की उपलब्धियों की सराहना की

झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि राष्ट्रपति के आगमन से राज्यवासियों में उत्साह है। उन्होंने बीआईटी मेसरा की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि इस संस्थान ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है और विद्यार्थियों की सोच को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
उन्होंने कहा कि बीआईटी मेसरा न केवल इंजीनियरिंग और प्रबंधन में बल्कि सामाजिक समावेशिता की दिशा में भी कार्य कर रहा है। यहां संचालित पॉलिटेक्निक संस्थान विशेष रूप से आदिम जनजातियों सहित आरक्षित श्रेणियों के छात्रों को तकनीकी शिक्षा और व्यावहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने का अवसर प्रदान कर रहा है, जो रोजगार और उद्यमिता के बेहतर अवसर की दिशा में सहायक हैं।

महाराष्ट्र के सांगली में जीबीएस से पीड़ित दो और लोगों की मौत

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र के सांगली जिले में शनिवार को दो और जीबीएस (गुइलेन-बैरे सिंड्रोम) मरीजों की मौत हो गई है। मृतकों में एक 14 साल का बच्चा भी शामिल है। इसकी पुष्टि मिराज सरकारी अस्पताल के अधिष्ठाता (डीन) डॉ. प्रकाश गुरव ने की है। उन्होंने आम नागरिकों से जीबीएस बीमारी से नहीं घबराने की अपील की है। सांगली में आज जीबीएस से हुई दो मौत के बाद राज्य में इस बीमारी से मरने वालों की संख्या बढ़कर 11 हो चुकी है।

मिराज सरकारी अस्पताल के अधिष्ठाता (डीन) डॉ. गुरव ने आज बताया कि कर्नाटक के हुक्केरी का एक 14 वर्षीय बच्चा जीबीएस से संक्रमित था। उसे 31 जनवरी को मिराज सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। आज सुबह उसकी मृत्यु हो गई। जीबीएस से ग्रसित दूसरी महिला की मौत शुक्रवार को देर रात हो गई। महिला मरीज को गुरुवार दोपहर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यह महिला सोलापुर जिले के सांगोला की निवासी थीं। डॉ. गुरव ने कहा कि नागरिकों को जीबीएस से डरना नहीं चाहिए। उपचार के बाद ऐसे मरीज पूरी तरह ठीक हो जाते हैं। बशर्ते लक्षण दिखने पर तुरंत इलाज कराना चाहिए।

जम्मू-कश्मीर में आतंकी गतिविधियों से जुड़े तीन सरकारी कर्मचारी बर्खास्त

एजेंसी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आतंकवाद से जुड़ी गतिविधियों में संलिप्तता के लिए तीन सरकारी कर्मचारियों को बर्खास्त करने का आदेश दिया है। बर्खास्त किए गए तीनों कर्मचारी राज्य की अलग-अलग जेलों में बंद हैं। इन तीनों के नाम- पुलिस कांस्टेबल फिरदौस अहमद भट, शिक्षक मोहम्मद अशरफ भट और वन विभाग के अर्दली निसार अहमद खान हैं।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि यह निर्णय संविधान के अनुच्छेद 311(2)(सी) के तहत लिया गया है जो सरकार को राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में बिना जांच के कर्मचारियों को बर्खास्त करने की अनुमति देता है। यह कदम सरकार के भीतर उन व्यक्तियों पर चल रही कार्रवाई का हिस्सा है जिन पर आतंकवादी समूहों से संबंध होने का संदेह है। अधिकारियों ने कहा कि तीनों कर्मचारियों के खिलाफ मामले विश्वसनीय खुफिया सूचनाओं और जांच पर आधारित थे।

एक अधिकारी ने कहा कि प्रशासन ने आतंकवाद और इसके किसी भी प्रकार के समर्थन के प्रति अपनी शून्य-सहिष्णुता की नीति दोहराई है।

के. राजू बने झारखंड प्रदेश कांग्रेस के नये प्रभारी

संवाददाता

रांची। कांग्रेस के अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक विभागों के राष्ट्रीय समन्वयक के. राजू (कोप्पुला राजू) को झारखंड प्रदेश कांग्रेस का नया प्रभारी बनाया गया है। इस संबंध में कांग्रेस के जनरल सेक्रेटरी केसी वेणुगोपाल ने शुक्रवार देर रात अधिसूचना जारी की है।
के. राजू प्रदेश कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर का स्थान लेंगे। गुलाम अहमद मीर लोकसभा चुनाव के ठीक पहले 23 दिसंबर 2023 को झारखंड के प्रदेश प्रभारी बनाए गए थे। उनके नेतृत्व में कांग्रेस ने झारखंड में लोकसभा और विधानसभा चुनाव 2024 लड़ा था। लोकसभा में कांग्रेस को दो सीटों पर और विधानसभा में 16 सीटों पर जीत मिली थी। नए प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के. राजू आंध्र प्रदेश के नेल्लौर के रहने वाले हैं। वे भारतीय प्रशासनिक सेवा के अफसर रहे हैं। संगठन के कार्यों के सिलसिले में वे कई बार झारखंड का दौरा कर चुके हैं। राजू को राहुल गांधी का बहुत करीबी सहयोगी माना जाता है। के. राजू अगस्त 2013 में सुर्खियों में आए थे, जब उन्हें पार्टी की अनुसूचित जाति इकाई का प्रमुख नियुक्त किया गया था।

तीर्थयात्रियों की बस और बोलेरो में भीषण टक्कर, 10 की मौत

एजेंसी

प्रयागराज (उत्तर प्रदेश)। प्रयागराज जिले में महाकुंभ के आयोजन के बीच मेजा में रात को हुए सड़क हादसे में 10 तीर्थयात्रियों की मौत हो गई। हादसे में 19 लोग घायल बताए जा रहे हैं। पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचा दिया है।

पुलिस के अनुसार, यह हादसा जिले के मेजा में प्रयागराज-मीरजापुर हाइवे पर शुक्रवार देररात लगभग दो बजे बस और महाकुंभ तीर्थयात्रियों से भरी बोलेरो की टक्कर से हुआ। हादसे में बोलेरो से त्रिवेणी संगम जा रहे सभी 10 तीर्थयात्रियों की मौत हो गई। यह सभी छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के हैं। इस हादसे में बस सवार 19 तीर्थयात्री भी जख्मी हुए हैं। यह सभी संगम स्नान के बाद वाराणसी जा रहे थे। यह लोग मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के रहने वाले हैं।

महाकुम्भ 144 वर्ष पहले 0.6 फीसदी श्रद्धालुओं ने किया था स्नान, इस वर्ष अब तक 50.11 करोड़ श्रद्धालु कर चुके हैं संगम में अमृत स्नान

33 दिनों में देश की 33 फीसदी आबादी ने लगायी आस्था की डुबकी

एजेंसी

महाकुम्भ नगर। महाकुम्भ के 33 दिनों में देश की 33 फीसदी आबादी पवित्र संगम में आस्था की डुबकी लगा चुकी है। 14 फरवरी रात आठ बजे मेला प्रशासन ने श्रद्धालुओं का जो आंकड़ा प्रसारित किया, उसके अनुसार अब तक 50.11 करोड़ महाकुम्भ में शामिल हो चुके हैं। वर्तमान में भारत की आबादी 145 करोड़ है। इस हिसाब से देश की 33 फीसदी से ज्यादा आबादी अब तक पवित्र संगम की धरती पर आ चुकी है। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुये यह आंकड़ा 55-60 करोड़ बीच रहने का अनुमान है। 13 जनवरी से महाकुंभ की शुरुआत हुई थी, जिसका आखिरी स्नान महाशिवरात्रि यानी 26 फरवरी को किया जाएगा।

1882 में 10 लाख श्रद्धालु हुए थे शामिल

साल 1882 में 144 साल पहले महाकुम्भ का आयोजन प्रयागराज में हुआ था। तब 10 लाख श्रद्धालु महाकुम्भ में स्नान करने पहुंचे थे। यह उस समय की कुल आबादी का 0.6 फीसदी था। रिकॉर्ड डॉक्यूमेंट के अनुसार उस समय देश की कुल आबादी करीब 25 करोड़ थी।

अब तक 33 फीसदी से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे स्नान करने

महाकुम्भ की शुरूआत 13 जनवरी पौष पूर्णिमा को हुई। अब तक तीन अमृत स्नान और दो विशेष स्नान हो चुके हैं। 13 जनवरी को पौष पूर्णिमा को 1.7 करोड़, 14 जनवरी मकर संक्राति (पहला अमृत स्नान) को 3.5 करोड़, 29 जनवरी (दूसरा अमृत स्नान) मौनी अमावस्या को 8 करोड़, 3 फरवरी (तीसरा और अंतिम अमृत स्नान) को 2.57 करोड़ और 12 फरवरी माघी पूर्णिमा के दिन 1.7 करोड़ ने संगम में पुण्य की डुबकी लगायी।

बसंत पंचमी के बाद बढ़ी भीड़

प्राय: यह माना जाता है कि बसंत पंचमी के बाद मेले का उतार शुरू हो जाता है। लेकिन बंसत पंचमी के स्नान के दो दिन बाद 6 फरवरी से श्रद्धालुओं का जो रेला प्रयागराज पहुंचना शुरू हुआ, उसने मेले में फिर से प्राण फूंक दिये। श्रद्धालुओं की लगातार बढ़ती संख्या ने इतिहास का निर्माण तो किया ही, वहीं नये कीर्तिमान भी स्थापित किये। मेला शुरू होने से पूर्व सरकार का अनुमान था कि इस बार मेले 40-45 करोड़ श्रद्धालु आएंगे। लेकिन सनातन के प्रति उमड़े उत्साह और गहरी आस्था ने सारे रिकार्ड ध्वस्त कर दिये।

महाकुम्भ से होगा आर्थिक फायदा

महाकुम्भ 2025 को अर्थशास्त्रियों की नजर से देखें तो कुम्भ अब धार्मिक आयोजन के साथ आर्थिक आयोजन के तौर पर भी उभर कर सामने आया है। 2013 में हुए महाकुम्भ 1300 करोड़ रुपये खर्च किये गये थे, जबकि 2019 में लगे अर्द्धकुम्भ में यह बजट बढ़ाकर तीन गुना बढ़कर 4200 करोड़ रुपये हो गया था। लखनऊ विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के प्रोफेसर एमके अग्रवाल के अनुसार, 2025 के महाकुंभ के आयोजन के लिए केंद्र और राज्य सरकार ने मिलकर 7000 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। प्रदेश सरकार को कुम्भ के खत्म होने तक दो लाख करोड़ से अधिक का आर्थिक फायदा होगा। इतना ही अनुमानित फायदा केंद्र सरकार को भी होने का अनुमान है।

पहले और अब कुम्भ पहुंची आबादी

वर्ष	-	आबादी का प्रतिशत
1882	-	0.6 प्रतिशत
2013	-	6 प्रतिशत
2019	-	20 प्रतिशत
2025	-	33 प्रतिशत से अधिक (14 फरवरी तक)

पहले और अब कुम्भ में कितना खर्च

वर्ष	-	खर्च
1882	-	कोई आधिकारिक डाटा नहीं
2013	-	1300 करोड़
2019	-	4200 करोड़
2025	-	7000 करोड़

संक्षिप्त खबरें

पूजा सिंघल को विभाग देने पर रोक की मांग, 17 फरवरी को होगी सुनवाई

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा रांची के पीएमएलए की विशेष अदालत में दाखिल याचिका पर अब 17 फरवरी को सुनवाई होगी। ईडी ने कोर्ट से आग्रह किया है कि मनरेगा घोटाले की अभियुक्त आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल को कोई विभागीय जिम्मेदारी न दी जाए। ईडी का कहना है कि यदि राज्य सरकार उन्हें कोई विभाग सौंपती है, तो वे अपने पद का दुरुपयोग कर मामले को प्रभावित कर सकती हैं। इस याचिका पर पूजा सिंघल की ओर से जवाब दाखिल किया जा चुका है, जिसके बाद अब दोनों पक्षों की बहस होगी। गौरतलब है कि ईडी ने पूजा सिंघल को 11 मई 2022 को गिरफ्तार किया था। इससे पहले, पांच मई को उनके 25 ठिकानों पर छापेमारी में बेहिसाब नकदी और निवेश से जुड़ी अहम जानकारी मिली थी। उनके चार्टर्ड अकाउंटेंट सुमन कुमार सिंह के आवास और कार्यालय से 19.31 करोड़ रुपये की नकदी बरामद हुई थी। पूजा सिंघल को सात दिसंबर को बीएनएस कानून के तहत जेल से रिहा कर दिया गया था। हालांकि, वे अब भी मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अभियुक्त हैं, लेकिन कानूनी प्रावधानों के तहत जेल से बाहर रहने के दौरान उनका निलंबन समाप्त कर दिया गया है।

बगैर निकाय चुनाव के जनता के पैसे की बर्बादीः बाबूलाल मरांडी

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने आरोप लगाया है कि झारखंड में नगर निकाय चुनाव न होने के कारण जनता के पैसों की अंधाधुंध बबार्दी हो रही है। उन्होंने हुसैनाबाद नगर पंचायत का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां उत्तरी कोयल नहर के ऊपर बिना एनओसी के ही 10 लाख रुपये की लागत से सड़क बना दी गई। बाद में नहर जीर्णोद्धार करा रही कंपनी ने इस नवनिर्मित सड़क को उखाड़ दिया, जिससे सरकारी धन का दुरुपयोग साफ नजर आता है। मरांडी ने शनिवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि झारखंड के सभी नगर निकायों में प्रायः इसी प्रकार से औचित्यहीन योजनाओं का टेंडर निकालकर प्रशासक जनता के पैसों को पानी की तरह बहा रहे हैं। इन योजनाओं से जनता का कोई भला नहीं हो रहा। राज्य सरकार नगर निकायों का इस्तेमाल एटीएम की तरह कर काला धन इकट्ठा कर रही है। उन्होंने कहा कि नगर निकायों का कार्यकाल समाप्त होने के बाद विगत दो वर्षों में नगर विकास विभाग ने खर्च की गई राशि और योजनाओं की प्रासंगिकता की गहन जांच की जानी चाहिए।

झारखंड के नौ पुलिस अफसर बनेंगे आईपीएस, यूपीएससी को भेजे गए 17 अधिकारियों के नाम

रांची। राज्य पुलिस सेवा के नौ अफसरों को आईपीएस में प्रोन्नति दी जाएगी। राज्य सरकार ने वर्ष 2021, 2022 और 2023 की कुल नौ रिक्तियों के विरुद्ध आईपीएस में प्रोन्नति के लिए यूपीएससी को अनुशंसा की है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की स्वीकृति के बाद यूपीएससी को कुल 17 पुलिस पदाधिकारियों की सूची प्रेषित की गयी है।

यूपीएससी को भेजे ये नाम :
यूपीएससी को भेजी गयी सूची में शिवेंद्र, राधाप्रेम किशोर, मुकेश कुमार महतो, मजरूल होदा, राजेश कुमार, दीपक कुमार, अविनाश कुमार, रोशन गुड़िया, श्रीराम समद, निशा मुर्मू, सुरजीत कुमार, वीरेंद्र चौधरी, राहुल देव बड़ाइक, खीस्टोफर केरकेट्टा, प्रभात रंजन बरवार, अनूप कुमार बड़ाइक, समीर तिर्की और हीरालाल रवि का नाम शामिल है। यूपीएससी प्रोन्नति के योग्य अफसरों का करेगा चयन यूपीएससी को जिनके नाम भेजे गए हैं, वे सभी पुलिस पदाधिकारी डीएसपी, सीनियर डीएसपी और एडिशनल एसपी रैंक के अफसर हैं। अधिकारियों के एसीआर समेत अन्य दस्तावेज भी यूपीएससी को सौंपे गये हैं। पुलिस अधिकारियों के प्रदर्शन, कायार्नुभव और एसीआर के आधार पर यूपीएससी प्रोन्नति के योग्य अफसरों का चयन करेगा।

सीटीपीएस में अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल इकाई की होगी स्थापना, मिली सैद्धांतिक स्वीकृतिः चंद्र प्रकाश

रांची। गिरिडीह के सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने बताया है कि चंद्रपुरा थर्मल पावर स्टेशन (सीटीपीएस) में 2 गुना 008 मेगावाट अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल इकाई की स्थापना होगी। यह कोल इंडिया लिमिटेड के साथ संयुक्त उद्यम के माध्यम से होगी। इसका प्रबंधन डीबीसी के पास होगा। उन्होंने बताया कि इस परियोजना पर करीब 164257.7 करोड़ रुपए खर्च होगें। इसको लेकर केंद्रीय विद्युत, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री की सैद्धांतिक स्वीकृति प्राप्त हो गई है।

झारखंड में धान खरीद के मामले में गढ़वा सबसे आगे

वरीय संवाददाता

रांची। झारखंड धान खरीद में भले ही अभी पिछड़ा हुआ है, लेकिन गढ़वा अपने लक्ष्य के विरुद्ध 81 प्रतिशत धान का क्रय कर पूरे झारखंड में पहले पायदान पर है। वहीं धान क्रय के लक्ष्य को पूरा करने में मिलरों की लापरवाही बाधक बन रही है।

झारखंड सरकार ने गढ़वा जिला को धान क्रय करने के लिए दो लाख क्विंटल का लक्ष्य दिया था। जिसके एवज में जिला आपूर्ति विभाग एवं सहकारिता विभाग ने 52 पैक्स के माध्यम से अब तक दिए गए लक्ष्य का 81 प्रतिशत क्रय पूरा कर पहले स्थान पर काबिज हो गया है। जिले में अब तक दो लाख क्विंटल के लक्ष्य के विरुद्ध एक लाख, 63 हजार क्विंटल धान की खरीद हो चुकी है।

धान उठाव में मिलर बन रहे हैं बाधक
गढ़वा में मिलरों की लापरवाही से धान का पर्याप्त उठाव नहीं हो रहा है। नियम के तहत मिलर को धान उठाने से पहले धान का 68 प्रतिशत चावल जमा करना होता है, लेकिन मिलरों की लापरवाही ने आपूर्ति विभाग को परेशानी हो रही है। क्योंकि मिलर समय से चावल नहीं जमा कर रहे हैं। इस कारण धान का उठाव नहीं हो पा रहा है। झारखंड की बात करें तो यहां राइस मिल की संख्या बहुत कम है। सरकार का नियम है कि मिलर झारखंड का ही होना चाहिए। इस परिस्थिति में मात्र तीन मिलरों पर गढ़वा जिले के पैक्स आश्रित हैं। ऐसी स्थिति में गढ़वा जिला में धान की खरीदारी में तो तेजी है, लेकिन धान के उठाव में धीमी गति देखी जा रही है।

लक्ष्य से अधिक भी लिया जा सकता है धान
इस मामले पर जिला आपूर्ति पदाधिकारी राम गोपाल पांडेय ने कहा कि गढ़वा जिला धान खरीद में पूरे झारखंड में पहले स्थान पर है।

मिलरों के द्वारा चावल नहीं जमा करने से थोड़ी परेशानी हो रही है।

सीएमआर रिपोर्ट में सुधार होना जरूरी है। यदि किसानों के धान और होंगे तो हम अपने लक्ष्य को पूरा करने के बाद भी विभाग से पत्राचार कर सभी किसानों का धान क्रय करेंगे।

निगम ने की सेंट्रो मॉल की जांच, मापी के क्रम में क्षेत्रफल में पाया अंतर

वरीय संवाददाता

रांची। रांची नगर निगम के राजस्व शाखा की टीम के द्वारा निगम क्षेत्रांतर्गत लगातार होल्डिंग व ट्रेड लाइसेंस की जांच करते हुए विभिन्न भवनों एवं प्रतिष्ठानों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

इस क्रम में शनिवार को सहायक प्रशासक के नेतृत्व में राजस्व शाखा की गठित टीम के द्वारा मेन रोड स्थित विभिन्न भवनों की जांच की गई। जिसमें सर्वप्रथम सेंट्रो मॉल की जांच की गई एवं भवन परिसर के क्षेत्र की मापी की गई। मापी के क्रम में क्षेत्रफल में अंतर पाया गया। पूर्व में मॉल द्वारा 1,02,732 एसक्कार फीट क्षेत्र का निर्धारण किया गया था, परन्तु मापी के उपरांत 1,98,427 एसक्वायर फीट क्षेत्रफल पाया गया।

इसके साथ ही मॉल की ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट की जांच की जिसपर पाया गया कि जून माह से मॉल की ऑक्यूपेंसी निर्धारित है। जिसपर सहायक प्रशासक द्वारा जून माह से ऑक्यूपेंसी तिथि मानते हुए री-असेसमेंट करते हुए सात दिनों के भीतर कर का भुगतान करने का निर्देश दिया गया। राज अस्पताल को तीन दिनों के भीतर री असेसमेंट करने का दिया आदेश टीम के द्वारा चर्च कॉम्प्लेक्स परिसर की मापी की गई एवं भवन के ग्राउंड फ्लोर के मेज नाइन में कुछ नए दुकानें पाई गई, जिसपर सहायक प्रशासक द्वारा उक्त प्रतिष्ठानों को तीन दिनों के भीतर री-असेसमेंट करने एवं टॉप फ्लोर में अधिष्ठापित होर्डिंग्स व मोबाइल टावर के कार्पेट एरिया को गणना में सम्मिलित करते हुए कर का भुगतान करने का निर्देश दिया गया। इसके अलावा मेन रोड स्थित कच्छी बिल्डिंग की जांच की गई और तीन दिनों के भीतर री-असेसमेंट करने का निर्देश दिया गया। जांच टीम में नगर प्रबंधक, निगम के कर संग्रहकर्ता, एजेंसी के कर संग्रहकर्ता एवं राजस्व शाखा की अन्य कर्मी उपस्थित थे।

मार्च में ही पड़ेगी जून जैसी गर्मी, तापमान तोड़ेगा सारे रिकॉर्ड!

संवाददाता

रांची। झारखंड सहित देश भर में इस साल गर्मी जल्दी ही पड़ने लगी है। जनवरी में भी मौसम सामान्य से भी अधिक गर्म रहा। फरवरी में भी लोगों को गर्मी का अहसास होने लगा है। अब मौसम विभाग ने आशंका जताई है कि मार्च का महीना भी उम्मीद से अधिक गर्म रहेगा। इस दौरान लोगों को मई-जून जैसी गर्मी झेलनी पड़ सकती है।

इस वजह से बढ़ रही है गर्मी : मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, लंबे समय से बारिश न होना और तापमान में एकाएक वृद्धि की वजह से ऐसा अनुमान जताया जा रहा है। ठंड के मौसम में पश्चिमी विक्षोभ बेअसर रहने से पूरे उत्तर भारत में अच्छी बारिश नहीं हुई। इसके चलते मौसम गर्म है। इसका असर आने वाले दिनों में दिखेगा।

गर्मी तोड़ देगी सारे रिकॉर्ड : 20 फरवरी के बाद तापमान में तेजी से बढ़ोतरी होने का पूवार्नुमान है। इस दौरान बारिश होने की कोई संभावना नहीं है। ऐसे में मौसम यह संकेत दे रहा है कि मार्च महीने में गर्मी कई रिकॉर्ड तोड़ सकती है।

145 वां श्री श्याम भंडारा का हुआ आयोजन

वरीय संवाददाता

रांची। श्री श्याम मित्र मंडल की ओर से हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में शनिवार को 145 वां श्री श्याम भंडारा का आयोजन किया गया । इस मौके पर मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी, महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया आदि ने संयुक्त रूप से श्री श्याम भोग का भजन गायन किया। खाटूनरेश बजरंगबली शिव परिवार लड्डू गोपाल जी शालिग्राम जी गरुड़ जी गुरुजनों का भोग लगाकर महाप्रसाद को विशाल भंडारे में मिश्रित किया गया। प्रथमदेव श्री गणेश जी महाराज की जय जयकारों के बीच अध्यक्ष सुरेश सरावगी के मार्गदर्शन में श्री श्याम भंडारे का प्रसाद वितरण प्रारंभ किया गया।

श्री श्याम मित्र मंडल के 101 भक्त आज जाएगे खाटूधाम की यात्रा पर श्री श्याम मित्र मंडल का 101 सदस्य दल आज इंडिगो विमान से रांची से दिल्ली के लिए रवाना होगा वहां से बसों से दिल्ली से खाटूधाम स्थित श्री श्याम मित्र मंडल के विश्राम भवन में रात्रि विश्राम करेगा। 17 फरवरी को रिंगस से खाटू की अनुपम निशान यात्रा मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी के नेतृत्व में सभी श्याम प्रेमी करेंगे। सभी निशान अर्पण करने के बाद पुनः खाटू स्थित विश्राम भवन में रात्रि विश्राम करेंगे। 18 फरवरी को प्रख्यात ज्योति पाठ वाचक मनोज सेन के सानिध्य बाबा की अखंड ज्योति पाठ सभी श्याम प्रेमियों के साथ करेंगे।

कौन हैं के राजू? जिन्हें बनाया गया झारखंड कांग्रेस का नया प्रभारी

रांची। कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण फैसले में गुलाम अहमद मीर को प्रदेश प्रभारी पद से हटाते हुए के राजू की इस पद पर नियुक्ति की है। के राजू लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के विश्वस्त और उनकी कोर टीम का हिस्सा हैं।

कौन हैं के राजू? आंध्रप्रदेश कैडर के 1981 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी रहे के राजू ने वर्ष 2013 में स्वैच्छिक सेवानिवृति ले ली थी। वे केंद्र में तत्कालीन यूपीए सरकार के वक्त सोनिया गांधी के नेतृत्व में गठित राष्ट्रीय सलाहकार परिषद के सचिव थे।

राष्ट्रपति से धर्मेंद्र तिवारी ने की मुलाकात, आशाराम बापू की स्थाई रिहाई के लिए किया अनुरोध

संवाददाता

रांची। राजकली फाउंडेशन के सचिव धर्मेंद्र तिवारी ने राजभवन में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान श्री तिवारी ने राष्ट्रपति को पुष्प गुच्छ और शाल प्रदान कर उनका सम्मान किया और संस्था की कार्यशैली के बारे में जानकारी दी।

मुलाकात के दौरान श्री तिवारी ने राष्ट्रपति को पूज्य संत श्री आसाराम जी बापू की बिगड़ती स्वास्थ्य स्थिति के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बापू वर्तमान में मार्च 2025 तक पैरोल पर बाहर हैं, जहां उन्हें अपना इलाज करवाने का अवसर मिला है बापू के 86 वर्ष की आयु और उनकी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं को ध्यान में रखते हुए, उनकी स्थाई रिहाई के लिए राष्ट्रपति से हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया। श्री तिवारी ने इस संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट की अनुशंसा का भी उल्लेख किया।

जिसमें कहा गया है कि 75 वर्ष से अधिक आयु के कैदियों को रिहा किया जाए, विशेषकर जब उनकी स्वास्थ्य स्थिति गंभीर हो। उन्होंने इस अनुशंसा का हवाला देते हुए बापू की स्थाई रिहाई की मांग को और मजबूत किया। श्री तिवारी ने यह भी बताया कि बापू की खराब स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए, उन्हें तत्काल और बेहतर इलाज की आवश्यकता है।

दूर नहीं हो रहा एचईसी कर्मियों के वेतन का संकट

संवाददाता

रांची। एचईसी कर्मियों के वेतन संबंधित संकट दूर नहीं हो रहा है। 26 माह से वेतन नहीं मिलने से कर्मियों में घोर निराशा है। कर्मचारी पाई पाई का मुहताज हो गए हैं।

उनके पास घर चलाने के लिए पैसे नहीं हैं। हालांकि कई कर्मी वैकल्पिक रोजगार कर किसी तरह से घर परिवार का खर्च वहन कर रहे हैं, लेकिन अधिसंख्य कर्मचारी टकटकी लगाकर एचईसी प्रबंधन और केंद्र सरकार की ओर देख रहे हैं। कर्मचारियों को एचईसी प्रबंधन की ओर से पिछले वर्ष नवंबर माह में महज 15 दिनों का वेतन छठ महापर्व को लेकर दिया गया था। लेकिन उसके बाद फिर किसी तरह का भुगतान उन्हें नहीं किया गया है।

यही वजह है कि कई कर्मियों के बच्चों की पढाई भी छूटने को है। उल्लेखनीय है कि एचईसी में लगभग 2340 कर्मचारी और अधिकारी हैं, जिसमें 1400 ठेका कर्मचारी और शेष 900 अधिकारी और स्थायी कर्मचारी शामिल हैं। कर्मियों का बकाया 26 माह से जबकि अधिकारियों का 29 माह से बकाया है। वहीं एचईसी मंजदूर संघ के महामंत्री रामाशंकर प्रसाद कहते हैं कि कर्मियों की आर्थिक स्थिति बेहद खराब है। स्कूल में कर्मियों के बच्चों की फीस कई माह से बकाया है। प्रबंधन को चाहिए कि एचईसी की जमीन पर जिन स्कूलों का संचालन हो रहा है उन स्कूलों में पढ़ रहे कर्मियों के बच्चों की फीस माफ करा दे। ताकि, कर्मियों पर से कुछ आर्थिक बोझ कम हो।

बाबा मंदिर का चार दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव कलश यात्रा के साथ शुरू

रांची। राजधानी के न्यू मधुकम रोड नंबर 5अ/7 रांची के प्रांगण से बाबा मंदिर प्राण प्रतिष्ठ समारोह के चार दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव प्रथम दिन कलश शोभा यात्रा निकाली गई इसमें 1501 महिलाएं शामिल हुई। शोभा यात्रा मंदिर परिसर से निकलकर रातू रोड राणी सती मंदिर पहुंची। जहां पर सभी कलशो का मंत्रोच्चारण के साथ आचार्य पुरुषोतम कृष्ण शास्त्री द्वारा शुद्धि करण कर कुंआ का जल सभी कलशों में भरा गया। इसके बाद वहां से कलश यात्रा वापस पहाड़ी मंदिर, मिलन चौक, मधुकम होते हुए वापस मंदिर पहुंची। इसके बाद सभी कलशों को मंदिर में विराजमान कर भक्तों के बीच प्रसाद वितरण किया गया।

जस्टिस एमवाई इकबाल के जीवन एवं उनके धरोहर के स्मरण में बदलते संविधानिकतावाद पर हुई परिचर्चा

वरीय संवाददाता

रांची। संत जेवियर्स कॉलेज के ऑडिटोरियम में इंडियन एसोसिएशन ऑफ लायर्स, झारखंड के अंतर्गत सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस एम वाई एकबाल के जीवन और विरासत के उपलक्ष्य में एक सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत अफाक रशीदी तथा सुभाशीष रसिक सोरेन के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में आए हुए अतिथियों का बुके देकर स्वागत किया गया और कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन के साथ संविधान के पाठ को पढ़ा गया।

उसके बाद शुरूआती भाषण फादर रॉबर्ट प्रदीप कुजुर प्रिंसिपल संत जेवियर्स कॉलेज ने दिया। स्वागत भाषण रिटायर्ड जस्टिस हाई कोर्ट रत्नाकर भेंगरा ने दिया । कार्यक्रम का परिचय ए के रसीदी ,महासचिव इंडियन एसोसिएशन आफ लॉयर्स के द्वारा दिया गया।

जस्टिस इकबाल ने विधिशास्त्र के क्षेत्र में एक लंबी लकीर खींची है : जस्टिस संदीप
सुप्रीम कोर्ट के जज संदीप मेहता ने कार्यक्रम को विस्तार से बताया। जस्टिस इकबाल ने विधिशास्त्र के क्षेत्र में एक लंबी लकीर खींची है। फेयर ट्रायल की पक्षता में उनका अविस्मरणीय योगदान रहा है। आज उनके गृह जिले रांची में आकर सुखद अनुभव हो रहा है। हम अच्छे मित्र, अच्छे साझेदार और विधिवत प्रोफेशनल्स रहे हैं। उनके कार्यों की लंबी सूची है। बतौर एक बेहतर इंसान वो व्यग्तिगत स्वायत्ता और कानून के बीच हमेशा संतुलन रखते थे। यही समझ ने उनको इतना बड़ा बनाया।

कार्यक्रम में ये रहे शामिल
इस अवसर पर झारखंड उच्च न्यायालय मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एम एस रामचन्द्र राव, झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद, जस्टिस रॉन्गन मुखोपाध्याय, जस्टिस आनंदा सेन, जस्टिस अनिल कुमार चौधरी, जस्टिस नवनीत कुमार,जस्टिस संजय प्रसाद झारखंड हाई कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस रत्नाकर भेंगरा, राजेंद्र कृष्णा अध्यक्ष , झारखंड बार काउंसिल, वाई एस लोहित, महासचिव इंडियन एसोसिएशन ऑफ लॉयर्स, ए के रशीदी, जनरल सेक्रेटरी इंडियन एसोसिएशन ऑफ लॉयर्स,झारखंड, अधिवक्ता अजहर अहमद खान, फादर पीटर मार्टिन, अफाक रशीदी, हैदर अली, सुभाशीष रसिक सोरेन, रजउल्लाह अंसारी, वाइजर रहमान, मो. आजम, अमानत खान, आयशा सिद्दीकी, दीपशिखा, पूजा, प्रीति हेंब्रम ,अमित सिन्हा ,पूजा, अमन खान, कमर इमाम, आशीष कुमार, मृणाली, हैदर अली, जैद एहमद, शहाबुद्दीन, सचिन, कमर इमाम, अफसर रजा, आसिफ खान, शमीम सलीम, आसिफ इकबाल, रंजन ठाकुर, शंभू प्रसाद, दिलीप महतो, अयाज हैदर, आलिया बेगम, शाहिस्ता बेगम, जब्बार , अरशद खान, गुलरेज अंसारी, बीरेंद्र शर्मा, राजकुमार सिंह, अशोक कुमार , उदय सिन्हा, राजकुमार, समेत झारखंड के अलग अलग जिलें एवं उच्च न्यायालय के अधिवक्ता तथा न्यायिक अधिकारी और कानून से जुड़े काफी व्यक्ति शामिल हुए।

संक्षिप्त खबरें

झामुमो ने पूर्व सांसद स्व. टेकलाल महतो की जयंती मनाई

बेरमो/ बोकारो। झारखंड मुक्ति मोर्चा फुसरो नगर कमेटी द्वारा गिरिडीह के पूर्व सांसद सह झारखंड राज्य के अग्रणी नेता स्व० टेकलाल महतो की 80 वीं जयंती शनिवार को फुसरो नगर परिषद क्षेत्र के करगली गेट स्थित निर्मल महतो स्मारक भवन में मनाई गई। यहां लोगों ने पूर्व सांसद स्व० महतो की तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित कर नमन किया। वक्ताओं ने कहा कि स्व० टेकलाल महतो ने झारखंड राज्य को अलग कराने में अहम भूमिका निभाई। लोगों ने उनके पदचिन्हों पर चलने की अपील की। कहा कि स्व० महतो ने सांसद रहकर पूरे गिरिडीह संसदीय क्षेत्र में विकास किया था। जो आज भी यहां की जनता नहीं भुला सकी है। कहा कि आज झारखंड को ऐसे ही नेता की जरूरत है जो झारखंड के विकास के साथ-साथ राज्य की दिशा और दशा बदलने में अपना योगदान दे सके। मौके पर झामुमो बोकारो जिला संयोजक मंडली सदस्य जयनारायण महतो, पान बाबू केवट, इकबाल अहमद, पर्यवेक्षक दीपक महतो, नगर प्रमुख भोलू खान, रंजीत महतो, महताब खान, टीकू महतो, जितेंद्र नायक, दीपक गुप्ता, आनंद सोनी, नवाज खान आदि मौजूद थे।

कदमाडीह में समाजसेवी स्व. अर्जुन सिंह की मनाई गई पांचवीं पुण्यतिथि

बेरमो/ बोकारो। फुसरो नगर परिषद क्षेत्र के कदमाडीह बस्ती स्थित सामुदायिक भवन में शनिवार को समाजसेवी स्व० अर्जुन सिंह की पांचवी पुण्यतिथि मनाई गई। यहां उनके परिजनों व शुभचिंतकों ने स्व० सिंह के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। अध्यक्षता समाजसेवी गणेश सिंह व संचालन वीरेंद्र सिंह ने किया। वक्ताओं ने कहा कि मुखिया जी के नाम से चर्चित स्व० सिंह हमेशा शिक्षा, बेटियों की शादी व राजनीतिक कार्य में बढ़-चढ़ कर अपनी भूमिका निभाते थे। आज युवा पीढ़ी को इनके दिये हुए मार्गदर्शन में चलकर उनके सपनों को साकार करने की जरूरत है। कहा कि हम सबको उनके बताये मार्ग से प्रेरणा लेनी चाहिए। कार्यक्रम में सीसीएल ढोरी के सीएचडी सुरक्षा प्रभारी उमाशंकर महतो, पुनीत महतो, कांग्रेस नेता ललन रवानी, जीतेंद्र सिंह, सुखदेव सिंह आदि ने अपने-अपने विचार रखे। धन्यवाद ज्ञापन लालचंद सिंह ने किया। मौके पर श्यामलाल सिंह, छोटू महतो, भरत सिंह, पप्पू सिंह, मिथुन महतो, पवन शर्मा, प्रेमचंद सिंह, नारायण सिंह, खुबलाल सिंह, मुन्ना उरांव, दारा सिंह, नारायण महतो, बिल्लो सिंह, सोनू सिंह, भरत सिंह, तुलसी सिंह, मुंदरी देवी, मंजू देवी आदि मौजूद थे।

विशाखापत्तनम ने जीता इंटर-स्टील प्लांट्स क्रिकेट चैंपियनशिप का खिताब

बोकारो। स्टील प्लांट्स स्पोर्ट्स बोर्ड (एसपीएसबी) के अंतर्गत सत्र 2024-25 के लिए बीएसएल की मेजबानी में आयोजित इंटर-स्टील प्लांट्स क्रिकेट चैंपियनशिप का फाइनल मैच शनिवार को क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया जिसमें एक रोचक मुकाबले में आरआईएनएल विशाखापत्तनम ने सेलम स्टील प्लांट को 05 विकेट से पराजित कर शानदार विजय प्राप्त की। चैंपियनशिप के समापन समारोह में बीएसएल के निदेशक प्रभारी बीरेंद्र कुमार तिवारी मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। समापन समारोह में अधिशासी निदेशक (संकार्य) सी आर महापात्रा, अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) सुरेश रंगानी, अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) राजश्री बनर्जी, अधिशासी निदेशक (माइंस) विकास मनवटी, अधिशासी निदेशक (सामग्री प्रबंधन) सी आर मिश्रा, अधिशासी निदेशक (परियोजनाएं) अनीष सेनगुप्ता, अन्य वरीय अधिकारी तथा क्रिकेट प्रेमी उपस्थित थे। मुख्य अतिथि ने विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान की और जीत हासिल करने पर बधाई दी।।उल्लेखनीय है कि सलेम स्टील प्लांट तथा बोकारो स्टील प्लांट के बीच 14 फरवरी को खेले गए पहले सेमी-फाइनल मैच में सलेम स्टील प्लांट ने 26 रन से जीत दर्ज की।

कोयला क्षेत्र में कार्यरत मजदूरों की सुरक्षा की जिम्मेवारी तय कराएगी सरकार : किशन रेड्डी

सीएमपीएफ घोटाले की सीबीआई जांच कराए सरकार : के.लक्ष्मा रेड्डी

संवाददाता

बेरमो/बोकारो। भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध अखिल भारतीय खदान मजदूर संघ के नागपुर में आयोजित 19 वें त्रैवार्षिक अधिवेशन में केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री किशन रेड्डी ने कहा कि देश में अगले 50 साल तक कोयले पर निर्भरता रहेगी। कोयला क्षेत्र में कार्यरत सभी श्रेणी के मजदूरों की सरकार बीमा कराएगी। जबकि देश के किसी भी पीएसयू में मजदूरों के बीमा का प्रावधान नहीं है। उन्होंने कोयला कर्मियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए कई लाभकारी योजनाओं की घोषणा की। कहा कि कोयला उत्पादन में कर्मियों की सुरक्षा प्राथमिकता है। देश के कई अन्य सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल कोल इंडिया की इंपैनल सूची में सम्मिलित किए जा रहे हैं। सभी मजदूरों को यूनिफॉर्म देकर कार्यस्थल पर ड्रेस कोड लागू कराया जाएगा। सेवानिवृत्त कोल कर्मियों और ठेका मजदूरों को बेहतर चिकित्सा सुविधा मिलेगी। इन सारी सुविधाओं के लिए बीएमएस के कोयला उद्योग प्रभारी के लक्ष्मा रेड्डी बराबर वातालाप कर कोयला कर्मचारियों के हक की लड़ाई हमसे करते रहते हैं और कर्मचारियों के कल्याण संबंधित विषयों को अवगत कराते रहते हैं। मंत्री ने कहा कि कोल उद्योग प्रभारी द्वारा अवगत कराने के उपरांत हमने सीएमपीएफ में हुए घोटाले को संज्ञान में लेकर जल्द जांच कराएंगे तथा कोयला कामगारों की मेहनत से कमाए पैसे को वसूलने की बात कही। उन्होंने कहा कि मजदूरों की सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाते हुए वैधानिक पदों को भरा जाएगा। कोयला खनन के लिए रैयतों से ली गई जमीन के बदले उचित मुआवजा के साथ पुनर्वास कराकर उत्खनीत जमीन को पर्यावरण के अनुकूल विकसित किया जाएगा। देश के 140 माइंस को तीन साल के अंदर ईको-फ्रेंडली बनाया जाएगा। केंद्रीय कोयला मंत्री ने कहा कि कोयला उत्पादन के क्षेत्र में भारत दुनिया में दूसरे स्थान पर है। कोयला कर्मियों के बल पर एक बिलियन टन के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। कहा कि कोयले के आयात में कमी लाने के लिए देश में उत्पादन बढ़ाना है। कोलियरी क्षेत्र में पर्यावरण की सुरक्षा के लिए देश के 145 खदानों को माइन क्लोजर प्रोग्राम के तहत लिया गया है। इसमें 140 माइंस को ग्रीनरी और इको फ्रेंडली माइंस बनाने का काम अगले तीन साल में पूरा करना है। इस योजना के तहत तेजी से काम किया जा रहा है। इस दौरान मजदूर एवं राष्ट्रहित में काम करने के लिए कोयला मंत्री ने अखिल भारतीय खदान मजदूर संघ की सराहना की।

झारखंड ऑफिसर टीचर्स एंप्लॉईज फेडरेशन ने की हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत

बोकारो। झारखंड ऑफिसर टीचर्स एंप्लॉईज फेडरेशन के तत्वावधान में राज्य के सरकारी कर्मचारियों के हितार्थ ज्वलंत मांगों को लेकर प्रदेश अध्यक्ष विक्रांत सिंह एवं राज्य कमेटी के नेतृत्व में राज्य के सभी जिलों में हस्ताक्षर अभियान की शुरूआत की गई है। इस अभियान का उद्देश्य कर्मचारियों की ज्वलंत एवं न्यायोचित मांगों से सरकार को अवगत कराने हेतु सामूहिक ज्ञापन सौंपना है। इस निमित्त झारोटेफ, बोकारो द्वारा बोकारो जिला में प्रखंड से लेकर राज्य स्तर तक के चरणबद्ध कार्यक्रम का शेड्यूल भी जारी कर दिया गया है। संगठन की ओर से वर्तमान सरकार के समक्ष अपने चार्टर ऑफ डिमांड की प्राथमिक मांगों को रखा गया है, जिसमें शिक्षक संवर्ग को अन्य राज्य कर्मियों की भांति एमएसीपी का लाभ प्रदान करना, राज्य कर्मियों की सेवानिवृत्ति की उम्र को 62 वर्ष करना एवं केंद्रीय कर्मचारियों की भांति राज्य कर्मियों को शिशु शिक्षण भत्ता का लाभ देना प्रमुख है। इस संदर्भ में झारोटेफ, बोकारो के जिलाध्यक्ष - सह - उपमहासचिव झारखंड एनएमओपीएस संजय कुमार ने कहा कि झारखंड सरकार ने पिछले कार्यकाल में राज्य कर्मियों को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए, जिससे स्पष्ट है कि वर्तमान सत्तारूढ़ दल राज्य कर्मियों के हितों पर काम करने को लेकर सकारात्मक है।

बेसिक मजबूत करने के लिए एनसीईआरटी की किताबों पर करें भरोसा : ओम

बोकारो। जेईई मेन- 1 में 99.85 परसेंटाइल के साथ बोकारो के टॉपर रहे ओम कुमार ने अपने विद्यालय बोकारो पब्लिक स्कूल पहुंचकर अपने जूनियरों को कामयाबी का मंत्र दिया। उसने कहा कि एनसीईआरटी की किताबों पर भर भरोसा करें इससे बेसिक समझ मजबूत होगी। परीक्षा में सवालों को हल करने में असानी होगी। बोकारो पब्लिक स्कूल सेक्टर तीन के छात्र ओम कुमार के माता - पिता स्थानीय सेक्टर आठ निवासी हैं। पिता ऋशि प्रसाद जो पेषे से सरकारी विद्यालय जामगोड़िया के प्रभारी हैं एवं मां रागिनी प्रसाद गृहणी है। ओम कुमार सहित स्कूल के जेईई मेन्स में सफल अन्य छात्रों को भी सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में सभी सफल विद्यार्थियों के माता - पिता भी शामिल थे। सफल विद्यार्थियों को प्राचार्या डॉ. सुधा शेखर ने सम्मानित किया। ओम ने बताया जेईई मेन्स परीक्षा की तैयारी के लिए मॉक टेस्ट बहुत जरूरी है। परीक्षार्थी जितना भी मॉक टेस्ट हल कर सकते हैं, जरूर करें इससे परीक्षा में पेपर को सही तरीके से हल करने की रणनिति समझ में आयेगी। प्रतिदिन चार से पांच घंटे की सेल्फ स्टडी जरूरी है। रेगुलर प्रैक्टिस और मजबूत रणनिति से सफलता जरूर मिलेगी। उक्त अवसर पर ओम कुमार के साथ-साथ विद्यालय के अन्य सफल छात्र साहिल मूर्मू, आलोक बाउरी एवं सौरभ कुमार को भी सम्मानित किया गया।

तेनुघाट डैम में सामूहिक दुष्कर्म के अन्य दो आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता

तेनुघाट/ बोकारो। तेनुघाट डैम घूमने आई लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म के मामले में दो अन्य आरोपी को भी तेनुघाट पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस बारे में तेनुघाट ओपी प्रभारी अजीत कुमार ने बताया कि कांड संख्या 14/2025 में गोमिया थाना अंतर्गत झिरकी निवासी लाल मोहम्मद एवं सरफुद्दीन अंसारी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में तेनुघाट जेल भेज दिया गया है। बताते चलें कि मामला 5 फरवरी की है जब पीड़िता डैम घूमने आई थी। तभी झिरकी निवासी इमरान अंसारी ने अन्य दो लोगों के साथ मिलकर पीड़िता के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया था। जिसे लेकर तेनुघाट ओपी में मामला दर्ज किया गया था। मामले पर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी इमरान अंसारी को गिरफ्तार किया गया था।

बेरमो क्षेत्र में झामुमो ने सदस्यता अभियान चलाया

संवाददाता

बेरमो/ बोकारो। झारखंड मुक्ति मोर्चा का सदस्यता अभियान झामुमो के वरीय नेता अनिल अग्रवाल के द्वारा बेरमो क्षेत्र सहित आस-पास के गांव में चलाया गया। जिसमें कई लोगों ने शनिवार को पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। श्री अग्रवाल ने बताया कि बोकारो जिले में झामुमो का 50 हजार से अधिक सदस्य बनाने का लक्ष्य है। इसके लिए गांव-गांव में सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। प्रत्येक गांव से कम से कम 100 सदस्यों को जोड़ा जाएगा। इस अभियान में जमीनी स्तर पर पार्टी को मजबूत बनाने के लिए आम जनता तक पार्टी के विचारधारा को पहुंचाने का महत्वपूर्ण कदम होगा। मौके पर दर्जन लोग उपस्थित थे।

ढोरी बस्ती में सात दिवसीय श्री श्री शिव शक्ति महायज्ञ व 33 वां वार्षिक गणेश मेला आज से

बेरमो/ बोकारो। फुसरो नप क्षेत्र के ढोरी बस्ती सौतारडीह में गणेश चतुर्थी के अवसर पर 16 फरवरी से सात दिवसीय श्री श्री शिव शक्ति महायज्ञ व 33 वां वार्षिक गणेश मेला शुरू होगा। यज्ञाचार्य हरिशरणम कुटीर बी देवघर के हीरालाल शास्त्री वेदाचार्य होंगे। रविवार को स्व प्रकट बाबा गणपति धाम से कलश यात्रा निकाली जायेगी। कलश यात्रा मंदिर प्रांगण से निकाली जायेगी, जो फुसरो बाजार होकर हिंदुस्तान पुल फुसरो स्थित दामोदर नदी पहुंचेगी। यहां से जल भरकर वापस कलश को यज्ञ मंडप में प्रवेश करवाया जायेगा। महायज्ञ व मेला को सफल बनाने में यज्ञ समिति के पदाधिकारी व सदस्य लगे हुए हैं।

बरमसिया ओपी क्षेत्र में मिले नवजात बालक को बाल कल्याण समिति ने विशेष दत्तक ग्रहण संस्था को सौंपा

संवाददाता

बोकारो। विगत 07 फरवरी को बरमसिया ओपी क्षेत्र में मिले नवजात बालक को बाल कल्याण समिति बोकारो द्वारा सदर अस्पताल से छूटी कराकर विशेष दत्तक ग्रहण संस्था धनबाद को सौंपा गया है। बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष शंकर रवानी ने कहा कि मुझे 07 फरवरी को एक सज्जन ने फोनिक सूचना दी कि झाड़ी से एक नवजात बालक मिला है। उस पर कारवाई करते हुए बाल कल्याण समिति द्वारा ओपी प्रभारी बरमसिया को नवजात बालक को प्रस्तुत करने का लिखित निर्देश दिया। अध्यक्ष श्री रवानी ने पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय अनिमेष गुप्ता से फोनिक वार्ता कर सहयोग की अपील की। तत्पश्चात ओपी प्रभारी ने नवजात बालक को बाल कल्याण समिति में 08 फरवरी को नवजात को प्रस्तुत किया। बाल कल्याण समिति द्वारा तत्काल बालक के समुचित इलाज के लिए सदर अस्पताल के एसएनसीयू वार्ड में भर्ती कराया गया। विदित हो कि नवजात बालक को जिस महिला ने देखा था वह तत्काल रख ली थी। चंदनकियारी रोड को घंटो जाम कर दिया था एवं काफी संख्या में ग्रामीण बाल कल्याण समिति कार्यालय आकर उसी महिला को बच्चा देने के लिए आग्रह कर रहे थे। पूरे नियम का पालन करते हुए बाल कल्याण समिति द्वारा नवजात बालक को विशेष दत्तक ग्रहण संस्था धनबाद को सौंप दिया गया है। श्री रवानी ने कहा कि जबसे नवजात बालक मिला है तब से गोद लेने के लिए कार्यालय में भीड़ लगी रही। उन्होंने आम जनो से अपील की कि गोद लेने के लिए कारा के लिंक में https://cara.wcd.gov.in/ जाकर आवेदन दे सकते है।इस अवसर पर अध्यक्ष शंकर रवानी, सदस्य रजी अहमद, रेणु रंजन, प्रगति शंकर, सुनीता कुमारी, गैर संस्थागत संरक्षण पदाधिकारी, अरविंद कुमार,विशेष दत्तक ग्रहण संस्था के नीरज डे , यशोदा कुमारी, चांदनी सोरेन आदि शामिल थे।

बोकारो में 20 केन्द्रों पर शांतिपूर्वक शुरू हुई सीबीएसई की बोर्ड परीक्षाएं

संवाददाता

बोकारो। सीबीएसई नई दिल्ली द्वारा आयोजित 10वीं एवं 12वीं बोर्ड की परीक्षाएं शनिवार को बोकारो में शांतिपूर्ण माहौल में कदाचार मुक्त रूप से शुरू हो गईं। बोकारो जिले में कुल 20 परीक्षा केंद्रों पर कुल 9154 परीक्षार्थियों ने पहले दिन 10वीं के इंग्लिश (लैंग्वेज एंड लिटरेचर), इंग्लिश (कम्युनिकेटिव) तथा 12वीं के एंटरप्रेन्योरशिप की परीक्षा दी। कुल 54 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। दसवीं की परीक्षा इंग्लिश (लैंग्वेज एंड लिटरेचर) में 8655 परीक्षार्थी उपस्थित थे एवं 53 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। वहीं, 10वीं के ही इंग्लिश (कम्युनिकेटिव) में 345 बच्चे उपस्थित हुए एवं एक परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। 12वीं की परीक्षा में एंटरप्रेन्योरशिप विषय में कुल 18 परीक्षार्थी उपस्थित रहे।

सुरक्षा मानकों का रखा गया है पूरा ख्याल : को-आर्डिनेटर सूरज

बोकारो में सीबीएसई के सिटी को-ऑर्डिनेटर सह- चिन्मय विद्यालय के प्राचार्य सूरज शर्मा ने इस संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि शनिवार की परीक्षा बहुत ही शांतिपूर्ण वातावरण में सुचारू रूप से कदाचार मुक्त आयोजित की गई। लगभग सभी छात्र-छात्राएं समय पर उपस्थित थे। पूरी परीक्षा सीबीएसई गाइडलाइन के अंतर्गत आयोजित की गई। सभी सुरक्षा मानकों का पूरा इंतजाम किया गया था, जिसमें सीसीटीवी कैमरे की व्यवस्था के साथ परीक्षा प्रारंभ की गई। परीक्षा कक्षा में सभी विद्यार्थी प्रवेश-पत्र के साथ उपस्थित थे। परीक्षा केन्द्र पर वीक्षकों व सुरक्षाकर्मी के सहयोग से परीक्षार्थियो की जांच की गई। सभी शिक्षकों द्वारा सकारात्मक माहौल में परीक्षा का आयोजन किया गया।

बोकारो

डीपीडीपी एक्ट का पूर्ण अनुपालन करनेवाला देश का पहला पीएसयू बना बीएसएल

बोकारो स्टील प्लांट में एचसीएम प्रणाली की हुई शुरुआत

संवाददाता

बोकारो। बोकारो स्टील प्लांट में ह्यूमन कैपिटल मैनेजमेंट प्रणाली का गो लाइव किया गया और इसके साथ ही बी एस एल ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते डीपीडीपी (डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण) अधिनियम का पूर्ण अनुपालन करने वाला देश का पहला सार्वजनिक उपक्रम बनने का गौरव भी प्राप्त किया। यह उपलब्धि बीएसएल की डिजिटल परिवर्तन यात्रा और आधुनिक कार्यबल प्रबंधन के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। बीएसएल द्वारा लागू की गई प्रखर नामक फ्यूजन-आधारित एचसीएम प्रणाली का दूसरा चरण एचआर (मानस संसाधन) प्रक्रियाओं को स्वचालित करने, पारदर्शिता बढ़ाने और कर्मचारी अनुभव को बेहतर बनाने के उद्देश्य से विकसित किया गया है। उल्लेखनीय है कि यह परियोजना अपने निर्धारित समयावधि में सफलतापूर्वक पूर्ण की गई है।

बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी बीरेंद्र कुमार तिवारी ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उनके साथ अधिशासी निदेशक (संकार्य) सी.आर. महापात्रा, अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) सुरेश रंगनी, अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) राजश्री बनर्जी, अधिशासी निदेशक (माइंस) विकास मनवटी, अधिशासी निदेशक (सामग्री प्रबंधन) सी.आर. मिश्रा, अधिशासी निदेशक (परियोजनाएं) अनीश सेनगुप्ता सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इसके अलावा, परियोजना कार्यान्वयन भागीदार मैसर्स डेलॉइट के अधिशासी निदेशक मोहित फौगाट, परियोजना प्रबंधक अंकुर अग्रवाल तथा मैसर्स ओरेकल के निदेशक विपुल लहरी भी कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

माइंस और कोलियरियों में भी लागू होगी प्रणाली : कार्यक्रम की शुरूआत में अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) राजश्री बनर्जी ने सभी उपस्थितजनों का स्वागत किया और एचसीएम प्रणाली की विशेषताओं और इसके क्रियान्वयन की दिशा में उठाए गए कदमों पर प्रकाश डाला। उन्होंने जानकारी दी कि यह प्रणाली मार्च 2025 से बीएसएल के माइंस, सीसीएसओ एवं कोलियरी में भी लागू कर दी जाएगी।

सुलभ और पारदर्शी होगी मानव संसाधन प्रणाली : डीआई

मुख्य अतिथि श्री तिवारी ने एचसीएम प्रणाली में लॉगिन कर गो-लाइव की औपचारिक घोषणा की। अपने संबोधन में उन्होंने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए एच आर विभाग, वित्त एवं लेखा, सी एंड आई टी सहित समस्त टीम को बधाई दी तथा परियोजना कार्यान्वयन पार्टनर, मैसर्स डेलॉइट और मैसर्स ओरेकल की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह प्रणाली एच प्रक्रियाओं को सुलभ और पारदर्शी बनाएगी तथा प्रबंधन और उपयोगकताओं दोनों की आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम होगी। सहायक महाप्रबंधक (एचआर) राहुल त्रिपाठी ने प्रणाली के रोल आउट पर विस्तृत जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि एचसीएम प्रणाली के पहले चरण का शुभारंभ 20 दिसंबर 2024 को सेल के अध्यक्ष श्री अमरेंदु प्रकाश द्वारा वर्चुअली किया गया था। इस अवसर पर सेल के निदेशक (कार्मिक) श्री के.के. सिंह भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में बीएसएल के मुख्य महाप्रबंधक (एचआर) हरि मोहन झा ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम का संचालन एन.के. झा, उपमहाप्रबंधक (एचआर) एवं प्रगति, सहायक प्रबंधक (एचआर) ने किया।

डिजिटल एचआर मामलों में अग्रणी बना बीएसएल : एचसीएम प्रणाली के सफल क्रियान्वयन के साथ, बोकारो स्टील प्लांट न केवल डिजिटल एचआर समाधान में अग्रणी बन गया है, बल्कि डीपीडीपी अधिनियम के अनुरूप अपने डेटा सुरक्षा ढांचे को भी मजबूत कर रहा है। यह पहल बीएसएल को भविष्य के तकनीकी नवाचारों की दिशा में एक कदम आगे ले जाती है और इसे देश के अन्य सार्वजनिक उपक्रमों के लिए एक प्रेरणास्त्रोत बनाती है।

साक्ष्य के अभाव में चेक बाउंस मामले के आरोपी रिहा

तेनुघाट/ बोकारो। चेक बाउंस के एक मामला में माननीय न्यायालय एसीजेएम बेरमो तेनुघाट के द्वारा आरोपी चास निवासी पिंटू कुमार को साक्ष्य के अभाव में रिहा किया गया। इस मामले में दुग्दा निवासी राजेश कुमार यादव ने तेनुघाट न्यायालय में यह कहते हुए चेक बाउंस का वाद दायर किया था कि उसके साफ्ट कोक प्लान्ट को किराए पर चलाने हेतु एक एकरारनामा के तहत आरोपी तीन लाख का चेक दिया था, जिसे भुगतान के लिए वादी द्वारा बैंक में डाला गया, लेकिन आरोपी के खाते में रकम नहीं रहने के कारण चेक बाउंस हो गया। दोनों पक्षों के द्वारा गवाह और कागजात न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किए गए।

संक्षिप्त खबरें

नौकाडीह तालाब किनारे प्लास्टिक में लिपटा मिला नवजात का शव, इलाके में सनसनी

हंटरगंज/चतरा। जिले के डुमरीकला पंचायत अंतर्गत नौकाडीह गांव में शनिवार दोपहर करीब 2 बजे दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। नौकाडीह गांव के नतनी तालाब के किनारे एक नवजात शिशु का शव मिलने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। गाय चरा रहे चरवाहों ने सबसे पहले शव देखा और तुरंत गांववालों को सूचना दी। जैसे ही खबर फैली, स्थानीय लोगों की भारी भीड़ घटनास्थल पर इकट्ठा हो गई। शव प्लास्टिक में लिपटा हुआ था, जिसे देखकर ग्रामीणों के बीच अलग-अलग चर्चाएं शुरू हो गईं।कुछ लोगों का कहना था कि किसी निर्दयी मां ने जन्म के तुरंत बाद नवजात को फेंक दिया, जबकि अन्य लोग इसे किसी अविवाहित महिला की मजबूरी का परिणाम बता रहे थे, जिसने समाज से अपनी इज्जत बचाने के लिए इस घिनौनी घटना को अंजाम दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन को इसकी सूचना दी, लेकिन खबर लिखे जाने तक शव उसी स्थान पर पड़ा हुआ था। इस घटना से पूरे गांव में शोक और आक्रोश का माहौल है।

हंटरगंज प्रखंड के प्रमुख प्रतिनिधि कमलेश कुमार बने युवा राजद के प्रदेश महासचिव

हंटरगंज/चतरा। झारखंड सरकार के कैबिनेट मंत्री संजय प्रसाद यादव एवं युवा राजद के प्रदेश अध्यक्ष रंजन कुमार ने हंटरगंज प्रखंड के प्रमुख प्रतिनिधि कमलेश कुमार को युवा राजद झारखंड प्रदेश का प्रदेश महासचिव नियुक्त किया।इस महत्वपूर्ण घोषणा के बाद चतरा परिषदन भवन में उन्हें प्रदेश महासचिव पद का प्रमाण पत्र सौंपा गया। इस नियुक्ति से प्रखंड और जिले भर में खुशी का माहौल देखने को मिल रहा है। कमलेश कुमार को प्रदेश महासचिव बनाए जाने पर उनके समर्थकों और कार्यकताओं में जबरदस्त उत्साह है। पूरे जिले में बधाइयों का तांता लग गया है और लोग मंत्री संजय प्रसाद यादव एवं प्रदेश अध्यक्ष रंजन कुमार के प्रति आभार व्यक्त कर रहे हैं। युवा राजद के कार्यकताओं ने इसे संगठन को मजबूती देने वाला निर्णय बताते हुए इसे एक ऐतिहासिक कदम करार दिया। कमलेश कुमार ने भी कहा कि वे पार्टी के उद्देश्यों और संगठन की मजबूती के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे।

फाइलेरिया रोधी दवा सेवन को लेकर कोडरमा में जागरूकता अभियान

कोडरमा। कोडरमा प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन कार्यक्रम के तहत स्वास्थ्य विभाग की टीम ने फाइलेरिया रोधी दवा सेवन को लेकर लोगों को जागरूक किया। इस अभियान में डॉ० अविन के. रंजन सफदरजंग हॉस्पिटल, नई दिल्ली, डॉ० हसीब डब्ल्यूएचओ, प्रमोद कुमार पीरामल फाउंडेशन और स्वास्थ्य विभाग से शंभू कुमार शामिल थे। इन विशेषज्ञों ने कोडरमा प्रखंड के ग्राम लोचनपुर, बेकोबार, लोहा सीकर और अनंतडीह में जाकर स्थानीय निवासियों से संपर्क किया और उन्हें फाइलेरिया बीमारी से बचाव के लिए दवा सेवन की अनिवार्यता के बारे में जानकारी दी। अभियान के दौरान यह देखा गया कि अधिकांश लोगों ने फाइलेरिया रोधी दवा का सेवन किया था, लेकिन कुछ लोगों में इस विषय पर जागरूकता की कमी पाई गई। टीम ने विशेष रूप से ऐसे लोगों से संवाद किया और उन्हें इस बीमारी के खतरों और बचाव के उपायों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

के. राजू को झारखंड कांग्रेस प्रभारी बनाए जाने पर कोडरमा जिला कांग्रेस कमेटी ने जताई खुशी

कोडरमा। अखिल भारतीय कांग्रेस पार्टी के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, ओबीसी और अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय संयोजक एवं 1981 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी के. राजू को झारखंड प्रदेश कांग्रेस का प्रभारी बनाए जाने पर कोडरमा जिला कांग्रेस कमेटी ने हर्ष व्यक्त किया है। इस अवसर पर कोडरमा जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भागीरथ पासवान ने कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व, सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि यह निर्णय झारखंड कांग्रेस के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि के. राजू का राजनीतिक अनुभव अत्यंत व्यापक और प्रभावी है। वे यूपीए सरकार के कार्यकाल में सूचना का अधिकार कानून, खाद्य सुरक्षा अधिनियम और मनरेगा जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं को लागू करने में अहम भूमिका निभा चुके हैं। उनके नेतृत्व में झारखंड कांग्रेस को नई दिशा और ऊर्जा मिलेगी, जिससे संगठन को मजबूती मिलेगी। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के विभिन्न पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने के. राजू को बधाइयां और शुभकामनाएं दीं। मौके पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, जिला उपाध्यक्ष, प्रखंड अध्यक्ष और अन्य कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मंत्री संजय प्रसाद यादव का चतरा समाहरणालय में भव्य स्वागत

परियोजना क्षेत्र की समस्याओं पर हुई विस्तृत समीक्षा बैठक

संवाददाता

चतरा। झारखंड सरकार के श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग तथा उद्योग विभाग के मंत्री संजय प्रसाद यादव की अध्यक्षता में चतरा समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त रमेश घोलप ने पुष्पगुच्छ भेंट कर मंत्री का स्वागत किया और क्षेत्र की विभिन्न योजनाओं, परियोजनाओं और समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। इस बैठक में एनटीपीसी, मगध संघ मित्र क्षेत्र, आम्रपाली चंद्रगुप्त, अशोका, पूणाडीह परियोजनाओं के महाप्रबंधक, पंचायत प्रतिनिधि, रैयतों एवं अन्य हितधारकों की उपस्थिति रही। बैठक का मुख्य उद्देश्य परियोजना क्षेत्र में कार्यरत वाहनों, खनिज उत्खनन, मजदूरों की स्थिति, पुनर्वास एवं पुनर्व्यवस्थापन से जुड़े विषयों पर गहन चर्चा करना था।

मंत्री ने समीक्षा के दौरान पेयजल आपूर्ति सहित अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर जानकारी ली और परियोजना पदाधिकारियों को कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने यह जानना चाहा कि परियोजना क्षेत्र में कितने मजदूर कार्यरत हैं, उनमें कितने स्थानीय निवासी हैं, मजदूरों को नियमित मानदेय दिया जा रहा है या नहीं, और मजदूरों को नियमानुसार दी जाने वाली सुविधाओं की सूची उपलब्ध कराई गई है या नहीं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मजदूरों की सुविधाओं और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाय तथा उन्हें समय पर उनके अधिकारों का लाभ मिले।

पुनर्वास के तहत रैयतों को मुआवजा देने, परियोजना क्षेत्र में चलने वाले वाहनों की निगरानी और खनिज उत्खनन की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को सख्त दिशा-निर्देश दिए गए। इस महत्वपूर्ण बैठक में पूर्व मंत्री सत्यानंद भोक्ता, जिला परिषद अध्यक्ष ममता कुमारी, उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा, अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी सिमरिया सन्नी राज, अनुमंडल पदाधिकारी चतरा जहूर आलम समेत अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

गिरिडीह में वैज्ञानिक पद्धति से मधुमक्खी पालन पर विशेष प्रशिक्षण

संवाददाता

गिरिडीह। नगर निगम क्षेत्र के पचंबा मुख्य मार्ग के समीप स्थित बोड़ो लखारी में ₹जय माता दी मधुमक्खी पालक कल्याण समिति₹ के तत्वावधान में पांच दिवसीय वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का संचालन जिला बागवानी कार्यालय के सहयोग से कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखंड सरकार के तहत किया जा रहा है।

प्रशिक्षण के दूसरे दिन विभिन्न विशेषज्ञों ने किसानों को मधुमक्खी पालन के तकनीकी और व्यावसायिक पहलुओं पर विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर विजय कुमार, सुनील कुमार, अधिवक्ता लव कुमार सिन्हा और दिग्विजय कुमार ने प्रशिक्षण दिया। उन्होंने किसानों को मधुमक्खी पालन की वैज्ञानिक पद्धतियों, आधुनिक तकनीकों और इससे होने वाले आर्थिक लाभ के बारे में जागरूक किया।संस्था के सचिव विजय कुमार ने बताया कि यह प्रशिक्षण स्थानीय किसानों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा। इससे उन्हें मधुमक्खी पालन की बारीकियों को समझने और इस क्षेत्र में व्यवसायिक रूप से सफल होने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जमुआ प्रखंड, सरिया प्रखंड और बिजली प्रखंड के चयनित युवाओं को शामिल किया गया है, ताकि वे इस कार्य में दक्षता प्राप्त कर अपने आर्थिक स्तर को सुदृढ़ बना सकें। उन्होंने यह भी बताया कि मधुमक्खी पालन से किसानों को अतिरिक्त आय का एक स्थायी साधन मिल सकता है और यह पर्यावरण के लिए भी लाभकारी होता है। मधुमक्खियां परागण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, जिससे कृषि उत्पादन में वृद्धि होती है। इस प्रशिक्षण के माध्यम से किसानों को इस व्यवसाय को आधुनिक रूप से अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

आम्रपाली परियोजना में 14वीं बार निकला फर्जी एनओसी का लेटर

ग्रामीणों ने किया कड़ा विरोध, कहा- खून देंगे, लेकिन जमीन का एनओसी नहीं देंगे

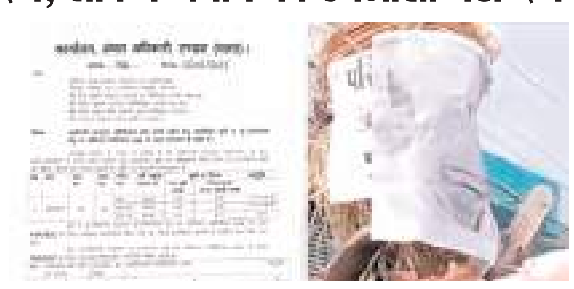

संवाददाता

चतरा। आम्रपाली परियोजना में फजीर्वाड़े का एक और बड़ा मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि आम्रपाली प्रबंधन बार-बार फर्जी एनओसी निकालकर वन भूमि और ग्रामीणों की जमीन पर अवैध कब्जा करने की कोशिश कर रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि इससे पहले भी सीबीआई इस मामले में दो बार जांच कर चुकी है, जिसमें दो अधिकारियों और उनके सहयोगियों को गिरफ्तार किया गया था। इसके बावजूद प्रबंधन अपनी अवैध गतिविधियों से बाज नहीं आ रहा है। अब सेरंदाग क्षेत्र में 14 वीं बार एनओसी का लेटर निकाला गया है, जिसे लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। नाराज ग्रामीणों ने कहा कि वे किसी भी हाल में अपनी जमीन नहीं देंगे और जरूरत पड़ी तो इसके लिए वे अपने खून की आहुति तक देने को तैयार हैं। ग्रामीणों ने सरकार और प्रशासन से इस फजीर्वाड़े पर सख्त कार्रवाई की मांग की है और कहा कि अगर इस पर रोक नहीं लगाई गई तो वे बड़े आंदोलन के लिए तैयार हैं।

नंदनी गोदावरी प्राइवेट कंपनी पर डीएफओ की कड़ी कार्रवाई

अवैध मिट्टी खनन कर सरकार को लगाया जा रहा था करोड़ों का चूना

संवाददाता

चतरा। टंडवा कोयलांचल क्षेत्र में वन भूमि पर अवैध कब्जा और मिट्टी के अवैध खनन के मामले में बड़ा फजीर्वाड़ा सामने आया है। नंदनी गोदावरी प्राइवेट कंपनी पर आरोप है कि उसने दलालों के साथ मिलकर अवैध रूप से वन एवं सरकारी भूमि से मिट्टी का उत्खनन कर प्राइवेट कोल साइडिंग निर्माण का कार्य किया, जिससे झारखंड सरकार को करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ।

ग्रामीणों की शिकायत पर मामले की जांच की गई, जिसमें यह खुलासा हुआ कि कंपनी बिना किसी वैध अनुमति के मिट्टी खनन कर रही थी। मिट्टी भी अन्य खनिजों की तरह एक प्राकृतिक संपदा है, जिसके खनन के लिए जिला खनन कार्यालय से लीज एवं राजस्व जमा करने की अनिवार्यता होती है।

चतरा डीएफओ मुकेश कुमार ने बताया कि ग्रामीणों की शिकायत और मीडिया में खबरें आने के बाद स्थल का निरीक्षण किया गया। जांच के बाद पाया गया कि प्राइवेट रेलवे साइडिंग बनाने के लिए कंपनी ने भारत सरकार से एनओसी नहीं ली थी।

इस पर तत्काल कार्रवाई करते हुए डीएफओ ने अवैध कार्य को पूरी तरह से रोकने का आदेश दिया। इस कार्रवाई से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली और जिला प्रशासन को धन्यवाद दिया। ग्रामीणों ने मांग की है कि इस तरह के सभी अवैध उत्खनन कार्यों पर कड़ी कार्रवाई की जाए ताकि क्षेत्र की प्राकृतिक संरचना को नुकसान न पहुंचे।

कोडरमा पुलिस की अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

17,400 लीटर महुआ शराब जब्त

संवाददाता

कोडरमा। कोडरमा पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि तिलैया थाना क्षेत्र के जरगा और हथुआधारण में अवैध रूप से देशी शराब का निर्माण, व्यापार और परिवहन किया जा रहा है। इस सूचना के सत्यापन और कार्रवाई के लिए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर तिलैया थाना प्रभारी विनय कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया।गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों स्थानों पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पुलिस ने एक घर के कमरे से 20 लीटर वाले जार में भरी 40 पीस कुल 800 लीटर अवैध महुआ शराब बरामद की। इसके अलावा, 50 बड़े सिंटेक्स टैंकों में रखा 10,000 किलो जावा महुआ भी बरामद किया गया, जिसका अनुमानित बाजार मूल्य लगभग सात लाख रुपये आंका गया।

पुलिस ने मौके पर ही कुल 17,400 लीटर अवैध महुआ शराब को नष्ट कर दिया, जबकि 2800 लीटर शराब को जब्त कर लिया गया। इस बड़ी कार्रवाई के बाद अवैध शराब माफियाओं में हड़कंप मच गया है। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि कोडरमा जिले में अवैध शराब निर्माण और व्यापार किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस तरह की छापेमारी आगे भी जारी रहेगी और दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई से इलाके में शराब माफियाओं पर बड़ी चोट पड़ी है, जिससे अवैध कारोबार करने वालों में भय का माहौल है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और आगे की विधि-सम्मत कार्रवाई जारी है।

झारखंड नगर विकास मंत्री को सौंपा गया ज्ञापन

संवाददाता

गिरिडीह। झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला अध्यक्ष ने झारखंड के नगर विकास मंत्री को ज्ञापन सौंपा, जिसकी प्रतिलिपि गिरिडीह उपायुक्त और उपनगर आयुक्त को भी दी गई। इस ज्ञापन में नगर निगम की व्यवस्थाओं को लेकर कई गंभीर सवाल उठाए गए हैं। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि मार्च 2023 में नगर निगम भंग होने के बावजूद भी पूर्व वार्ड पार्षदों द्वारा नगर निगम के कार्यों को संचालित किया जा रहा है। यह पूरी प्रक्रिया न्यायसंगत नहीं है, क्योंकि नगर निगम के पास स्वयं सभी सुविधाएं मौजूद हैं और सफाई का कार्य नगर निगम द्वारा किया जाना चाहिए।वार्ड 9, जहां स्वर्गीय अमित बरदियार पार्षद थे, को छोड़कर अन्य सभी वार्डों में सफाई व्यवस्था पूर्व वार्ड पार्षदों के माध्यम से कराई जा रही है। स्वर्गीय अमित बरदियार के भाई रंजय बरदियार पिछले पांच वर्षों से वार्ड 9 की सफाई व्यवस्था देख रहे थे, लेकिन अचानक उनसे यह अधिकार छीन लिया गया। सवाल यह उठता है कि जब नगर निगम भंग हो चुका है, तो अन्य वार्डों के पूर्व पार्षदों को सफाई की जिम्मेदारी क्यों दी जा रही है ? ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया गया कि पिछले नगर आयुक्त के कार्यकाल में 20-25 करोड़ रुपये की लागत से सफाई उपकरणों और गाड़ियों की खरीद की गई थी, लेकिन वे पिछले एक साल से उपयोग में नहीं लाए जा रहे हैं और सड़ने की कगार पर हैं। भाकपा माले द्वारा जब इस मुद्दे पर आवाज उठाई गई, तब केवल दिखावे के लिए सफाई की गई थी। इसके अलावा, नगर निगम के जल आपूर्ति विभाग में कार्यरत 70-80 कर्मचारियों को नियमित वेतन नहीं मिल रहा है और आकांक्षा वेस्ट मैनेजमेंट कंपनी को सफाई का ठेका कैसे दिया गया, इस पर भी सवाल उठाए गए हैं।

नगर निगम क्षेत्र में सफाई कर्मचारियों की भारी कमी है और महिला सफाईकर्मियों की संख्या बेहद कम है। ज्ञापन में मांग की गई है कि नगर निगम की व्यवस्था को पारदर्शी बनाया जाए, सफाई व्यवस्था को नगर आयुक्त के नियंत्रण में लाया जाए और नगर निगम से जुड़े सभी कर्मचारियों को समय पर उचित वेतन दिया जाए।

सरिया प्रखंड के छत्रबाद जंगल में लगी भीषण आग

ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद पाया काबू, फायर ब्रिगेड की गाड़ी नहीं पहुंच सकी घटनास्थल तक

संवाददाता

गिरिडीह। सरिया प्रखंड के बागोडीह पंचायत स्थित छत्रबाद उत्क्रमित विद्यालय के पास के जंगल में अचानक आग लग गई। यह आग धीरे-धीरे विकराल रूप धारण करने लगी और देखते ही देखते घने जंगलों में फैल गई। जैसे ही ग्रामीणों को इस घटना की जानकारी मिली, वे आग बुझाने के प्रयास में जुट गए। लेकिन आग इतनी तेजी से फैल रही थी कि ग्रामीणों की मेहनत भी नाकाफी साबित हो रही थी।इस घटना की सूचना समाजसेवी निखिल सिंह ने सरिया थाना को दी, जिसके बाद इंस्पेक्टर श्रवण कुमार और योगेश महतो ने खोरीमहुआ अग्निशमन कार्यालय को इसकी सूचना दी। अग्निशमन विभाग ने तुरंत फायर ब्रिगेड की गाड़ी भेजी, लेकिन दुर्भाग्यवश यह गाड़ी घटनास्थल तक नहीं पहुंच सकी।

लालो कोनि गांव के पास कटहल के एक बड़े पेड़ की टहनी रास्ते में गिर गई थी, जिससे फायर ब्रिगेड की गाड़ी को एक किलोमीटर पहले ही रुकना पड़ा।हालांकि, तब तक गांव के लोग पूरी ताकत से आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे थे। काफी संघर्ष और मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने अपने संसाधनों से आग को बुझा दिया।

इस आग को बुझाने में महानंद सिंह, गोपाल सिंह, विवेक सिंह, मुकेश सिंह, उमेश सिंह, लखन सिंह समेत गांव के तमाम लोग, बच्चे और बुजुर्ग भी शामिल थे। इस घटना के बाद ग्रामीणों में प्रशासन के प्रति नाराजगी देखी गई। उन्होंने मांग की कि वन विभाग जंगलों में समय-समय पर पेड़ों की टहनियों की छंटाई करे, ताकि इस तरह की आपदाओं के समय राहत कार्यों में कोई बाधा न आए। ग्रामीणों ने प्रशासन से अनुरोध किया कि इस प्रकार की घटनाओं को रोकने के लिए विशेष योजनाएं बनाई जाएं और जंगलों में आग से बचाव के लिए उचित प्रबंधन किया जाए।

स्वतंत्रता सेनानी सह पूर्व विधायक विश्वनाथ मोदी की 14 वीं पुण्यतिथि मनाई गई

संवाददाता

कोडरमा। झुमरी तिलैया में स्वतंत्रता सेनानी सह पूर्व विधायक स्वर्गीय विश्वनाथ मोदी की 14 वीं पुण्यतिथि श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। यह आयोजन ओवर ब्रिज के नीचे स्थित विश्वनाथ मोदी की प्रतिमा स्थल के पास किया गया, जहां बड़ी संख्या में लोग उपस्थित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर परिषद के निवर्तमान अध्यक्ष प्रकाश राम ने की, जबकि संचालन डॉ० वी.एन.पी. वर्णवाल ने किया। इस विशेष अवसर पर बरकट्ठा के विधायक अमित कुमार यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह के दौरान विधायक अमित कुमार यादव, नगर परिषद के निवर्तमान अध्यक्ष प्रकाश राम और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने विश्वनाथ मोदी की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।कार्यक्रम के संयोजक देवनारायण मोदी ने कहा कि उन्हें गर्व है कि वे इस पुण्यतिथि समारोह का आयोजन कर रहे हैं। उन्होंने विश्वनाथ मोदी के जीवन और उनके संघर्षों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह समारोह आने वाले वर्षों में और भी भव्य रूप से मनाया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

कांग्रेस नेता आशीष सिन्हा ने श्रद्धालुओं को महाकुंभ स्नान के लिए किया रवाना

धनबाद। धनबाद के केंदुआ बाजार से श्रद्धालुओं का एक बड़ा जत्था प्रयागराज महाकुंभ के लिए रवाना हुआ। इस जत्थे का नेतृत्व झारखंड प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आशीष सिन्हा ने किया। श्रद्धालु प्रयागराज में महाकुंभ के पावन अवसर पर पवित्र गंगा स्नान करेंगे और झारखंड प्रदेश सहित पूरे विश्व में अमन-चैन और शांति के लिए प्रार्थना करेंगे। इस दौरान श्रद्धालुओं ने देवी-देवताओं के जयकारे लगाते हुए धनबाद स्टेशन से अपनी यात्रा शुरू की। आशीष सिन्हा ने कहा कि महाकुंभ हिंदू धर्म का सबसे बड़ा और पौराणिक महत्व वाला आयोजन है। पौराणिक कथा के अनुसार, देवताओं का एक दिन मनुष्यों के 12 वर्षों के बराबर होता है। जब देवताओं और असुरों के बीच समुद्र मंथन हुआ था, तब अमृत कलश से अमृत की बूंदें चार स्थानों पर गिरी थीं। प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन और नासिक। इन चारों स्थानों पर कुंभ मेले का आयोजन होता है। प्रयागराज में महाकुंभ का विशेष महत्व है और इसे सबसे बड़ा आध्यात्मिक आयोजन माना जाता है। महाकुंभ 12 पूर्ण कुंभों के बाद, यानी 144 वर्षों में एक बार आयोजित होता है। इस कारण इसे भव्य कुंभ भी कहा जाता है। मान्यता है कि महाकुंभ में स्नान करने से सभी पाप धुल जाते हैं और मोक्ष की प्राप्ति होती है। यह आयोजन आध्यात्मिक ज्ञान, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। श्रद्धालुओं के जत्थे में बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष और वरिष्ठ नागरिक शामिल थे। इनमें ममता देवी, बबली कुमारी, विशाल राउत, राधिका देवी, सोनम देवी, प्रतिमा कुमारी, ऋषिका कुमारी, पवन कुमार, गोपी कुमार, राधा देवी, अवनि कुमारी सहित सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे।

जमीनी विवाद में नया मोड़ जेएलकेएम नेता पर 5 लाख रंगदारी मांगने का आरोप

कतरास। कतरास के तारगा पंचायत क्षेत्र स्थित भुरूँगिया में एक जमीनी विवाद का मामला अब और उलझता जा रहा है। इस विवाद में अब दूसरे पक्ष के प्रदीप सिंह ने भी महुदा पुलिस को लिखित शिकायत दी है। अपनी शिकायत में उन्होंने पंचायत समिति सदस्य सह जेएलकेएम नेता रुपदेव रवानी, बिरजू रवानी, शनीचर रवानी सहित अन्य 5-7 लोगों पर मारपीट, धक्का-मुक्की और रंगदारी मांगने का गंभीर आरोप लगाया है। प्रदीप सिंह ने बताया कि वे भुरूँगिया मौजा, खाता संख्या 123, प्लॉट नंबर 724 पर अपना चारदीवारी निर्माण करवा रहे थे। इस दौरान वे जेसीबी मशीन से खुदाई का कार्य कर रहे थे, तभी रुपदेव रवानी अपने साथियों के साथ वहां पहुंचे और निर्माण कार्य रोकने का दबाव बनाने लगे। आरोप है कि उन्होंने कहा कि अगर काम जारी रखना है तो 5 लाख रुपये रंगदारी देनी होगी, अन्यथा काम नहीं करने दिया जाएगा। जब प्रदीप सिंह ने इस बात का विरोध किया तो उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई। इस मामले में पंचायत समिति सदस्य सह जेएलकेएम नेता रुपदेव रवानी ने अपने ऊपर लगे आरोपों को बेबुनियाद बताया है। उन्होंने कहा कि उन्हें कानून पर पूरा भरोसा है और प्रशासन से इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। उनका कहना है कि उन्होंने भी संबंधित विभागों में शिकायत पत्र सौंपा है और कानून के तहत न्याय की उम्मीद कर रहे हैं। महुदा पुलिस ने प्रदीप सिंह की शिकायत दर्ज कर ली है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। दोनों पक्षों की शिकायतों को ध्यान में रखते हुए पुलिस अब निष्पक्ष तरीके से पूरे मामले की जांच करेगी। इस विवाद को लेकर क्षेत्र में भी चर्चा तेज हो गई है और लोग न्याय की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

लोकल सेल चालू कराने के लिए जोगता नागरिक समिति का बीसीसीएल को 10 दिनों का अल्टीमेटम

कतरास। कतरास के मुदीडीह कोलियरी में लंबे समय से बंद पड़े लोकल सेल को चालू कराने की मांग जोर पकड़ रही है। इस मुद्दे को लेकर जोगता नागरिक समिति ने बीसीसीएल क्षेत्र संख्या-05 मुदीडीह कोलियरी के परियोजना पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपा और 10 दिनों के भीतर समस्याओं के समाधान का अल्टीमेटम दिया।जोगता नागरिक समिति के अध्यक्ष अनुज कुमार सिन्हा उर्फ पलटू ने बताया कि इस क्षेत्र में तीन बड़ी समस्याएं हैं, जिनका समाधान बेहद जरूरी है। सबसे पहली समस्या मुदीडीह के फिल्टर प्लांट को फिर से शुरू करने की है। फिल्टर प्लांट के बंद होने के कारण स्थानीय लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। दूसरी बड़ी समस्या यह है कि मुदीडीह कोलियरी का लोकल सेल बंद पड़ा है, जिससे कोयला खदानों से जुड़े मजदूरों और छोटे व्यापारियों को आर्थिक परेशानियां हो रही हैं। तीसरी महत्वपूर्ण मांग यह है कि मुदीडीह कोलियरी में मिलने वाले कोयले के ग्रेड को वाशरी पांच किया जाए, ताकि इसकी गुणवत्ता में सुधार हो सके। समिति के अध्यक्ष अनुज कुमार सिन्हा ने साफ कहा कि अगर 10 दिनों के अंदर इन समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो 28 फरवरी से जोगता नागरिक समिति के बैनर तले मुदीडीह कोलियरी में चक्का जाम किया जाएगा। उन्होंने प्रशासन को चेतावनी दी कि अगर उनकी मांगों को गंभीरता से नहीं लिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इस ज्ञापन सौंपने के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और समिति के सदस्य मौजूद थे। उन्होंने बीसीसीएल प्रशासन से जल्द से जल्द कार्रवाई करने की अपील की है।

सुरूंगा आउटसोर्सिंग विवाद : ग्रामीणों के साथ मारपीट पर भड़के चंद्रदेव महतो

संवाददाता

धनबाद। सुरूंगा शिव मंदिर प्रांगण में आज ग्रामीणों द्वारा एक बड़ी आमसभा का आयोजन किया गया। जिसमें आउटसोर्सिंग के खिलाफ जबरदस्त आंदोलन करने का निर्णय लिया गया। इस आमसभा में बतौर मुख्य अतिथि सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो शामिल हुए। सभा के दौरान विधायक महतो ने क्षेत्र में लगातार हो रही ओबी डंपिंग और अनियमितताओं के मुद्दे पर बेहद आक्रामक रुख अपनाते हुए स्पष्ट शब्दों में कहा कि अब आर या पार की लड़ाई होगी। उन्होंने चेतावनी दी कि क्षेत्र में हो रही मनमानी और ग्रामीणों के साथ अन्याय किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि प्रशासन और आउटसोर्सिंग कंपनियों की मनमानी के खिलाफ अब जन आंदोलन होगा और यदि जरूरत पड़ी, तो यह लड़ाई निर्णायक मोड़ तक जाएगी। इस सभा में मौजूद हजारों ग्रामीणों ने भी विधायक चंद्रदेव महतो के इस आंदोलन को अपना पूरा समर्थन दिया और एक स्वर में आवाज उठाई कि अब अन्याय के खिलाफ लड़ाई होगी। सभा में मौजूद नेताओं ने भी अपनी बात रखते हुए कहा कि आउटसोर्सिंग कंपनियां जिस तरह से क्षेत्र में अनियमितताएं कर रही हैं और ओबी डंपिंग से ग्रामीणों को परेशान कर रही हैं, उसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सभा में पूर्व विधायक आनंद महतो, प्रखंड प्रमुख पिंकी देवी, सनातन रविदास, भजोहरी महतो, मुखिया राजाराम रजक, देवाशीष पांडे, कृष्णा दा, मुकुल चंद्र रोहिदास, सुनील कुमार महतो, संतोष रवानी, कार्तिक प्रसाद, विनोद कालिंदी, गोपाल बाउरी, द्वादशाह पांडे, काशीनाथ मंडल, मंगल महतो, ध्रुव महतो, विक्की किशोर पंडित, राजीव देव, बीमौल रवानी, सुधीर महतो, कृष्ण, विजय रजक, राधे श्याम रजक, रोहित महतो, बबलू महतो, अरविंद महतो समेत कई अन्य जनप्रतिनिधि और सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस दौरान सभा में मौजूद लोगों ने एकमत होकर यह फैसला लिया कि यदि आउटसोर्सिंग कंपनियों और प्रशासन द्वारा जल्द ही इस समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो आने वाले दिनों में उग्र आंदोलन किया जाएगा। तब तक संघर्ष जारी रहेगा। सभा के अंत में सभी ने संकल्प लिया कि क्षेत्र के लोगों के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा और इस लड़ाई को हर हाल में आगे बढ़ाया जाएगा।

झारखंड कांग्रेस के नए प्रभारी के राजू को अधिवक्ताओं ने दी बधाई

संवाददाता

धनबाद। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नए प्रभारी के रूप में के राजू की नियुक्ति पर प्रदेश के अधिवक्ताओं में हर्ष का माहौल है। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता एवं झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी अनुशासन समिति के चेयरमैन ब्रजेंद्र प्रसाद सिंह के नेतृत्व में धनबाद के अधिवक्ताओं ने उन्हें शुभकामनाएं दीं और पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार प्रकट किया। ब्रजेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि के राजू झारखंड की राजनीति और संगठन से भली-भांति परिचित हैं। वे पहले भी झारखंड में कांग्रेस संगठन से जुड़े रहे हैं और एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक समुदायों के कोऑर्डिनेटर के रूप में कई बार राज्य का दौरा कर चुके हैं। उनके प्रयासों के कारण पिछले लोकसभा और विधानसभा चुनावों में पार्टी को सकारात्मक परिणाम मिले। झारखंड में लोकसभा सीटों की संख्या में वृद्धि हुई और विधानसभा में कांग्रेस गठबंधन ने सत्ता में वापसी की।ब्रजेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि के राजू के प्रभारी बनने से झारखंड कांग्रेस को एक अनुभवी नेता का मार्गदर्शन मिलेगा, जिससे संगठन को मजबूती मिलेगी और आगामी चुनावों में पार्टी को और अधिक सफलता मिलेगी। के.सी. वेणुगोपाल का आभार प्रकट किया, जिन्होंने झारखंड की जिम्मेदारी के राजू को सौंपी।के राजू की नियुक्ति पर बधाई देने वालों में अधिवक्ता मनोज यादव, मोहम्मद सौलत दाऊद उर्फ गुड्डू, रमेश राय, इंद्रदेव मंडल, सुमित अरोड़ा, सुदीप अड़ी, आमिर सुजा और अमित पांडे प्रमुख रूप से शामिल रहे।

मंगल मूर्ति धाम में वार्षिक महोत्सव और शिव महापुराण कथा की तैयारियां शुरू

संवाददाता

कुमारधुबी। धर्म उत्थान समिति के तत्वावधान में जुनकुंदर ब्रह्मस्थान स्थित मंगल मूर्ति धाम में वार्षिक महोत्सव और सात दिवसीय श्री श्री शिव महापुराण कथा का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन की भव्यता और धार्मिक महत्व को ध्यान में रखते हुए शनिवार को मंदिर परिसर से प्रचार वाहन को ध्वजारोहण कर रवाना किया गया। इस दौरान दहीबाड़ी कोलवाशरी के जीएम श्रीभगवान प्रसाद और प्रोडक्शन मैनेजर आर. के. सिंह ने सनातनी ध्वज दिखाकर वाहन को रवाना किया। इससे पहले मंदिर के पुजारी पंडित संतोष पांडेय ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पूजन कराया। आयोजकों ने जानकारी दी कि 19 फरवरी से 25 फरवरी तक सात दिवसीय श्री शिव महापुराण कथा का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद 26 फरवरी को भव्य शिव बारात निकाली जाएगी और 27 फरवरी को महा भंडारा के साथ इस धार्मिक आयोजन का समापन होगा। इस महोत्सव के दौरान वृंदावन से आए कथावाचक उत्तम कृष्ण शास्त्री प्रवचन करेंगे। मंगल मूर्ति धाम के इस वार्षिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे। इस मौके पर पंडित संतोष पांडे, जीएम श्रीभगवान प्रसाद, पीएम आर. के. सिंह, उपाध्यक्ष भरत सिंह, रिंटू पाठक, राजू चौहान, गुड्डू सिंह, इंद्रदेव प्रसाद, बीरेंद्र अटल, धर्मजीत सिंह, रामप्रवेश ठाकुर, संतोष प्रसाद, बबाई, दिलीप मल्लिक, बबलू बाउरी, राजेश्वर साव, संजय चौधरी, रवि चौहान, निलेश कुमार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। मंदिर समिति और आयोजकों ने श्रद्धालुओं से अपील की है।

वेतन कटौती की वापसी के आश्वासन के बाद 46 घंटे बाद काम पर लौटे कांटा घर के कर्मचारी

संवाददाता

कुमारधुबी। एमपीएल कांटा घर के कर्मचारियों ने वेतन कटौती के विरोध में 46 घंटे तक हड़ताल जारी रखने के बाद आखिरकार काम पर वापसी की। मजदूरों ने वेतन से काटे गए 5% पैसे को वापस करने और भविष्य में इस तरह की कटौती न करने के आश्वासन के बाद अपना आंदोलन समाप्त किया। शुक्रवार रात विधायक अरूप चटर्जी की मौजूदगी में हुई वार्ता के दौरान यह सहमति बनी। मजदूरों के समर्थन में भाकपा-माले समर्थित स्थानीय ग्रामीणों ने भी एमपीएल के मुख्य द्वार पर धरना दिया था। मजदूरों का कहना था कि एमपीएल के कांटा घर संचालन का कार्य देख रही ग्लोबल इंटरप्राइजेज प्रबंधन ने दो महीने के वेतन से 5% राशि की कटौती कर ली थी, जिससे नाराज होकर कांटा घर के कर्मी बुधवार की रात 9 बजे से काम बंद कर धरने पर बैठ गए थे। इस कारण कोयला लोडिंग-अनलोडिंग का कार्य भी ठप हो गया था। वार्ता के दौरान एमपीएल प्रबंधन की ओर से अजय कुमार, अमरेश सिंह, मारुति दत्ता और कांटा घर के कर्मचारियों की टीम मौजूद थी। बातचीत के बाद प्रबंधन ने वेतन कटौती वापस लेने और भविष्य में ऐसी कटौती न करने का भरोसा दिलाया, जिसके बाद मजदूर दोबारा काम पर लौट आए। उधर, बार-बार हो रहे आंदोलनों से नाराज हाईवा मालिकों ने शुक्रवार सुबह सिंदरी कॉलोनी मोड़ के पास एमपीएल के अधिकारियों के वाहनों को रोक दिया। हालांकि कुछ देर बाद अधिकारियों के वाहनों को जाने दिया गया। हाईवा मालिकों ने चेतावनी दी कि यदि 20 फरवरी तक उनके बकाया भाड़ा और टोल टैक्स का भुगतान नहीं किया गया तो वे उग्र आंदोलन करेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि एमपीएल कोल लॉजिस्टिक विभाग द्वारा अचानक गाड़ियों को रोकने के फरमान से उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

एक्टू के 11 वें राष्ट्रीय सम्मेलन की तैयारियों को लेकर निरसा में बैठक संपन्न

संवाददाता

कुमारधुबी। अखिल भारतीय केंद्रीय परिषद ट्रेड यूनियन का 11 वां राष्ट्रीय सम्मेलन 24 से 26 फरवरी तक नई दिल्ली में आयोजित होने जा रहा है। इस महत्वपूर्ण आयोजन की तैयारियों को लेकर एक्टू की निरसा एरिया कमेटी की बैठक 14 फरवरी को सेंट्रल पुल कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक में एक्टू के वरिष्ठ नेता उपेंद्र सिंह ने कहा कि इस सम्मेलन से भारत में लोकतंत्र की रक्षा और श्रमिकों के अधिकारों की लड़ाई को और अधिक मजबूती मिलेगी। उन्होंने सभी नेताओं से आह्वान किया कि वे अंतिम चरण की तैयारियों को पूरी ताकत से अंजाम दें और सदस्यता अभियान तथा कोष संग्रह के कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करें। भाकपा-माले नेता नागेंद्र कुमार ने भी बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि मजदूरों के बीच संगठन को और मजबूत करने के लिए सदस्यता अभियान और नवीकरण के कार्यों को फरवरी माह में हर हाल में पूरा करना जरूरी है। इस बैठक में एक्टू से जुड़े कई प्रमुख नेताओं की भागीदारी रही, जिनमें उपेंद्र सिंह, कृष्णा सिंह, नागेंद्र कुमार, मनोरंजन मलिक, जगदीश शर्मा, हरेन्द्र सिंह, गणेश महतो, अभय प्रसाद, लक्ष्मीनारायण दास, काशीनाथ कोयरी, सत्येंद्र चौहान, मुन्ना चौहान, मनोज महतो, प्रदीप बाउरी, संजीत राऊत, मुख्तार अंसारी, नरेश माजी, राजनारायण महतो, उमेश चौहान समेत कई अन्य नेता शामिल थे। बैठक में सम्मेलन को सफल बनाने के लिए विभिन्न रणनीतियों पर चर्चा की गई और सभी सदस्यों को निर्धारित कार्यों को शीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया गया।

धनबाद में चल रहे हैंडलूम एक्सपो में मिल रहा है बेहतरीन छूट, खरीदारी के लिए उमड़ी भीड़

संवाददाता

धनबाद। शहर के बेकार बांध स्थित ब्लेसिंग्स बैंक्विट हॉल में बुनकर सेवा केंद्र, रांची की ओर से आयोजित एक्सक्लूसिव हैंडलूम एक्सपो में लोगों की भारी भीड़ उमड़ रही है। यह एक्सपो 8 फरवरी से शुरू हुआ था और अब 21 फरवरी तक चलेगा, जिससे ग्राहकों को बेहतरीन हथकरघा उत्पादों की खरीदारी करने का एक शानदार मौका मिल रहा है। एक्सपो में कुल 40 स्टॉल लगाए गए हैं, जिनमें झारखंड के अलावा अन्य राज्यों के बुनकरों ने भी भाग लिया है। यहां पर हथकरघा से बने उच्च गुणवत्ता वाले कपड़ों की बिक्री हो रही है, जिन्हें खरीदने के लिए लोग बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। बुनकर सेवा केंद्र, रांची के उपनिदेशक श्री मनोज कुमार ने बताया कि इस एक्सपो में ग्राहकों को बाजार दर से कम कीमत पर बेहतरीन हथकरघा उत्पाद उपलब्ध कराए जा रहे हैं। यहां महिलाओं के लिए सिल्क और कॉटन की साड़ियां, दुपट्टे और अन्य वस्त्र उपलब्ध हैं, जबकि पुरुषों के लिए ड्रेस मटेरियल के साथ-साथ होम फर्निशिंग उत्पादों की भी बड़ी रेंज मौजूद है। एक्सपो में आने वाले ग्राहकों को बुनकरों द्वारा सीधे उत्पाद बेचे जा रहे हैं, जिससे उन्हें उचित मूल्य पर उच्च गुणवत्ता के उत्पाद मिल रहे हैं। इसके साथ ही, एक्सपो में विशेष छूट भी दी जा रही है, जिससे ग्राहकों को बड़े लाभ मिल रहे हैं। यह हैंडलूम एक्सपो प्रतिदिन सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक खुला रहेगा, जहां धनबाद के लोग आकर अपनी पसंद के अनुसार कपड़े और अन्य हस्तनिर्मित उत्पाद खरीद सकते हैं। इस एक्सपो में हथकरघा से जुड़े कारीगरों को भी बड़ा मंच मिला है, जहां वे अपने उत्पादों को सीधे ग्राहकों तक पहुंचा पा रहे हैं। धनबाद के लोगों के लिए यह एक सुनहरा अवसर है, क्योंकि यहां पर उन्हें न केवल बेहतरीन हथकरघा उत्पाद मिल रहे हैं, बल्कि वे बुनकरों द्वारा बनाए गए पारंपरिक और आधुनिक डिजाइनों को भी करीब से देख और खरीद सकते हैं। एक्सपो में हर दिन बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं और छूट का लाभ उठाकर अपने लिए बेहतरीन वस्त्र और अन्य सामान खरीद रहे हैं।

धनबाद में फसल सुरक्षा योजना के तहत कीटनाशकों और जैविक उत्पादों का वितरण

संवाददाता

धनबाद। किसानों की फसलों को रोगों और कीटों से बचाने के लिए पौधा संरक्षण विभाग धनबाद द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल की गई। इस पहल के तहत बलियापुर कृषि उत्थान महिला प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के सदस्यों को फसल सुरक्षा योजना के अंतर्गत आवश्यक जैविक और रासायनिक उत्पाद वितरित किए गए। इन उत्पादों में ट्राइकोडर्मा, कार्बेंडाजिम, बोरोन, इमिडाक्लोरोप्रिड, पीएसबी, नीम तेल और फोरमैन ट्रैप शामिल थे। इस कार्यक्रम के दौरान उपस्थित दीदियों को कीटनाशकों के सही उपयोग की विधि का प्रदर्शन भी किया गया, ताकि वे इनका प्रभावी और सुरक्षित तरीके से उपयोग कर सकें। डीपीएम, जेएसएलपीएस, शैलेश रंजन ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम किसानों को न केवल जागरूक करते हैं बल्कि उन्हें खेती में आधुनिक तकनीकों को अपनाने के लिए भी प्रेरित करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि दीदियों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में यह एक बेहद उपयोगी पहल है, जिससे वे खेती में बेहतर उत्पादन प्राप्त कर सकती हैं और अपनी आर्थिक स्थिति को भी मजबूत कर सकती हैं।इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ० राजीव और डॉ० सीमा सिंह भी उपस्थित थे, जिन्होंने किसानों को कृषि से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। इसके अलावा, जेएसएलपीएस के जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री शैलेश रंजन, राजीव कुमार पांडे, प्रखंड स्तरीय प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक शंभु विश्वास, मुख्तार अंसारी, बलियापुर कृषि उत्थान महिला प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के सीईओ राजीव रंजन सिंह और निदेशक मंडल की सदस्य शोभा रानी महतो, अनीता देवी तथा रेणुका मलिक भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में सैकड़ों किसान दीदियों ने भाग लिया और उन्होंने कृषि उत्पादों के सही उपयोग और उनकी उपयोगिता के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। इस पहल का उद्देश्य किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों से जोड़ना और फसल सुरक्षा को सुनिश्चित करना था, जिससे वे कम लागत में अधिक और गुणवत्तापूर्ण उत्पादन प्राप्त कर सकें।

बैठक धनबाद में भाजपा बरटांड़ मंडल की बैठक

नगर निगम की लापरवाही के खिलाफ 18 को धरना का ऐलान

संवाददाता

धनबाद। धनबाद में भारतीय जनता पार्टी बरटांड़ मंडल की एक अहम बैठक पांडरपाला दास बस्ती के सामुदायिक भवन में आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र की जर्जर सड़कों, टूटी नालियों, खराब स्ट्रीट लाइट और नगर निगम की उदासीनता पर चर्चा करना था। खासकर वार्ड नंबर 17 और 18 की स्थिति अत्यंत दयनीय हो चुकी है। यहां पॉलिटेक्निक कॉलेज से काली मंदिर, पटेल चौक होते हुए बाईपास और पथरागोड़ा तक जाने वाली सड़क वर्षों से बदहाल पड़ी हुई है। इसके अलावा, पटेल चौक से भारत चौक होते हुए दास टोला, सुरायटांड तक की सड़क की स्थिति भी बेहद खराब हो चुकी है। बैठक की अध्यक्षता भाजपा बरटांड़ मंडल के अध्यक्ष किशोर मंडल ने की, जबकि संचालन मंडल महामंत्री मनोज रिंकू ने किया। बैठक में भाजपा नेताओं ने स्पष्ट रूप से नगर निगम की नाकामी और अकर्मण्यता पर आक्रोश व्यक्त किया। बताया गया कि विधायक राज सिन्हा ने पिछले दो वर्षों में कई बार नगर निगम के अधिकारियों को पत्र लिखकर इन समस्याओं से अवगत कराया, साथ ही व्यक्तिगत रूप से भी इन मुद्दों को उनके सामने रखा। उन्होंने क्षेत्र की विकराल समस्या को गंभीरता से लेने की अपील की थी। इसके बावजूद नगर निगम ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। नगर निगम की इसी लापरवाही और निष्क्रियता को देखते हुए बैठक में फैसला लिया गया कि 18 फरवरी 2025 को धनबाद नगर निगम के मुख्य द्वार पर एक विशाल धरना प्रदर्शन किया जाएगा। यह धरना सिर्फ एक शुरूआत होगी। यदि नगर निगम ने जल्द से जल्द सड़कों के निर्माण और अन्य समस्याओं का समाधान नहीं किया, तो चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा। भाजपा पदाधिकारियों ने कहा कि वे तब तक संघर्ष करते रहेंगे, जब तक क्षेत्र की समस्याओं का समाधान नहीं हो जाता। बैठक में भाजपा जिला मंत्री पंकज सिंह ने कहा कि नगर निगम और जिला प्रशासन से महज 3 किलोमीटर की दूरी पर स्थित वार्ड नंबर 17 और 18 वर्षों से प्रशासनिक उपेक्षा का शिकार है। यहां सड़कें टूटी हुई हैं, नालियां जाम हैं और गड्ढों से भरी सड़कें दुर्घटनाओं को न्योता दे रही हैं। अब तक सिर्फ धनबाद विधायक राज सिन्हा ने इस क्षेत्र में कुछ विकास कार्य कराए हैं, लेकिन नगर निगम ने कोई ध्यान नहीं दिया। यहां तक कि इस क्षेत्र में मच्छर रोधी दवाओं का छिड़काव तक नहीं किया गया है। बैठक में भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा धनबाद जिला के वरिष्ठ नेता हुलास दास ने भी नगर निगम की आलोचना की। उन्होंने कहा कि सरकारी पॉलिटेक्निक कॉलेज से पटेल चौक और कुमार टोली जाने वाली मुख्य सड़क पर अनगिनत गड्ढे हो गए हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अगर नगर आयुक्त अपने एसी कमरे से बाहर निकलकर इन गड्ढों को गिन लें और इन सड़कों पर होने वाली दुर्घटनाओं की सूची बना लें, तो उन्हें खुद ही समझ आ जाएगा कि हालात कितने गंभीर हैं। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि मंडल के अंतर्गत आने वाले सभी चार वार्डों में सघन जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा। भाजपा कार्यकर्ता घर-घर जाकर जनता को नगर निगम की नाकामी के बारे में बताएंगे और आंदोलन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने के लिए प्रेरित करेंगे।

सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो का बस्ती दौरा

संवाददाता

सिंदरी। सिंदरी विधायक कॉ० चंद्रदेव महतो ने आज सिंदरी बस्ती का दौरा किया और वहां की विभिन्न समस्याओं को जाना। उनके साथ कॉ० छोटन चटर्जी और अन्य स्थानीय नेता भी मौजूद थे। विधायक महतो ने सबसे पहले कॉ० मागाराम मल्लिक की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद वे मल्लिक टोला से होते हुए सिंदरी बस्ती के विभिन्न गली-मुहल्लों का निरीक्षण करने पहुंचे। बस्ती के निरीक्षण के दौरान विधायक ने लोगों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने देखा कि कई गली-मोहल्लों में सड़कें जर्जर हालत में हैं, पानी निकासी की व्यवस्था बेहद खराब है और अन्य बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव है। विधायक ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि वे इन समस्याओं को सरकार तक पहुंचाएंगे और जल्द से जल्द समाधान करवाने का प्रयास करेंगे। इसके बाद विधायक शिव मंदिर प्रांगण पहुंचे, जहां ग्रामीणों के साथ एक आम सभा का आयोजन किया गया। सभा को संबोधित करते हुए विधायक महतो ने कहा कि वे सिंदरी क्षेत्र के विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं और हर संभव प्रयास करेंगे कि यहां की समस्याओं का समाधान जल्द से जल्द हो।

सुभाषितम्

अच्छा निर्णय अनुभव से प्राप्त होता है लेकिन दुर्भाग्यवश अनुभव का जन्म गलत निर्णयों से होता है - रीटा माए ब्राउन

एआई की सौगात: संभावनाएं व चुनौतियां

एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विकास और उपयोग की दिशा में वैज्ञानिकों और तकनीकविदों ने कमाल की बढ़त हासिल की है और उनके अभियान का क्रम लगातार जारी है। एआई बड़ा संक्रामक है और देश-काल की सीमाओं को तोड़ते-फलांघते वह जल, थल और अंतरिक्ष हर कहीं मनुष्य की अप्रत्याशित रूप से त्वरित पहुंच का विस्तार करता जा रहा है। वैसे तो एआई भी एक नैसर्गिक यानी स्वाभाविक मानवीय बुद्धि का ही करिश्मा है परंतु आज जिस गति से सबकुछ में निर्बाध दखल देते हुए इसके जरिए जो बदलाव लाए जा रहे हैं वे दुनिया का नक़्शा ही बदल रहे हैं। निर्माण अपने निमार्ता की नियति तय करता दिख रहा है। आज वर्चुअल और डिजिटल को इस तरह स्थापित किया जा रहा है कि उनके आगे सत्य और यथार्थ हिलने-काँपने लगा है। मनुष्य सत्य और असत्य (झूठ) पर भरोसा करता आ रहा है। सत्य अर्थात् वह जिसका अस्तित्व है (सत्) परन्तु अब नाना प्रकार के सत्य अस्तित्ववान हो रहे हैं जिनमे अपनी पसंद से चुनना होता है पर जिस भी संस्करण के सत्य उभर रहे हैं उनके पीछे आ आई का हाथ जरूर होता है। वैसे तो किसी भी तरह के चुनाव का आधार मुख्य नियामक होता है ताकि होड़ लेते विभिन्न सत्यों के कई प्रत्याशियों के बीच असली या उपयोगी सत्य को खोज कर पहचाना जा सके। सत्य के साथ स्थिरता, निरंतरता और सातत्य या फिर अपरिवर्तनशीलता और विश्वसनीयता जैसे मानक भी स्वाभाविक रूप से जोड़ दिए जाते रहे हैं। परम और नित्य सत्य की परिकल्पना हमें ईश्वर के करीब पहुंचा देती है।

आज जब सत्य के निर्माण की छूट मिल रही है तो उसके कई परिणाम सामने आ रहे हैं। सारी कानूनी मशीनरी सत्य का बाजार चला रही है। वह प्रमाण और साक्ष्य के माध्यम से मुकदमा चलने के दौरान मुल्तबी सत्य को अपने बल पर सत्य के खांचे में फिट कर देती है। वकील और गवाह मिल कर सत्य रचते और तय करते हैं और वह जज के सत्यबोध से मेल खा जाए तो वह सुच्चा या निखालिस सच बन जाता है। यह दृष्टि सत्य की अस्थिरता या सापेक्षिकता और अन्ततः बहुलता की तरफ ले जाती है जिसके अच्छे-बुरे दोनों तरह के परिणाम हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता बहुत आगे जा रही है। वह वास्तविक बुद्धिमत्ता के उपयोग के अवसरों और अभ्यासों को जिस तरह बदल रही है उससे हमारी आदतें, व्यवहार शैली और जीने का अंदाज सबकुछ बदलता जा रहा है। इस तरह का व्यापक नवाचार हमारी अपने बारे में समझ को भी बदल रहा है। मनुष्यता के स्वभाव, बच्चों के पालन-पोषण, पढ़ाई-लिखाई आदि मनुष्य के रूप में निर्माण जैसे जरूरी उपायों के स्वरूप को प्रभावित कर रहा है। जीवन में एआई प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से हर तरफ उपस्थित है। पिछले कुछ दिनों में डीप फेक और साइबर अरेस्ट जैसी घटनाओं ने एआई के उपयोग के अतिरेक से पैदा हो रही तमाम मुश्किलों की ओर ध्यान आकर्षित किया है जिनका संबंध जीवन की गुणवत्ता से है। एआई की पहुंच का विस्तार या रेंज बढ़ता ही जा रहा है। निजी जीवन में उसकी दखल दुरभिसंधि, भयादोहन, अंतरराष्ट्रीय संघर्ष, आर्थिक घोटाले और व्यापार जगत सबको संत्रस्त करने वाला साबित हो रहा है।

एआई के उपयोग से काम में सुभीता, शीघ्रता और मात्रा को ध्यान में रखते हुए आज विभिन्न देशों में अपनी एआई की क्षमता बढ़ाने के लिए होड़ मची हुई है। भारत भी इसमें शामिल हो रहा है। औद्योगिक क्रांति जैसी क्रांति का लाभ न पाकर हम अब यह सोच रहे हैं कि एआई क्रांति से बड़ी लम्बी छलांग लगा लेंगे-यह आकर्षक पर खतरनाक हो सकता है। कुछ दिन पहले भारतीय मूल के नोबल पुरस्कार विजेता वैज्ञानिक वेंकी रामकृष्णन ने जयपुर में बोलते हुए स्पष्ट रूप से एआई की संभावनाओं के साथ इससे जुड़े बड़े खतरों की ओर ध्यान खींचा, शायद उससे निपटने के लिए तकनीकी विशेषज्ञता काफी न होगी। उसके किए समानुभूति, इतिहास और संस्कृति की समझ की भी दरकार होगी। बिना उस व्यापक संदर्भ के हमारे समाधान छिछले, संकुचित और नुकसानदेह हो सकते हैं। सबकुछ तकनीक विशारदों पर नहीं छोड़ा जा सकता। एआई के नैतिक और सामाजिक आयाम भी हैं। शिक्षा में वे मानविकी और विज्ञान परौद्योगिकी दोनों को महत्व देने की वकालत कर रहे थे। तकनीकी और मानविकी के बीच की खाई पाटी जानी चाहिए। एआई का नियंत्रित उपयोग वहां हितकारी हो सकता है वहां कार्य क्षमता, उत्पादकता आदि जरूरी हों। हमें पूरा सच देखना होगा। प्राचीन ऋषियों ने ऐसे ही नहीं कहा था कि स्वर्ण के ढक्कन से सत्य का मुख ढंका हुआ है- हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यासपिहितम मुखम। अतीत से विच्छिन्न, मूलहीन सभ्यता की नई इबारत लिखने वाली सोच अधूरी है। उसके हिसाब से हम सब एक डाटा प्वाइंट होते जा रहे हैं। समाज और संस्कृति की स्मृति को मिटा देना बड़ी त्रासदी है। हमें इसके प्रति आगाह रहते हुए एआई के उपयोग को सीमित करना होगा। इसी में मनुष्य के भविष्य की गुंजाइश होगी।

स्वभाषा के बिना संस्कृति निष्प्राण

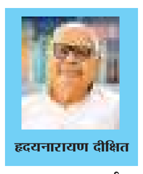
हृदयनारायण दीक्षित

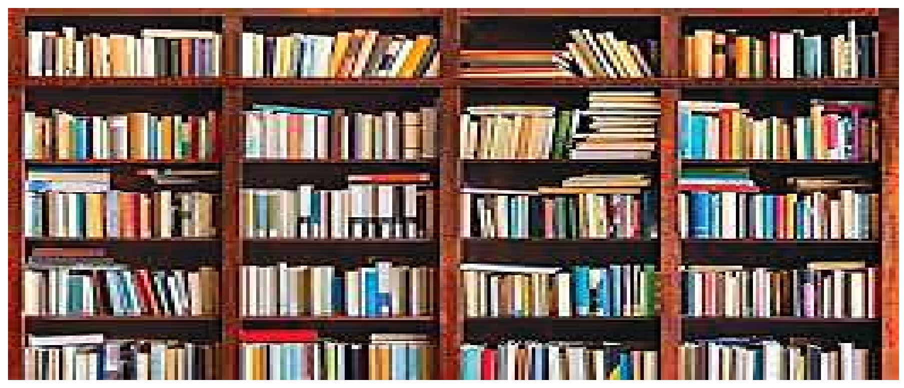

भारतीय संस्कृति अति प्राचीन है। यूरोप की सभ्यता पर यूनानी प्रभाव है। यूनान जर्मनी से पहले सभ्य हुआ। भारत यूनान से पहले। यूनानी दर्शन ईसा के 500-600 वर्ष पहले शुरू हुआ। इसके सैकड़ों बरस पहले भारत का वैदिक दर्शन प्रसिद्धि प्राप्त कर चुका था। यूनानी सभ्यता की विकास भूमि क्रीट द्वीप है। क्रीट की कला के विश्लेषक रैनोल्ड हिगिंस के अनुसार ईसा के 2800 बरस पहले लघु एशिया के प्रवासी वहां सभ्यता ले गए। क्रीट के क्रोसोस नगर के प्रथम शासक मिनोस के नाम पर इसे 'मिनोअन सभ्यता' कहा गया। मिकनी नगर यूनानी सभ्यता का केन्द्र बना। यह सभ्यता मखदूनिया, साइप्रस और इटली तक फैली। मिस्र से निकाले गए हुक्सोस मिकनी के शासक थे। टायनबी ने इन्हें आर्य व हिगिंस ने इन्हें भारतीय कहा। भाषा वैज्ञानिक वामपंथी विद्वान डॉ. रामविलास शर्मा ने बताया कि आर्य भाषा बोलने वाले भारतीय मिनोअन-मिकीनियन राज्यों के संस्थापक थे। यूनानी सभ्यता, संस्कृति और दर्शन का विकास भारतीय सम्बंधों से हुआ। ऋग्वेद के मनु, मिस्र के प्रथम राजा मेनस और यूनान (क्रीट) के प्रथम शासक मिनोस भाषा की दृष्टि से संस्कृत के और संस्कृति की दृष्टि से भारतीय तत्व हैं।

इंग्लैंड की सभ्यता यूनान से प्रेरित है। उन्होंने लैटिन, ग्रीक, मिस्र से संस्कृति और सभ्यता के तत्व पाए। भारतीय संपर्क से उन्हें पुष्ट किया। अंग्रेजी स्वयं में व्यवस्थित भाषा नहीं है। संस्कृत के तमाम शब्द अंग्रेजी में हैं। संस्कृत का दिव्य ही अंग्रेजी का डिवाइन है। अंग्रेजी का ब्रदर संस्कृत का भ्रात है, फादर संस्कृत का पितृ है और मदर संस्कृत की मातृ है। गोदाम अंग्रेजी में गोडाउन है। पी.जी. सुब्बाराव ने 'इंडियन वर्ड्स इन इंग्लिश' में ऐसे सैकड़ों दिलचस्प शब्दों की सूची दी है। अंग्रेजों ने जर्मन, फ्रेंच से भाषा के संस्कार पाए, रोमन लिपि अपनाई। भाषा विज्ञानी अलब्राइट व लैम्बिडन ने सुमेरी को प्राचीनतम लिखित भाषा बताया। इनके मुताबिक पश्चिम को सुमेरी ने प्रभावित किया। उन्होंने बताया अंग्रेजी ह्याऐबिसह्य सुमेरी का अब्ज (पृथ्वी के नीचे का जल) है। यूनानी में वह अबुस्सास है। बेबीलोन में इसे अप्सु कहते हैं। लेकिन ऋग्वेद (1.23.19, 9.43.9 और 9.30.5 आदि) में जलवाची अप और अप्सु शब्द भरे पड़े हैं। मिस्त्री, सुमेरी और संस्कृत में भूतल जल पर एक शब्दावली है। ऋग्वेद पुराना है, जाहिर है कि संस्कृत ही सबसे पहले सृष्टि के आदि तत्व 'जल' की बोली बनी। विलियम जोन्स ने कहा कि संस्कृत ग्रीक से अधिक निर्दोष, लैटिन से अधिक समृद्ध और इनमें किसी से भी अधिक उत्कृष्ट है। इसके बावजूद धातुओं और व्याकरणिक रूपों में यह इन दोनों से प्रगाढ़ सम्बंध रखती है, इतना प्रगाढ़ कि कोई भाषाविद् इनका एक ही स्रोत माने बिना छानबीन नहीं कर सकता।

संस्कृत जाने बिना विश्व भाषा विज्ञान, विश्व भाषा परिवार, सृष्टि संरचना और विश्व सांस्कृतिक सम्बंधों का अध्ययन विश्लेषण संभव नहीं। भारत सांस्कृतिक तत्वों का भी निर्यातक था। पश्चिम एशिया में रूद्र-शिव की उपासना थी। गूर्ने ने 'दि हिटटाइटस' (पृष्ठ 134) में बताया कि वे हित्तियों के विशेष देवता थे, उनके अनेक रूप थे। सीरिया के शिल्प में वह परशु चलाते हुए बिजली कौंधने के प्रतीक हैं। यूनानी (मिनोअन) संस्कृति में भी परशु खास प्रतीक हैं। इबान्स के मुताबिक यह परशु मिनोअन देवी और उसके पुरुष देवता का चिन्ह था। इसी परशु का उल्लेख ऋग्वेद में है। पश्चिमी भारत से दक्षिणी यूरोप, फिर उत्तरी यूरोप होते हुए परशु नाम का देव प्रतीक इंग्लैंड तक पहुंचा। अंग्रेजी विद्वान सम्भवतः नहीं मानते कि रुद्र का शिवत्व प्रागैतिहासिक काल में भी है। ऋग्वेद में वे अरुण-रूद्र हैं। वे जटाधारी भी हैं। यजुर्वेद में वे नमः शम्भवाय-नमः शिवाय भी हैं। जैसे सीरिया में वे बिजली कौंधने के प्रतीक हैं वैसे ही उसके बहुत पहले ऋग्वेद (7.46.3) में वे आकाश से बिजली गिराते हैं। यहां उनसे अमृत्व की महामृत्युंजय स्तुति (7.59.12) है।

सभ्यता, संस्कृति, देवतंत्र, दर्शन, भौतिकी और आधुनिक ज्ञान-विज्ञान का आदि केन्द्र भारत है। यूरोपीय विद्वान एच.एस. मेन ने लिखा था, ह्यह्यबीजगणित, अंकगणित में पश्चिमी सहायता के बिना ही ऊंचे दर्जे की दक्षता है। दशमलव प्रणाली के अविष्कार का हम पर ऋण है। अरबों ने अंक हिन्दुओं से पाए, यूरोप में फैलाए। यूरोपीय चिकित्सा पद्धति 17वीं सदी तक अरबी चिकित्सा थी। विलियम हंटर ने लिखा था कि पश्चिम के विद्वान जब भाषा विज्ञान का विवेचन आकस्मिक समानताओं के आधार पर कर रहे थे, उस समय भारत में व्याकरण को मूल सिद्धांतों का रूप मिल चुका था। सारा ज्ञान विज्ञान, संस्कृति दर्शन संस्कृत में है, हिन्दी में भी है। बावजूद इसके अंग्रेजी पर जोर है, अंग्रेजी का शोर है। सवाल यह है कि जो संस्कृत और हिन्दी काव्य, साहित्य, दर्शन, विज्ञान, प्रीति और प्रेम की सहज अभिव्यक्ति है, वही विज्ञान और व्यापार की सशक्त भाषा क्यों नहीं है? भारत प्राचीनतम व अद्वितीय राष्ट्र है। मैक्समूलर ने लिखा भारत के मानवी-मस्तिष्क ने कुछ सर्वोत्तम गुणों का पूर्ण विकास किया है। जीवन की बड़ी से बड़ी समस्याओं पर भारत द्वारा प्राप्त हल प्लेटो और कांट के दर्शन का अध्ययन किए हुए लोगों के लिए (भी) विचार करने योग्य है। यूनानी, रोमन और एक सेमेटिक जाति यहूदी के विचार मात्र पर पालित-पोषित यूरोप के हम लोग जीवन को अधिक परिपक्व, अधिक व्यापक, अधिक सार्वलौकिक, दरअसल सच्चे मानवीय बनाने के लिए भारत की ओर ही देखते हैं। भारतीय संस्कृति दर्शन की ऐसी प्रतिष्ठा पर गर्व करना चाहिए।

स्वाधीनता संग्राम की भाषा मातृभाषा हिंदी थी लेकिन नए प्रभुवर्ग अंग्रेजी को वरीयता देते रहे हैं। गांधीजी ने कहा था, अंग्रेजी ने हिंदुस्तानी राजनीतिज्ञों के मन में घर कर लिया है। मैं इसे अपने देश और मनुष्यत्व के प्रति अपराध मानता हूं। (संपूर्ण गांधी वांगमय 29-312) संस्कृति, सृजन और संवाद की भाषा हिंदी है। बावजूद इसके अंग्रेजी का मोह बढ़ा, अंग्रेजी स्कूल बढ़े, अंग्रेजी प्रभुवर्ग की भाषा बनी। हिंदी का अंग्रेजीकरण भी हुआ। टीवी सिनेमा ने नई ह्यसंकर भाषाह्य को गले लगाया। हिंदी सौंदर्य और कला में व्यक्त करने का माध्यम थी-है। अंग्रेजीकृत हिंदी-हिंगलिश-मिश्रित बोली ने भारतीय सौंदर्यबोध को विकृत किया। अंग्रेजी मिश्रित हिंदी शैंपू और दाद खाज की दवा बेचने का माध्यम हो सकती है लेकिन सृजन और संवाद की भाषा नहीं हो सकती। स्वभाषा के बिना संस्कृति निष्प्राण होती है। लॉर्ड मैकाले ने ब्रिटिश संसद में कहा था, उच्चतर जीवन मूल्य और उत्कृष्ट क्षमताओं को देखते हुए भारतीयों पर तब तक विजय प्राप्त नहीं की जा सकती, जब तक वहां की आध्यात्मिक-सांस्कृतिक परंपरा की सशक्त रीढ़ नहीं तोड़ी जाती। इसलिए मेरा प्रस्ताव है कि भारत की प्राचीन शिक्षा पद्धति, संस्कृति को विस्थापित करें कि भारतवासी विदेशी और अंग्रेजी को श्रेष्ठ समझते हुए स्वसंस्कृति और स्वाभिमान खोकर हमारी इच्छा अनुरूप शासित राष्ट्र हो जाएं। वे असफल हुए। इसका कारण भारत की सांस्कृतिक निरंतरता है।

भारत, रूस और अमेरिका के बीच नए समीकरण

ललित मोहन बंसल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पेरिस और वॉशिंगटन दौरे के बाद आस बंधी है कि भारत में अनवरत विद्युत और गैस सप्लाई से आर्थिक विकास दर में वृद्धि होगी। एक समय उद्यमी अपने कल-कारखाने में उत्पादन कार्य से पहले अनवरत विद्युत सप्लाई के लिए भागदौड़ में जुटा रहता था। आज एक ओर क्लाइमेट चेंज के कारण कार्बन रहित विद्युत उत्पादन पर जोर दिया जा रहा है, वहीं आणविक विद्युत सप्लाई के लिए बड़े संयंत्र की जगह छोटे आणविक संयंत्रों की मांग बढ़ रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने दौरे के पहले पड़ाव में पेरिस में फ्रांस के राष्ट्रपति एमेन्युअल मैक्रो से द्विपक्षीय वार्ता में रिन्युअल एनर्जी के अंतर्गत छोटे आणविक संयंत्रों की सप्लाई पर अहम समझौता कर कार्बन रहित संस्कृति को गति दी है। इससे निःसंदेह मोदी के 'मेक इन इंडिया' मंत्र को नई दिशा मिलेगी, वहीं देश के विभिन्न राज्यों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर खड़े किए जा सकेंगे। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए चौबीसों घंटे अनवरत विद्युत आपूर्ति की जरूरत होगी, जो डाटा सेंटर और विशाल कंप्यूटर सेंटर को सजीव रख सके। भारत के आर्थिक विकास में ऊर्जा के क्षेत्र में कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति एक प्राथमिकता है। आने वाले दिनों में भारत की ऊर्जा, विशेषकर कच्चे तेल की माँग चीन से ज्यादा होगी। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी की मानें तो निःसंदेह तीन सालों में भारत के कारोबार में वृद्धि होने से परिवहन और उद्योग में कच्चे तेल की माँग बढ़ेगी, एक तेजी से खड़ी होने वाली भारतीय इकॉनमी के लिए परिष्कृत ऊर्जा और और विद्युत ऊर्जा की जरूरत होगी। पेरिस आधारित इस एजेंसी के अनुसार भारत को मौजूदा 15.380 करोड़ बैरल से बढ़ कर 2030 में 16.640 करोड़ बैरल प्रतिदिन की जरूरत होगी। मोदी ने वार्ता के दौरान अगले पांच सालों में विकसित भारत-2047 तक दोगुने व्यापार की उम्मीद जताई है। बता दें, मोदी और ट्रम्प वार्ता के दौरान व्यापार संधि में भारत ने अमेरिका से कच्चा तेल खरीदने पर सहमति जताई है। भारत अमेरिका से कितना तेल और गैस खरीदेगा, इस पर विचार जारी है। दुनिया में कच्चे तेल के आयात में चीन और अमेरिका के बाद भारत तीसरा बड़ा आयातक देश है।

मोदी-ट्रम्प वार्ता में ऊर्जा: कच्चे तेल पर आधारित भारतीय इकॉनामी को पाँच खरब की इकॉनामी बनने के लिए अमेरिका से होकर क्षितिज पर पहुँचना होगा। दुनिया में तेल के आयात में भारत तीसरा (10.1 %) बड़ा देश है। भारत ने 2023-24 में 88% तेल के आयात पर निर्भर रहा। 2023-24 में कच्चे तेल का बिल 139.3 अरब डॉलर था, जो भारत के कुल आयात मूल्य 678 डॉलर का 21 प्रतिशत कहा जा सकता है। इसमें तेल आधारित उत्पाद नहीं है। भारत खुद तेल आधारित उत्पाद बना कर यूरोपीय देशों को निर्यात करता है और 23.3 अरब डालर अर्जित करता है। इसमें एलपीजी 10.5 अरब डॉलर, 22.1 अरब डॉलर के हाई स्पीड डीजल और 11.2 अरब डॉलर मोटर स्पिरिट है। ऐसे में कच्चे तेल की कीमतें गिरती हैं, निश्चित तौर पर भारत लाभान्वित होगा।

अभी तक तेल की कीमतों को प्रभावित करने में खाड़ी में तेल उत्पादक देशों और ओपेक प्लस देशों में रूस, अमेरिका सहित ऐसे आधा दर्जन देश हैं, जो तेल का उत्पादन करते हैं। भारत में कच्चे तेल का उत्पादन अल्प मात्रा में हो पाता है, जबकि उसे अठासी प्रतिशत तक आयात पर निर्भर रहना पड़ता है। भारत तेल की कीमतों को प्रभावित करने की स्थिति में भले नहीं रहा, वह भू-राजनैतिक कारणों से सऊदी, ईरान, इराक और यूनाइटेड अरब अमीरात, वेनेजुएला आदि देशों से कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति करता रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध के से उपजी परिस्थितियों के कारण भारत ने राष्ट्रहित में मौजूदा निर्यातक देशों के कोटे में कटौती कर अधिकाधिक तेल रूस से खरीदना शुरू किया। रूस और भारत के रणनीतिक रिश्तों के कारण भारत में कच्चा तेल 15 से 20 डॉलर प्रति बैरल आयात किया जाता रहा है। शुरू में 2023-24 में 33 % इराक, 21% सऊदी अरब, 16% यूएई, 6.4 % खाड़ी के ओपेक प्लस देशों में रूस और अमेरिका, दो बड़े देश हैं, जो दस लाख बैरल तेल प्रतिदिन निकालते हैं, हालांकि अमेरिकी जरूरतों को पूरा करने के लिए अमेरिका सऊदी अरब जैसे दोस्तों से तेल की आपूर्ति करता है।

भारत ने यूएस से तेल के आयात पर सहमति देकर एक ओर अमेरिका से मित्रता का धर्म निभाया है, वहीं खाड़ी और रूस से आयात के मौजूदा कोटे में कमी कर देश को चुनौतियों के लिए आमंत्रण दिया है। दरअसल, डोनाल्ड ट्रम्प कच्चे तेल का अधिकाधिक उत्पादन करना चाहते हैं। वह अपने तेल उत्पादकों से कहते हैं, 'ड्रिल बेबी ड्रिल' और दूसरी ओर मित्र देशों को उलाहना देते हुए कहते हैं, आओ, हमसे दोस्ती करो और तेल पाओ। अमेरिका ने 29023 में 19358 हजार बैरल प्रतिदिन उत्पादन किया, जो वैश्विक स्तर पर कुल उत्पादन का 20.1 % है। ओपेक देशों का 35.3 % और ओपेक + देशों रूस और मैक्सिको सहित 54% है। ऐसे समय जब रूस अपनी जर्जर इकॉनामी को सुधारने के लिए भारत को सस्ते में तेल देने का प्रलोभन देता है, तो गलत नहीं है। इससे भारत-रूस संबंधों पर आंच आना स्वाभाविक है। रिन्यूअल एनर्जी से होगा कार्बन रहित समाज : इसी रिन्यूवल एनर्जी परिकल्पना की दृष्टि से फ्रांस के राष्ट्रपति एमेन्युअल मैक्रो और भारत के बीच छोटे आणविक संयंत्रों के आयात पर जो समझौता हुआ है, उससे देशभर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के नए द्वार खुल सकेंगे। इन आणविक संयंत्रों से एआई ही नहीं सेमीकंडक्टर चिप निर्माण में अनवरत विद्युत ऊर्जा से प्रौद्योगिकी को बल मिलेगा। उल्लेखनीय है कि रिन्यूवल एनर्जी आधारित ऊर्जा के लिए उत्तम कोटि के मिनरल की जरूरत होती है। इस क्षेत्र में चीन कहीं आगे है, संभव है भारत को चीन से ऐसे मिनरल के आयात में कठिनाई हो सकती है, जो उसके ऊर्जा सुरक्षा में बाधक बने।

एलन मस्क और मोदी वार्ता में विद्युत वाहन : क्लाइमेट चेंज से अत्यधिक प्रभावित भारत एक तो खनन कोयले पर अत्यधिक गर्मी से पीड़ित है। इसके लिए भारत की कोशिश है कि वह परिवहन तेल और गैस पर निर्भर रहने की बजाए विधुत चालित वाहनों का सहारा ले। इस संदर्भ में मोदी ने अपने दौरे के पहले ही दिन ऐलान मस्क से बातचीत में विद्युत चालित वाहनों के लिए सहयोग मांगा। मस्क भारत में विद्युत चालित वाहनों की फैक्ट्री लगाते हैं, तो भारत ने उन्हें सिंगल विंडो के तहत सभी सुविधाएं दिए जाने की पेशकश की है। परिवहन क्षेत्र को कार्बन रहित बनाने के लिए भारत में 2023 में 15.3 लाख विद्युत वाहन थे, जो एक साल में बढ़ कर 19.5 लाख विद्युत वाहन हो गए जो मात्र 7.44 % वृद्धि है। कार्बन रहित परिवहन के लक्ष्य में बायो फ्यूल और हाइड्रोजन एक विकल्प है। भारत ने चालू बजट में साल 2047 तक सौ मेगावाट आणविक विद्युत निर्माण का लक्ष्य रखा है।

नौनिहालों के सपनों पर हावी होते कोचिंग सेंटर

प्रियंका सौरभ

भारत में कोचिंग सुविधाओं की संख्या में तेजी से वृद्धि देखी जा रही है। ये केंद्र छात्रों को स्कूल स्तर की परीक्षाओं के साथ-साथ जेईई, नीट और यूपीएससी की तैयारी में मदद करते हैं। हालांकि, इस उद्योग की विस्फोटक वृद्धि से कई चिंताएं भी पैदा हो रही हैं। लगभग 58, 000 करोड़ के बाजार मूल्य के साथ, भारत का फलता-फूलता कोचिंग क्षेत्र अब पूरे देश से करोड़ों छात्रों को आकर्षित करता है। पारंपरिक शिक्षा में अंतर को पाटने के लिए, ये निजी संस्थान विशेष परीक्षा की तैयारी प्रदान करते हैं। हालांकि, चिंताएं हैं कि उनका बाजार-संचालित दृष्टिकोण औपचारिक शिक्षा के मानकों को गंभीर रूप से प्रभावित करता है और शैक्षणिक मांगों को बढ़ाकर छात्रों की पढाई पर भारी बोझ डालता है।

कोचिंग सेंटरों के विस्फोटक विकास के कारण भारत में औपचारिक शिक्षा प्रणाली और छात्रों के कल्याण सम्बंधित चिंताएं जताई गई हैं। छात्रों की भलाई और औपचारिक शिक्षा में कोचिंग सेंटरों का प्रभाव कम हो गया है। छात्र अपनी अकादमिक पढ़ाई से पहले कोचिंग सत्रों को प्राथमिकता देते हैं, जिससे व्यापक शिक्षा प्रदान करने में स्कूलों की भूमिका कम हो जाती है। उदाहरण के लिए, बहुत से छात्र केवल उपस्थिति आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए स्कूल जाते हैं और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए केवल ट्यूशन सुविधाओं का उपयोग करते हैं। कोचिंग सेंटर में लंबे समय तक पढ़कर कड़ी प्रतिस्पर्धा करने वाले छात्र तनाव, चिंता और बर्नआउट का अनुभव करते हैं। कोटा के छात्रों की आत्महत्या की रिपोर्ट कोचिंग सेंटर के माहौल से होने वाले गंभीर मनोवैज्ञानिक नुकसान को दशार्ती है। कोचिंग सेंटर अकादमिक फोकस और तैयारी की रणनीतियों पर हावी हैं, जिससे छात्रों की अपनी शिक्षा में रुचि खत्म हो जाती है। कोचिंग सेशन में भाग लेने के लिए, कई सीबीएसई स्कूलों में छात्र महत्त्वपूर्ण शैक्षणिक वर्षों के दौरान नियमित कक्षाएं छोड़ देते हैं। उच्च कोचिंग लागत आर्थिक रूप से वंचित छात्रों को उच्च-गुणवत्ता की तैयारी तक पहुंचने से रोककर शैक्षिक अवसरों में अंतर को और बढ़ा देती है। प्रीमियम जेईई तैयारी कार्यक्रमों की लागत लाखों तक है, जो उन लोगों को अलग करती है जो कोचिंग का खर्च उठा सकते हैं और जो नहीं उठा सकते हैं।

कोचिंग उद्योग कई कारकों के परिणामस्वरूप विकसित हुआ है। कोचिंग की आवश्यकता उच्च-दांव वाली प्रवेश परीक्षाओं, जैसे कि जेईई और एनईईटी पर जोर देने से प्रेरित है। आईआईटी सीटों की सीमित संख्या के कारण, छात्र चयनित होने की अपनी संभावनाओं को बढ़ाने के लिए कोचिंग सेंटरों में दाखिला लेते हैं। माता-पिता और छात्रों के अनुसार, प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश पाने के लिए कोचिंग सेंटर आवश्यक हैं। क्योंकि उन्हें लगता है कि इससे प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में उनके प्रदर्शन में सुधार होगा, इसलिए कई माता-पिता कोचिंग फीस पर बड़ी रकम खर्च करते हैं। औपचारिक शिक्षा में प्रतियोगी परीक्षाओं की उन्नत तैयारी का अभाव अक्सर एक कमी छोड़ देता है जिसे कोचिंग सेंटर भर देते हैं। राज्य बोर्ड राज्य बोर्ड और एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों के ज्ञान पर जोर देते हैं, जबकि कोचिंग सेंटर प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए विशेष तैयारी प्रदान करते हैं। कोचिंग सेंटर में शामिल होने के लिए छात्रों पर साथियों और अभिभावकों के दबाव के परिणामस्वरूप कोचिंग संस्कृति तेजी से बढ़ रही है। पूरा परिवार कोटा और हैदराबाद जैसी जगहों पर कोचिंग के अवसरों के लिए जा रहा है। कोचिंग सेंटर रैंक-केंद्रित विज्ञापनों और सफलता की कहानियों के साथ छात्रों को आकर्षित करते हैं। अपने विज्ञापनों में, कोचिंग सेंटर अपने सर्वश्रेष्ठ छात्रों को प्रदर्शित करते हैं, जिससे यह धारणा बनती है कि सफलता सुनिश्चित है। इसका सामान्य रूप से शिक्षा पर प्रभाव पड़ता है। कोचिंग सेंटरों द्वारा पाठ्यक्रम से अधिक प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर जोर दिए जाने के परिणामस्वरूप छात्र अपनी नियमित शैक्षणिक पढ़ाई की उपेक्षा करते हैं।

कक्षा 11 और 12 के दौरान, छात्र पूरे दिन के जेईई या नीट कोचिंग सत्र में भाग लेने के लिए अक्सर स्कूल छोड़ देते हैं। औपचारिक शिक्षा की वैधता कम हो जाती है क्योंकि छात्र अपना ध्यान कोचिंग सेंटरों की ओर मोड़ते हैं, जिससे शिक्षक की प्रेरणा कम हो जाती है। छात्र केवल कोचिंग सामग्री का उपयोग करते हैं और शहरी क्षेत्रों के स्कूल कक्षा में कम भागीदारी की रिपोर्ट करते हैं। परीक्षाओं में सफल होने के लिए रटने को प्रोत्साहित करके, कोचिंग सेंटर स्कूलों में सिखाई जाने वाली आलोचनात्मक सोच और वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोग कौशल को कमजोर कर देते हैं। प्रवेश परीक्षा अध्ययन मार्गदर्शिकाएँ अक्सर वैचारिक विश्लेषण की तुलना में नियमित समस्याओं को हल करने पर अधिक जोर देती हैं। खेल, कला और पाठ्येतर गतिविधियाँ प्रभावित होती हैं क्योंकि छात्र कोचिंग कक्षाओं में बहुत अधिक समय व्यतीत करते हैं। छात्र अक्सर इंजीनियरिंग या मेडिकल परीक्षाओं की तैयारी करते समय स्कूल द्वारा प्रायोजित एथलेटिक कार्यक्रमों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से चूक जाते हैं। परीक्षा-केंद्रित संसाधनों तक पहुंच उच्च कोचिंग लागतों द्वारा सीमित है, जिसके परिणामस्वरूप एक दोहरी प्रणाली है जहां केवल गरीब ही मुख्यधारा की शिक्षा से लाभ उठा सकते हैं। सरकारी स्कूली बच्चे अल्प शैक्षिक संसाधनों पर निर्भर हैं, जबकि अमीर छात्र प्रतिष्ठित संस्थानों में जाते हैं।

स्कूलों में पढ़ाई को बेहतर बनाने के लिए, निजी कोचिंग सुविधाओं पर निर्भरता कम करने के लिए स्कूलों में कोचिंग सत्र और उन्नत शिक्षण मॉड्यूल शुरू करें। ऑनलाइन संसाधनों को प्रोत्साहित करें जो परीक्षण लेने की लागत और आय के बीच के अंतर को कम करने के लिए अधिक किफायती कीमतों पर उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करते हैं। सभी छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए नपटल और दीक्षा जैसे प्लेटफॉर्म द्वारा दिए जाने वाले मुफ़्त संसाधनों का उपयोग कर सकते हैं। विशेष कोचिंग की आवश्यकता को कम करने के लिए ज्ञान-भारी परीक्षाओं की तुलना में योग्यता-आधारित आकलन को प्राथमिकता दें। कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस एग्जाम विषय-वस्तु के ज्ञान की तुलना में योग्यता और आलोचनात्मक सोच को प्राथमिकता देता है। स्कूल के शिक्षकों को उन्नत निर्देश और सलाह देने के लिए आवश्यक संसाधन देने के लिए शिक्षक तैयारी कार्यक्रमों पर पैसा खर्च करें। देश भर के शिक्षकों के पेशेवर कौशल को बढ़ाना निष्ठां जैसे सरकारी कार्यक्रमों का लक्ष्य है। ऐसे दिशा-निर्देश बनाएं जो एक अच्छी तरह से पाठ्यक्रम को प्राथमिकता दें जो प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए परीक्षा देने की रणनीतियों के साथ शैक्षणिक, सांस्कृतिक और एथलेटिक निर्देश को जोड़ता हो। 2020 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) अंतःविषय शिक्षा को बढ़ावा देती है।

आज का राशिफल

मेष : कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा।

वृष : आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें।

मिथुन : व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें, शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। खान-पान में सावधानी रखें।

कर्क : अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी।

सिंह : नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी।

कन्या : आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी।

तुला : लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी।

वृश्चिक : शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा।

धनु : यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी।

मकर : मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। कल का परिश्रम आज लाभ देगा।

कुंभ : आलसी न बनें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी।

मीन : बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा।

बिरसा कृषकों के समग्र विकास एवं ज्ञानवर्धन हेतु एक दिवसीय कृषि मेला सह प्रदर्शनी कार्यशाला का आयोजन

सरकार पूरी ऊर्जा के साथ किसानों के हित के लिए कार्य कर रही है : कृषि मंत्री

संवाददाता

हजारीबाग। बिरसा कृषकों के समग्र विकास एवं ज्ञानवर्धन हेतु शनिवार को भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान गोरिया करमा, बरही व हजारीबाग में प्रमंडल स्तरीय किसान मेला सह प्रदर्शनी कार्यशाला 2025 का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग मंत्री, झारखंड सरकार शिल्पी नेहा तिर्की शामिल हुई। बरही के गौरैयाकर्मा में आयोजित प्रमंडलस्तरीय किसान मेला सह प्रदर्शनी कार्यशाला 2025 में बतौर मुख्य अतिथि शिल्पी नेहा तिर्की, कृषि एवं पशुपालन मंत्री, झारखंड सरकार ने कार्यक्रम में आए कृषकों को संबोधित करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कृषि विभाग की योजनाओं से किसानों को अवगत कराना है। किसान वर्ग को अन्नदाता कहा जाता है। झारखंड की जमीन उन्नत होने के बाद भी जानकारी के आभाव में यहां के किसान अपने को स्थापित नहीं कर पाए है। यहां इस कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के स्टॉल लगाए है जो विशेष रूप से किसान भाइयों के लिए है। उन्होंने इस कार्यक्रम में शामिल हुए कृषकों की अच्छी तादात को देखकर प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि आप सभी एक जागरूक एवं तत्पर किसान हैं। इसलिए आप सभी इस कार्यक्रम में दूर दराज से कुछ जानने और समझने आए हैं।

खेती-किसानी और कृषि अपने आप में एक बहुत बड़ा क्षेत्र है। झारखंड जैसे राज्य के लिए एग्रीकल्चर एक महत्वपूर्ण विषय है। झारखंड की 80% आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है, ये लोग खेती-बाड़ी के माध्यम से ही अपना जीवन यापन करते हैं। उन्होंने बताया कि झारखंड में पारंपरिक खेती से किसान अपने 90 प्रतिशत खेतों पर केवल धान उगाते हैं, जबकि अन्य राज्यों में आधुनिक तकनीक से बहुआयामी खेती कर उन्नत हो रहे है। कृषि मंत्री ने समय के साथ किसानों को अपने कार्य प्रणाली को भी अद्यतन करने को कहा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार कृषि के क्षेत्र में नए ऊर्जा के साथ कार्य करने को प्राथमिकताओं में रखा है। इसलिए सभी प्रमंडल में इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। सरकार कृषि, मत्स्य पालन, बागवानी, पशुपालन एवं डेयरी में कई योजनाएं लाने पर कार्य कर रही है तथा किसानों को रोजगार परक बेहतर प्रशिक्षण देने की भी योजना है। ताकि कृषक भाई सभी कृषि के सभी अवयवों को आत्मसात कर अपने समृद्धि की तरफ बढ़ सके। डेयरी उद्योग में भी असीम संभावनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में व्यापक संभावनाएं है। दइस कार्यक्रम के माध्यम से उन्होंने कहा कि राज्य सरकार एक बेहतर समन्वय बनाते हुए किसानों को बेहतर दिशा देने का कार्य करेगी। माननीय मंत्री ने कहा कि वर्तमान समय में परंपरागत व्यवस्थाओं के साथ-साथ कृषि-खेती कार्य को आधुनिक तकनीक से भी जोड़ने की आवश्यकता है। कभी-कभी बदलते मौसम के कारण किसान वर्ग के लोग हतोत्साहित होते जाते हैं, तकनीक के माध्यम से ही उन्हें इन समस्याओं से बचाया जा सकता है। बरही विधायक मनोज यादव में इस प्रमंडल स्तरीय किसान मेला कार्यक्रम में शामिल होते हुए जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि बरही के क्षेत्र में कृषि के क्षेत्र में बहुत संभावनाएं हैं। लेकिन पारंपरिक खेती से किसानों का आर्थिक उत्थान उतना नहीं हो पा रहा है। इसलिए इस प्रकार का किसान मेला सह प्रदर्शनी किसान भाइयों के लिए वरदान के जैसा है। नवाचार का युग है। इसलिए नए तकनीक से खेती के नए अवसर प्राप्त होंगे तथा किसान अपनी आय को बढ़ा सकते है।

किसान समृद्धि योजना मार्गदर्शिका नामक पुस्तक का विमोचन किया गया

प्रमंडल स्तरीय किसान मेला सह प्रदर्शनी कार्यक्रम में माननीय मंत्री कृषि एवं पशुपालन श्रीमती शिल्पी नेहा तिर्की के द्वारा किसान समृद्धि योजना मार्गदर्शिका नामक पुस्तक का विमोचन किया गया। इस पुस्तक में आधुनिक कृषि व सही तकनीक के सारे महत्वपूर्ण जानकारियां उपलब्ध कराई गई है,जिसके माध्यम से किसान खेती के हर बारीकियों को समझकर उन्नत हो सकते हैं।

मंत्री ने कई लाभुकों के बीच परिसंपत्ति का वितरण किया

प्रमंडल स्तरीय मेला सह प्रदर्शनी/कार्यशाला में कृषि मंत्री ने मत्स्य विभाग अंतर्गत 3808700 रुपए की राशि की लागत से 142 लाभुकों के बीच परिसंपत्ति का वितरण किया। लाभुकों में राजेश निषाद, खेलोचंद महतो, शिवनाथ हेंब्रम, तापेश्वर मेहता, नजमा खातून,राजू निषाद, अकबर अंसारी, प्रियंका कुमारी सहित कई अन्य शामिल रही। वहीं मंत्री ने किसान समृद्धि योजना अंतर्गत प्रयाग प्रसाद, विनय कुमार, मनोज यादव के बीच सोलर पंप सेट का वितरण किया।

कृषि अनुसंधान केंद्र डेमोटांड़ में कृषि मंत्री का उपायुक्त ने स्वागत किया

इसके पूर्व उपायुक्त नैंसी सहाय ने कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की का कृषि अनुसंधान केंद्र डेमोटांड़, हजारीबाग में स्वागत किया। इस दौरान कृषि मंत्री ने इस केंद्र में चल रहे अनुसंधान कार्यों की जानकारी ली तथा सम्पूर्ण परिसर का भ्रमण किया। मौके पर परिसर के अंदर लगे कई फसलों और सब्जियों की खेती का निरीक्षण किया एवं स्ट्राबेरी के खेत से स्ट्राबेरी के फल को भी चखा। परिसर के अंदर मछली पालन हेतु बने तालाब में मछली पालन का भी निरीक्षण किया। इस सम्पूर्ण भ्रमण के उपायुक्त ने विभिन्न गतिविधियों की भी जानकारी दी।

संक्षिप्त खबरें

हजारीबाग के पुराना धरना स्थल के समीप खतियानी परिवार की बैठक

हजारीबाग। हजारीबाग के पुराना धरना स्थल के नजदीक खतियानी परिवार की बैठक अशोक राम की अध्यक्षता में हुई। बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि बालू की प्रतिबद्धता खत्म की जाय।

झारखंड में जितने भी नदी नाले हों उसे स्थानीय लोगों को हीं लीज में दी जाय। ताकि सरकार को भी रॉयल्टी मिले और गरीब गुरुओं को मकान बनाने में आसानी पैदा हो। बालु लदे वाहनों को प्रशासनिक पदाधिकारी रास्ता में रोक टोक कर परेशान करते हैं और उनसे मोटी रकम की वसूली करते हैं, इसी वजह से बालू का दर आसमान छू रहा है। गरीब गुरुवा मिडिल क्लास के लोग अपना घर मकान बनाने में असमर्थ हो रहे हैं, बिल्डर और अमीर लोगों को आसानी से बालू मिल जा रहा है। लेकिन गरीबों को मुख्यमंत्री आवास, प्रधानमंत्री आवास और अबुआ आवास के लिए बालू नहीं मिल पा रहा है। सरकार दबाव डालती है कि जल्दी से मकान तैयार करो। ये लोग कहां से मकान तैयार करेंगे ? क्योंकि बालू व छड़ के लिए मुश्किल का सामना करना पड रहा है। शहिद करमजीत सिंह के शहादत पर खतियानी परिवार 2 मिनट का मौन रखा, उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और परिजनों को धैर्य दिलाने के लिए भी प्रार्थना की। इस बैठक में मुख्य रूप से केंद्रीय अध्यक्ष बाबू भाई विद्रोही के अलावे मोहम्मद हकीम, रामावतार भगत, प्रदीप कुमार मेहता, विजय मिश्रा, मोहम्मद आशिक, मोहम्मद मुस्तकीम, महेश विश्वकर्मा, मोहम्मद फखरुद्दीन, शंभू ठाकुर, मोहम्मद नसरुद्दीन, बोधी साँव, सुरेश महतो सुनीता कश्यप, राधा देवी, सीता देवी, बिंदु देवी, गोविंद गोप, अमर कुमार, व अन्य उपस्थित थे।

झामुमो विष्णुगढ़ प्रखंड समिति के द्वारा स्व0 टेकलाल महतो की 80 वीं जयंती मनाई गई

विष्णुगढ़। विष्णुगढ़ इंटर महाविद्यालय के प्रांगण में शनिवार को झामुमो विष्णुगढ़ प्रखंड समिति के द्वारा झारखंड आंदोलन के जननायक सह पूर्व सांसद व विधायक स्व० टेकलाल महतो की 80 वीं जयंती मनाई गयी। इस अवसर उनके बड़े पौत्र झामुमो मांडू विधानसभा क्षेत्र के युवा नेता गौरव पटेल ने अपने दादा स्व० टेकलाल बाबू के आदमकद प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। इस दौरान श्री पटेल ने कहा कि झारखंड अलग राज्य आंदोलन में मेरे दादा स्व० टेकलाल बाबू ने अग्रणी भूमिका निभाई थी। साथ ही कई वर्षों से उन्होंने मांडू को मजबूत नेतृत्व दिया। साथ हीं क्षेत्र में झामुमो को सिंचने का काम किया है। स्व० टेकलाल बाबू ने झारखंडी जनता के हक व अधिकार के लिए अपना सर्वस्व जीवन न्यौछावर कर दिया। उनके बताए मार्ग पर चल कर हीं झारखंडियों के सपनों को साकार किया जा सकता है। अपने विधायकी कार्यकाल में जो विकास का कार्य किया उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। झारखंड को अलग राज्य बनाने में उन्होंने काफी योगदान दिया है। मैं उन्हें शत शत नमन करता हूं। विष्णुगढ़ प्रखंड अध्यक्ष कपिल देव चौधरी ने कहा कि उन्होंने जनता की समस्याओं का निदान करने की दिशा में हमेशा कार्य किया। इस दौरान उपस्थित सभी कार्यकताओं ने स्व० टेकलाल महतो की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देते हुए उनके आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। मौके पर प्रमुख रूप से प्रखंड अध्यक्ष कपिल देव चौधरी, प्रखंड सचिव संजय प्रजापति, महताब जितेंद्र पांडेय, महादेव मुर्मू, गंगाधर महतो, सुनील सिंह विकाश सोनी विष्णु गुप्ता विकाश सोनी ,फालेंद्र यादव, प्रसादी यादव, रवि यादव समेत सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता शामिल थे।

झारखंड प्रदेश कांग्रेस के नवनियुक्त प्रभारी के राजू के बनने पर कांग्रेस कमेटी ने दी बधाई

संवाददाता

हजारीबाग। अखिल भारतीय कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी, अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, नेता विपक्ष राहुल गांधी,संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल द्वारा नवनियुक्त झारखंड के राज्य के प्रभारी के राजू को हजारीबाग जिला कांग्रेस कमेटी ने बधाई और शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार यादव ने कहा कि भारतीय भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी रहे के राजू ने वर्ष 2013 में स्वेच्छा से सेवा निवृत्ति ले ली थी। वह केंद्र में तत्कालीन यूपीए सरकार के वक्त सोनिया गांधी के नेतृत्व में गठित राष्ट्रीय सलाहकार परिषद के सचिव थे। सूचना का अधिकार, शिक्षा का अधिकार ,मनरेगा और खाद्य सुरक्षा बिल का ड्राफ्ट तैयार करने में उनकी अहम भूमिका थी । झारखंड में इनके प्रभारी बनने से झारखंड में संगठन में और मजबूती आएगी। इनके मार्गदर्शन में कांग्रेस और मजबूत होगी। इस अवसर पर महानगर कांग्रेस अध्यक्ष मनोज नारायण भगत, प्रदेश उपाध्यक्ष भीम कुमार, प्रदेश महासचिव बिनोद कुशवाहा, यमुना यादव, अशोक देव, आबिद अंसारी, लाल बिहारी सिंह, प्रदेश सचिव बिनोद सिंह, जिला उपाध्यक्ष निसार खान, मिथलेश दुबे, संजय गुप्ता, रवि शर्मा, अनिल उपाध्याय, सुनील अग्रवाल, अकील अहमद, संजय तिवारी ,उदय पांडेय, सेवादल के अध्यक्ष गुड्डू सिंह, अर्जुन नायक,मो शब्बीर,मो गालिब,अजीत गुप्ता,रंजीत यादव,मनोज मेहता, चंद्रशेखर आजाद,बहादुर सागर,अशोक कुमार पासवान,मो मुस्ताक, एडवोकेट इजहार अंसारी,अजय मेहता,मुंगेश्वर चौधरी आदि सैकड़ों कांग्रेसजनों ने भी बधाई दी ।

शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में मनी टेकलाल महतो की जयंती

विष्णुगढ़। दौलत महतो मेमोरियल शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय बनासो में शनिवार को दिग्गज राजनीतिज्ञ व झारखंड अलग राज्य आंदोलन के नायकों में एक टेकलाल महतो की 80 वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में महाविद्यालय के सचिव गौरव पटेल ने वहां स्थापित टेकलाल महतो की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। शिक्षा के प्रति उनके लगाव पर चर्चा की। उन्होने कहा कि उनकी सोच थी कि शिक्षा के बिना विकास संभव नहीं है। शिक्षा विकास की पहली सीढ़ी है। इसीलिए उन्होंने शिक्षा क्षेत्र में कई उल्लेखनीय काम किया। गौरव पटेल ने कहा कि पहले यहां हाइस्कूल तक की पढ़ाई होती थी, मगर आज विष्णुगढ़ में इंटर और डिग्री कॉलेज है। यह टेकलाल महतो की सोच के बूते ही संभव हो पाया है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ० सुनील कुमार चतुर्वेदी महतो की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम में आईक्यूऐसी कॉर्डिनेटर एवं एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी कुमारी स्वर्णा मिश्र धर्मनाथ महतो, सौरभ सुमन, प्रीती पुनम हेमब्रम, प्रकाश कुमार, आजाद, नाजरा, सुनीता और 2024-26 सत्र के प्रशिक्षु मौजूद रहे।

सांसद मनीष जायसवाल ने शहीद कैप्टेन के परिवार से की मुलाकात

हमलोग करेंगे ऐसा प्रयास कि कैप्टेन करमजीत सिंह बक्शी को मिलें उचित सम्मान : मनीष जायसवाल

संवाददाता

हजारीबाग। बीते दिनों जम्मू-कश्मीर के अखनूर में हुए आईडी ब्लास्ट में शहीद हुए हजारीबाग के लाल कैप्टेन करमजीत सिंह बक्शी के हजारीबाग शहर के जुलु पार्क स्थित आवास हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल शनिवार को पहुंचे और यहां शहीद की आत्मा की शांति के लिए चल रहे महिलाओं की सुखमणि साहेब के पाठ में शामिल हुए और शहीद की तस्वीर पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके माता- पिता, बहन और अन्य परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी और उन्हें ढांढस बंधाया। सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि शहीद कैप्टेन करमजीत सिंह बक्शी का नाम अमर रहेगा। राष्ट्रहित के लिए उन्होंने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है। उनका शहादत हमें आजीवन गौरवांवित करेगा और देश के युवाओं के लिए प्रेरणादायक रहेगा। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर के अखनूर में घटी घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने

कहा कि जो भी लोग धर्म के नाम पर आतंकवाद का खेल खेलते हैं उन्हें जमीनी स्तर पर आकर देखना चाहिए जिस भी परिवारों के बच्चे चाहे इधर के हो या उधर के हो, जो बिछड़ जाते हैं हमेशा के लिए चले जाते हैं, उनके परिवार का दुख असहनीय होता है। हजारीबाग के लाल कैप्टेन शहीद करमजीत सिंह बक्शी का शहीद होना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिनकी अगले महीने शादी होने वाली थी। उनकी आत्मा की शांति के लिए परिवारजन और रिश्तेदार आत्मा की शांति के लिए पाठ कर रहें हैं। हमलोग राज्य सरकार से मिलकर आग्रह करेंगे कि करमजीत सिंह बक्शी के नाम पर किसी सड़क का नामकरण हो या शहर के किसी चौक पर इनकी प्रतिमा स्थापित कराएं। साथ हीं शहीद की इकलौती बहन को राज्य सरकार उनके प्रतिभा और क्षमता के अनुरूप नौकरी दे। सांसद मनीष जायसवाल ने यह भी कहा कि इस बलिदान की कोई क्षतिपूर्ति नहीं हो सकती। मौके पर सांसद मनीष जायसवाल के साथ उनके लोकसभा प्रतिनिधि सत्येंद्र नारायण सिंह, रामगढ़ सांसद प्रतिनिधि राजीव जायसवाल, केरेडारी भाजपा मंडल अध्यक्ष कर्मचारी साव, प्रितपाल कालरा, सांसद के मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी सहित अन्य गणमान्य लोग भी मौजूद रहें।

पुलवामा के शहीदों की पुण्य तिथि एवं कैप्टन करमजीत की पुण्य स्मृति में रक्तदान शिविर का आयोजन

संवाददाता

हजारीबाग। वॉलंटरी ब्लड डोनर्स एसोसिएशन द्वारा 14 फरवरी को शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज में हजारीबाग के लाल, शहीद कैप्टन करमजीत सिंह बक्शी एवं पुलवामा के शहीदों की स्मृति में थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों एवं रक्त की कमी से पीड़ित व्यक्तियों के लिए रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। एसोसिएशन के सदस्यों द्वारा हजारीबाग के लाल ,शहीद वीर सपूत कैप्टन करमजीत सिंह बक्शी और पुलवामा हमले के शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए,उनके बलिदान से प्रेरणा लेते हुए देश के प्रति समर्पित रहने का संकल्प लिया। जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए देश के लिए सर्वोच्च बलिदान करने वाले परिवारों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का भी संकल्प लिया गया। उनकी बहादुरी और राष्ट्रभक्ति हमेशा हमें प्रेरित करती रहेगी। शिविर का शुभारंभ एसोसिएशन के प्रचार सचिव गौरव यादव एवं संगठन सचिव रजत जैन ने रक्तदान करके किया। तत्पश्चात मानव कुमार ,प्रनत जैन ,विक्रम कुमार ,अनुराग जायसवाल, रौनक ग्रोवर ,विकास कुमार, महेश कुमार मेहता ,नितिन आनंद ,राजा दत्ता ,महेंद्र प्रजापति ,राम भजन साव, शंकर कुमार ,अकबर अंसारी, सचिन शर्मा ,आनंद यादव, अजीत कुमार ,दीपक कुमार कुशवाहा ,सरवन कुमार, कुणाल कुमार ,कृष्ण कुमार, टेक नारायण सॉव ,लक्ष्मण कुमार ,सोनू कुमार ,सागर कुमार ,लक्ष्मण कुमार ,तौफीक अनवर, महावीर सोरण ,एस सोरेन, महेंद्र पासवान ,मंटू कुमार, मोहम्मद इमरान ,सौरभ

कुमार, रवि कुमार ,नागेश्वर कुमार ,रोशन कुमार और संतोष कुमार आदि अनेक रक्तदाताओं ने रक्तदान कर मानवता का परिचय दिया। एसोसिएशन के अध्यक्ष निर्मल जैन ने कहा कि कैप्टन करमजीत सिंह बक्शी हमारे शहर की शान थे, जहां हम चैन की नींद सोते हैं, वही हमारे देश के वीर सैनिक सीमा पर अपने प्राणों की आहुति देकर हमारी रक्षा करते हैं ,उन्हें शत-शत नमन। वॉलंटरी ब्लड डोनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष निर्मल जैन ,महासचिव विनीत छाबड़ा, प्रचार सचिव गौरव यादव ,संगठन सचिव रजत जैन एवं समस्त रक्तदाता, मेडिकल कॉलेज के टेक्नीशियन मोकीम अख्तर, आ ख़ैरी ,राजीव कुमार, रीमा कुमारी, उदय कुमार ,मधु कुमारी ,सुशील सिंह आदि अनेक लोगों ने अपनी भावना को व्यक्त करते हुए जवानों के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

स्वस्थ तन में ही, स्वस्थ मन और बुद्धि का वास होता है : संजीव कुमार झा

संवाददाता

हजारीबाग। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, मालवीय मार्ग, हजारीबाग में शनिवार को प्रांतीय योजनानुसार कक्षा अरुण से तृतीय तक के भैया-बहनों के अभिभावकों की गोष्ठी आयोजित की गई। इस गोष्ठी का आयोजन शिशु वाटिका विभाग द्वारा सुवर्णप्रशन संस्कार की उपयोगिता से संबंधित था। इस अवसर पर प्रधानाचार्य संजीव कुमार झा ने अपने उद्बोधन में कहा कि विद्यालय में अध्यनरत शिशुओं के समग्र विकास के लिए उसके स्वास्थ्य स्थान का विचार सबसे पहले करना अति आवश्यक है। कारण कि हम सभी जानते हैं कि स्वस्थ तन में ही ,स्वस्थ मन और बुद्धि का वास होता है। उन्होंने कहा कि सुवर्णप्रशान दो शब्दों के जोड़ से बना है- सुवर्ण अर्थात सोना और प्रशन अर्थात चाटना या पिलाना । सुवर्णप्राशन शून्य आयु वर्ग से लेकर 8 वर्ष तक के आयु वर्ग के

शिशु को प्रदान किया जाता है। इसका सेवन करने से शिशु का शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास होता है। शिशु को स्वस्थ रखने के लिए उसको पुष्प नक्षत्र के दिन सुवर्णप्राशन पिलाने की योजना है। इसको पिलाने से शिशु के स्वास्थ्य में आने वाली परिवर्तन निश्चित रूप से दिखाई पड़ती है। इसका सेवन करने से शिशुओं में इम्युनिटी पावर का विकास होता है। उन्होंने आगे कहा कि यह स्वर्ण प्राशन हमारे देश का भारतीय टीकाकरण है। हजारों वर्ष पूर्व हमारे पूर्वज इसका सेवन अपने बच्चों के विकास के लिए करते थे। सुवर्ण प्राशन कल्याणकारी एवं मंगलमय प्रशान है। इससे शिशु का समग्र विकास उत्तम पद्धति से होता है। अंत में उन्होंने उपस्थित अभिभावक बंधु /भगिनी से आग्रह किया कि आप शिशुओं को स्वर्ण प्राशन अवश्य दें ताकि विद्यालय में अध्यनरत भैया- बहन भविष्य के एक स्वस्थ, बुद्धिमान नागरिक बन देश एवं समाज की सेवा कर सके। इस गोष्ठी में लगभग एक सौ अभिभावक बंधु/ भगिनी की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का समापन शांति मंत्र के पाठ के साथ हुआ।

कार्यक्रम सांसद मनीष जायसवाल पहुंचे मेडिकल कॉलेज अस्पताल

चिकित्सकों से लोगों का सरकारी अस्पताल के प्रति विश्वास : मनीष जायसवाल

संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग के मेडिकल कॉलेज अस्पताल में कई चिकित्सक हैं जो अपनी ड्यूटी पूरी निष्ठा और ईमानदारी पूर्वक करते हैं और अपनी उत्कृष्ट सेवा जरूरतमंद मरीजों को प्रदान करते हैं। जिससे मरीजों और उनके परिजनों को राहत मिलती है। ऐसे चिकित्सकों के सेवा कार्यों की प्रशंसा भी जरूरी है। ऐसे ही एक अत्यंत प्रशंसनीय कार्य को अपने चिकित्सीय अनुभव से यहां के ऑर्थोपेडिक विभाग के एक चिकित्सीय टीम द्वारा अंजाम दिया है। हजारीबाग के मेडिकल कॉलेज अस्पताल के ऑर्थोपेडिक विभाग के एक चिकित्सीय टीम

द्वारा एक जटिल ऑपरेशन को सफलतापूर्वक किया गया है। अमूमन यह ऑपरेशन न्यूरोसर्जरी विभाग द्वारा किया जाता है और महानगरों के निजी अस्पतालों में ऐसे ऑपरेशन के 2- 3 लाख रुपए खर्च होता है। लेकिन सरकारी अस्पताल में आयुष्मान भारत योजना के तहत ऐसे ऑपरेशन का होना चिकित्सकों की उपलब्धि है। साथ हीं जरूरतमंद मरीजों के लिए नई उम्मीद की किरण भी प्रस्फुटिल होती है। चिकित्सकों के ऐसे सेवा से जरूरतमंदों को अपने जीवन को सामान्य बनाने की एक नई आस भी जगती है और सरकारी अस्पताल के प्रति लोगों का विश्वास भी बढ़ता है। इधर इस जटिल ऑपरेशन से प्रभावित होकर हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने चिकित्सकों के इस पहल की सराहना की और शनिवार की सुबह वे खुद हजारीबाग के मेडिकल कॉलेज अस्पताल के आर्थो ओटी पहुंचकर इस ऑपरेशन में शामिल चिकित्सीय टीम के सभी डॉक्टर और सहयोगियों के साथ अस्पताल प्रबंधन के उपाधीक्षक को शॉल ओढ़ाकर और पुष्प भेंटकर उनका सम्मान किया और हौसल बढ़ाया। सांसद मनीष जायसवाल पहले जनप्रतिनिधि हैं जो सरकारी अस्पताल के हर गतिविधि पर नजर रखते हैं और जरूरतमंद मरीजों के सेवार्थ सदैव तत्पर रहते हैं। मेडिकल कॉलेज अस्पताल की कुव्यवस्था को लेकर हमेशा आवाज बुलंद करते हैं तो यहां हुए अच्छे कार्यों की खूब सराहना भी करते हैं। इससे पहले भी सदर अस्पताल में जब जुगाड़ तकनीक के सहारे शल्य चिकित्सक डॉ० अभिषेक कुमार और उनके सहयोगी टीम ने एक जरूरतमंद मरीज का ट्यूमर युक्त हाथ का सफल सर्जरी किया था तब भी हॉस्पिटल पहुंचकर चिकित्सकों का सम्मान उन्होंने किया था। ज्ञात हो कि हजारीबाग के मेडिकल कॉलेज अस्पताल में एक सड़क दुर्घटना से ग्रसित चतरा जिले के जयपुर गांव निवासी 34 वर्षीय मरीज नरेश भुइयां की रीढ़ की हड्डी टूट गई थी और इस कारण वे चलने-फिरने में असमर्थ हो रहें थे और उन्हें कई प्रकार की शारीरिक कठिनाइयां हो रही थी। ऐसे में सीमित साधन- संसाधन के बावजूद यहां के अस्थि रोग विभाग के चिकित्सक डॉ० शशिकांत सिंह और डॉ० संजीव कुमार सिंह ने करीब ढाई घंटे के समय में मरीज को पेट के बल लेटाकर उनके रीढ़ की हड्डी का सफलता पूर्वक जटिल ऑपरेशन किया और मरीज को नवजीवन प्रदान कर एक बार सामान्य स्थिति में लाकर खड़ा कर दिया।

घर - घर चला कानूनी जागरूकता अभियान

संवाददाता

हजारीबाग। झारखंड विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकार हजारीबाग की ओर से 90 दिवसीय डोर टू डोर कार्यक्रम का आयोजन इचाक प्रखण्ड अंतर्गत बरकाखुर्द , बरकाकलां, मनाई, रतनपुर आदि गांवों मे किया गया। जिसका मॉनिटरिंग डी एल एस ए सचिव गौरव खुराना के द्वारा किया जा रहा है। नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले नुकसान,इत्यादि से संबंधित जानकारी दी गई। इस दौरान लोगों को 15100 एवं 1930 से संबंधित जानकारी भी दी गई।कार्यक्रम में लोगों को यह भी बताया गया कि आपसी छोटे छोटे विवादों मे डी एल एस ए के माध्यम से बातचीत कर विवाद को निपटाया जा सकता है। डी एल एस ए एक ऐसी जगह है जहां त्वरित एवं निःशुल्क कार्य किया जाता है, जहां से प्रत्येक दिन दोनों पक्षों में समन्वय बनाते हुए विवाद को समाप्त किया जा रहा है तथा आवश्यकता पड़ने पर निःशुल्क अधिवक्ता भी उपलब्ध करवाया जाता है। समय समय पर राष्ट्रीय लोक अदालत एवं मासिक लोक अदालत का आयोजन कर दोनों पक्षों की सहमति तथा लोक अदालत का लाभ देते हुए मुकदमे को समाप्त किया जा रहा है। के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई तथा विशेष लोक अदालत से संबंधित जानकारी भी दी गई।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, रविवार 16 फरवरी 2025

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

सारण में एक व्यक्ति से 70 हजार रुपए की लूट

छपरा। बिहार में सारण जिले के नगर थाना क्षेत्र में शनिवार को अपराधियों ने एक व्यक्ति से 70 हजार रुपए लूट लिये। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि जिले के रिविलगंज थाना क्षेत्र के पचपतरा गांव निवासी बलबीर सिंह पंजाब नेशनल बैंक की शाखा से 70 हजार रुपए निकाल कर नगर थाना क्षेत्र के पुलिस अधीक्षक कार्यालय सड़क से किसी अन्य काम से जा रहे थे।इसी दौरान अपराधियों ने उसके उपर खुजली पाउडर डाल दिया। सूत्रों ने बताया कि बलबीर सिंह खुजली पाउडर से पीड़ित होकर गले को जब रगड़ रहे थे, इसी दौरान एक मोटरसाइकिल सवार अपराधी ने उनसे रुपए से भरा थैला छीन लिया और फरार हो गया। इसके बाद पीड़ित व्यक्ति नगर थाना पहुंचा। जहां उसने घटना की जानकारी पुलिस को दी। नगर थाना पुलिस इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच कर रही है।

वैशाली: 50 लाख की शराब बरामद, एक गिरफ्तार

हाजीपुर। बिहार में वैशाली जिले के सराय थाना क्षेत्र से पुलिस ने ट्रक पर लदी 510 कार्टन विदेशी शराब के साथ ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक ललित मोहन शर्मा ने शनिवार को यहां बताया कि सूचना के आधार पर रानी पोखर गांव स्थित एक ठिकाने पर शुक्रवार की रात छापेमारी की गयी। इस दौरान ट्रक पर लदी 510 कार्टन विदेशी शराब की गयी। मौके से राजस्थान निवासी ट्रक चालक चीना राम को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि बरामद शराब की कीमत करीब 50 लाख रुपए है। गिरफ्तार ट्रक चालक से पूछताछ की जा रही है।

भाजपा विधायक की कार ने बाइक को मारी टक्कर, चकदाह में तनाव

कोलकाता। भाजपा विधायक की कार की दुर्घटना में तीन लोग घायल। यह दुर्घटना बनगांव से कल्याणी जाने वाले मार्ग पर चकदह प्रखंड के निखरगाछी खालपाए इलाके में घटी। विधायक स्वपन मजूमदार की कार ने एक बाइक को टक्कर मार दी। उस बाइक पर तीन सवार थे। टक्कर के बाद बाइक सवार उछलकर गिर गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें गंभीर हालत में कल्याणी जेएनएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस सड़क दुर्घटना के विरोध में स्थानीय निवासियों ने विधायक की कार को घेरकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। विधायक की गाड़ी एक घंटे से अधिक समय तक फंसी रही। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि विधायक स्वपन मजूमदार घायलों के इलाज की जिम्मेदारी लें। खबर मिलते ही हरिणघाटा के भाजपा विधायक असीम सरकार घटनास्थल पर पहुंचे। स्थानीय लोगों ने भी उनके आसपास विरोध प्रदर्शन किया। तभी चकदाह थाने से भारी संख्या में पुलिस बल पहुंचा और स्थिति को नियंत्रण में किया। विधायक स्वपन मजूमदार ने कहा, 'मैं बम्पर पर चढ़ते समय नियंत्रण खो बैठा और टक्कर लग गई। मैं तुरंत कार से बाहर निकला और उनसे घायलों को अस्पताल ले जाने को कहा। यदि आवश्यक हुआ तो मैं सभी चिकित्सा व्यय का भुगतान करूंगा।'

प्रेमी से मतभेद, नौवीं कक्षा के एक छात्रा ने कीटनाशक खाकर आत्महत्या कर ली

कोलकाता। वैलेंटाइन डे पर प्रेमी से मिलने को लेकर मतभेद। नौवीं कक्षा की एक छात्रा ने घर लौटने के बाद कीटनाशक खाकर आत्महत्या का प्रयास किया। बाद में जलपाईगुड़ी मेडिकल में उनकी मृत्यु हो गई। यह घटना कल, यानि शुक्रवार रात जलपाईगुड़ी के राजगंज स्थित सहदेवविथा में घटी। परिणामस्वरूप, क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। छात्रा के शव का पोस्टमार्टम शनिवार दोपहर को की गया।

जन औषधि केन्द्र संचालकों ने ड्रग इंस्पेक्टर पर लगाये आरोप

पूर्वी चंपारण। प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र संचालकों की एक बैठक शनिवार को मोतिहारी शहर राजाबाजार स्थित एक होटल में जन औषधि के नोडल पदाधिकारी अशोक द्विवेदी की अध्यक्षता में संपन्न हुई।बैठक में पहुंचे जिले भर के सभी जन औषधि केंद्र के संचालकों अपनी- अपनी समस्याओं को रखा। बैठक में सदस्यों द्वारा इस बात पर जोर दिया गया कि सरकार की योजना मुताबिक जन औषधि केन्द्र द्वारा जनता को सस्ती दवा उपलब्ध कराना मुख्य उद्देश्य है, लेकिन सरकारी स्तर पर किसी प्रकार का सहयोग न तो स्वास्थ्य विभाग से मिल रहा है और न ड्रग विभाग से मिल रहा है। बताया गया कि कुछ ड्रग इंस्पेक्टर द्वारा गलत जांच रिपोर्ट बनाकर जन औषधि केंद्र को बदनाम करने की शिकायत मिली थी। जिस संदर्भ में भारत सरकार को आवश्यक कार्रवाई हेतु पत्र भेजा जा चुका है। साथ ही ड्रग विभाग के राज्य स्तर के पदाधिकारी को भी शिकायत पत्र भेजा गया है। जन औषधि की सभी दवाएं सही एवं गुणवत्तापूर्ण है। दवा के गुणवत्ता में किसी भी प्रकार का समझौता भारत सरकार एवं निमार्ता कंपनियों द्वारा नहीं किया गया है। बैठक में नोडल पदाधिकारी के अलावा जन औषधि संचालक आभा सिन्हा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

शहर में फिर लगी आग, बाईपास स्थित गैराज में लगी आग, कई कारें जलकर राख

कोलकाता। कोलकाता की सहर में एक और अग्निकांड। शनिवार सुबह बाईपास के पास अरूपोटा में एक गैराज में आग लग गई। कई कारें जलती हुई देखी गईं। यह क्षेत्र काले धुएं से ढक गया। आग की खबर मिलने पर तीन दमकल गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंचीं। अग्निशमन अभियान एक युद्धकालीन गतिविधि के रूप में शुरू हुआ। क्षेत्र के निवासियों को घटनास्थल से बाहर निकाला गया। पूरे क्षेत्र की बिजली काट दी गई। बताया जा रहा है कि गैराज में रखी कई कारें जलकर राख हो गई हैं। आग लगने का कारण अभी भी स्पष्ट नहीं है। जिस गैराज में आग लगी उसके बगल में आवासीय क्षेत्र है। वहां के निवासियों को बाहर निकाल लिया गया है। आग अब काफी हद तक नियंत्रण में है। किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली। चूंकि अरूपोटा एक घनी आबादी वाला क्षेत्र है, इसलिए आग लगने से स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। उन्होंने आग बुझाने वाले पहले थे। स्थानीय लोगों ने बताया कि अचानक गैराज से धुआं निकलता दिखाई दिया। जैसे-जैसे नजदीक पहुंचें, कई कारों को जलते हुए देखा गया। अग्निशमन विभाग ने कहा कि उन्होंने गैराज के बाहर लगे पाइप से पानी डालकर आग बुझाने की कोशिश की। कुछ देर की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, अरूपोटा में कम से कम 10 से 12 कारें जल कर राख हो गईं। क्षति की परिमाण अभी तक ज्ञात नहीं है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बक्सर को दी 476 करोड़ की विकास योजनाओं की सौगात

202 करोड़ के जलापूर्ति प्लांट का सीएम ने किया उद्घाटन, मिलेगा शुद्ध गंगाजल

एजेंसी

बक्सर। प्रगति यात्रा के दौरान शनिवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बक्सर पहुंचे जहां पर उन्होंने अपने ड्रीम प्रोजेक्ट और बक्सर जिले की बहुप्रतिक्षित, बहुग्रामीण जलापूर्ति योजना का लोकार्पण किया। 202 करोड़ की लागत से बने इस बहुग्रामीण जलापूर्ति योजना के तहत 20 पंचायतों के 51 गांवों में 36760 घरों में गंगा जल को शुद्ध कर पेयजल के रूप में पहुंचाना है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जिले को करीब 476 करोड़ की योजनाओं का सौगात दिया है। दियारा क्षेत्र बुरी तरह आर्सेनिक से प्रभावित था। यहां के भूजल में आर्सेनिक की मात्रा होने के कारण यह क्षेत्र कैंसर जोन बन चुका था। रिपोर्ट यह भी आई थी कि मां के दूध में आर्सेनिक की मात्रा आने लगी थी जिससे नवजातों का जीवन भी प्रभावित होने लगा था। इसीलिए सरकार द्वारा इसे काफी संजीदा से लिया गया और यह तय किया गया कि गंगाजल को शुद्ध कर इस क्षेत्र को लोगों को पेयजल के रूप में आपूर्ति की की जा रही है।

इसी कड़ी में 2009 में इस योजना की शुरुआत की गई लेकिन कई कारणों से इसमें देर होती गई। अब यह 2025 में योजना पूर्ण हुई है। जिसका लोकार्पण मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज किया। वहीं

41 योजनाओं का उद्घाटन, 32 का शिलान्यास

सीएम नीतीश कुमार ने बक्सर जिले के विकास के लिए 41 योजनाओं का उद्घाटन और 32 नई योजनाओं का शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं में सड़क, जलापूर्ति, सिंचाई, स्वास्थ्य और शिक्षा से जुड़ी कई परियोजनाएं शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने राजपुर पंचायत सरकार भवन का भी उद्घाटन किया और इसकी महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इससे प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता आएगी और ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं का लाभ आसानी से मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने सिमरी के परसन पाह में मॉडल पंचायत भवन का भी उद्घाटन किया। जिसके बाद वहां से वो बक्सर के गोलम्बर पहुंचे जहां पर्यटन विभाग के विश्वामित्र होटल के नये भवन निर्माण का शिलान्यास किया। फिर वो सुप्रसिद्ध रामरेखा घाट भी गए, जहां वे मां गंगा का दर्शन कर करीब 13 करोड़ की योजना का शिलान्यास किया। जिसके बाद वो जिला अतिथि गृह में 12 कमरों का बनकर तैयार भवन का उद्घाटन करने के बाद वो बक्सर समाहरणालय पहुंचे जहां वो अधिकारियों के साथ विकास कार्यों की समीक्षा भी की। प्रगति यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, मंत्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री नीरज कुमार, बिहार सरकार के ही मंत्री नितिन नवीन भी मौजूद थे।

एसएसकेएम ने 120 घंटे में 200 पित्ताशय की पथरी की सर्जरी कर बनाया रिकॉर्ड

संवाददाता

कोलकाता। मात्र 120 घंटों में लगभग दो सौ सर्जरी। हर एक सटीक और उत्तम। बंगाल के एसएसकेएम अस्पताल ने देश में कीर्तिमान स्थापित किया। एसएसकेएम में मालदा, मुर्शिदाबाद, दुइ मेदिनीपुर, बर्दवान, उत्तर दिनाजपुर, दक्षिण दिनाजपुर, पुरुलिया, बांकुड़ा, दार्जिलिंग समेत सभी जिलों से पित्ताशय की पथरी के मरीज आए थे। एसएसकेएम के पिछले पांच दिन सर्जिकल एक्वेरियम की तरह रहे हैं! एसएसकेएम अस्पताल के निदेशक मणिमय बनर्जी, जनरल सर्जरी विभाग के प्रमुख डॉ. अभिमन्यु बसु, प्रोफेसर डॉ. दीपेन्द्र सरकार सहित सर्जिकल विभाग के सभी डॉक्टरों ने मिलकर इस असंभव को संभव बनाया। रोस्टर को इस तरह से व्यवस्थित किया गया था कि हर कोई इस नए रिकॉर्ड में हिस्सा ले सके। इनमें से प्रत्येक ने पिछले पांच दिनों में कई सर्जरी की हैं।

गुरुवार और शुक्रवार को सरकारी अवकाश था। जहां सरकारी कर्मचारी और अन्य

पेशेवर लोग अपनी छुट्टियों का आनंद ले रहे थे, वहीं एसएसकेएम अस्पताल के जनरल सर्जरी विभाग के डॉक्टरों ने केलेफेल, बधियाकरण उपकरण और फरशेप उठा लिए। वर्तमान में, एसएसकेएम बंगाल में उत्कृष्टता केंद्र है। नया रिकॉर्ड एक बार फिर साबित करता है कि बंगाल की चिकित्सा व्यवस्था वास्तव में देश के अन्य राज्यों से आगे है। एसएसकेएम अस्पताल में सर्जरी के प्रोफेसर डॉ. दितेंद्र सरकार ने बताया कि पित्ताशय की पथरी के मामले में ऐसा किया गया। हम भविष्य में अन्य क्षेत्रों में भी ऐसा करने का प्रयास करेंगे। एसएसकेएम अस्पताल बंगाल के डॉक्टरों का कुंभ है। सरकार के सहयोग के बिना यह संभव नहीं हो पाता।

इस नई पहल के पीछे क्या कारण है? एसएसकेएम अस्पताल के अधिकारियों ने कहा कि विभिन्न कारणों से अस्पताल में सर्जिकल रोगियों की संख्या बढ़ गई है। इस बीच, प्रतिदिन एक निश्चित संख्या से अधिक रोगियों की सर्जरी करना संभव नहीं है। इसलिए दबाव कम करने के लिए डॉक्टरों ने मिलकर निर्णय लिया कि वे एक ही समय में कई सर्जरी करेंगे। दूरदराज के गांवों में रहने वाले उन लोगों के लिए जो माइक्रोसर्जरी के बारे में नहीं जानते, नर्सिंग होम में भर्ती होना उनके सपनों से भी परे है। एसएसकेएम अस्पताल में ऐसे लोगों की पित्ताशय की सर्जरी की गई। इनमें एक 14 वर्षीय नाबालिग और एक 80 वर्षीय बुजुर्ग शामिल थे। सरकारी अस्पताल की इस पहल से मरीज और उनके परिजन खुश हैं। उनके अनुसार अस्पताल की यह पहल सचमुच सराहनीय है। जो लोग कहते हैं कि सरकारी अस्पताल इलाज नहीं करते, मैं उनसे कहूंगा कि एसएसकेएम अस्पताल आएं और देखें कि सरकारी चिकित्सा सेवाएं कैसी हैं!

कोलकाता में मुजफ्फरपुर के निवासियों ने नृत्य और संगीत के माध्यम से बचपन की यादें ताजा कीं

संवाददाता

कोलकाता। अपनी जड़ों से जुड़ाव के कारण कई लोग जीवन के अंतिम पड़ाव में एक बार अपनी जन्मभूमि देखना चाहते हैं। लेकिन वहां पहुंचने के बाद अक्सर बदली हुई जगह और चेहरे उन्हें अजनबी लगते हैं। ऐसे में कुछ लोग अपनी जन्मभूमि लौटने के बजाय, बचपन के भूले-बिसरे चेहरों को फिर से खोजने और अगली पीढ़ी को पुरानी जड़ों से जोड़ने के लिए कोलकाता को ही अपना अंतिम ठिकाना बना लेते हैं। बिहार के मुजफ्फरपुर से आए कुछ लोग भी ऐसा ही कर रहे हैं।

मुजफ्फरपुर कभी अविभाजित बंगाल का हिस्सा था और अब बिहार में है। जब इस जगह का ज़िक्र होता है, तो सबसे पहले स्वतंत्रता सेनानी खुदीराम बोस का नाम सामने आता है। लेकिन यह एक अलग इतिहास है। मुजफ्फरपुर से आए लोग जो जीविका की तलाश में कोलकाता और उसके आसपास बस गए थे, उन्होंने धीरे-धीरे बंगाली भाषा और संस्कृति को अपनाया। वे

सभी परिवार सहित कोलकाता के जादवपुर के इंदुमति सभागार में इकट्ठा हुए और बचपन की यादों को साझा किया। अगली पीढ़ी ने जाना कि उनके पूर्वज कैसे बंगाली संस्कृति का हिस्सा बने।

पहले मनोरंजन के साधन सीमित थे और संचार की सुविधाएं भी इतनी उन्नत नहीं थीं। पत्राचार नहीं हो पाता था, और पते बदलने के साथ कई रिश्ते समय के साथ खो जाते थे। लेकिन अब मोबाइल फोन और सोशल मीडिया ने उन टूटे हुए रिश्तों को फिर से जोड़ दिया है। पुरानी जड़ों को एक नया आधार मिला है और बिखरे हुए परिवार फिर से एक हो गए हैं। इस कार्यक्रम में कई चर्चाएं और परिचय हुए। खाने-पीने की भी व्यवस्था थी, लेकिन वह सब इस खुशी के सामने गौण हो गया। बुजुर्गों की आंखों में उन खोए रिश्तों को फिर से पाने की खुशी छलक रही थी। नई पीढ़ी भी इस आत्मीयता के आगे झुक गई।

इस कार्यक्रम की आयोजक थीं श्यामश्री रायचौधरी, जबकि संचालन मधुमिता मुखर्जी ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में श्रेणिक शेट उपस्थित थे। ग्रैंड मास्टर और अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित दिव्येंदु बरुआ और फिल्म निर्देशक सैकत दास को विशेष सम्मान दिया गया। श्यामश्री रायचौधरी, रूम चटर्जी और हीरक चटर्जी के संगीत ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। अंजलि मुखर्जी ने नृत्य प्रस्तुत किया। मुजफ्फरपुर के कई विशिष्ट लोग इस आयोजन में उपस्थित थे।

गलत परीक्षा केंद्र पर पहुंचा सीबीएसई परीक्षार्थी, पुलिस ने ग्रीन कॉरिडोर बनाकर जोका से तारातला पहुंचाया

संवाददाता

कोलकाता। परीक्षार्थी गलतफहमी में दूसरे परीक्षा केंद्र पर चला गया। वहां से सटीक केंद्र तक की दूरी काफी अधिक है। कोलकाता पुलिस रक्षक बनकर सामने आई। परीक्षा शुरू होने से पहले पुलिस ग्रीन कॉरिडोर के जरिए जोका से तारातला पहुंचा दिए। सीबीएसई की 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं आज यानि शनिवार से शुरू हो गई हैं। तारातला के एक स्कूल को महेशतला के एक स्कूल का परीक्षा केंद्र बनाया गया है। लेकिन महेशतला स्थित उस स्कूल का एक छात्र और उसके अभिभावक हरिदेवपुर थाना अंतर्गत जोका की एक स्कूल पहुंचे। जब वे वहां पहुंचते हैं तो उन्हें पता चलता है कि वे गलत स्कूल में आ गए हैं। तारातला जाना है। लेकिन समय कम है। अभिभावक को समझ में नहीं आ रहा था कि क्या करें। परीक्षार्थी भी परीक्षा न दे पाने को लेकर चिंतित थे।

यह महसूस करते हुए कि परीक्षार्थी खतरे में है, ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारी सुभाष अधिकारी आगे आए। जब छात्र के अभिभावक से पूछा गया कि क्या हुआ तो उसने उन्हें सब कुछ बता दिया। फिर परीक्षा केंद्र में प्रवेश का समय आ गया। सुभाष बाबू ने सारी बातें सुनने में देर नहीं की। ठाकुरपुकुर थाने से एक वाहन मंगाया गया और परीक्षार्थियों व उनके अभिभावकों को स्कूल के लिए रवाना किया गया। इस बीच, उन्होंने लालबाजार ट्रैफिक कंट्रोल रूम को फोन करके मामले की जानकारी दी और हरी झंडी दिलाने का प्रबंध किया। पुलिस जोका से तारातला तक परीक्षा शुरू होने से आधे घंटे पहले ही निर्धारित केंद्र पर पहुंच गई, और सड़क पर उन्हें लगभग कोई बाधा नहीं आई। स्कूल ने शुरू में छात्र को अंदर आने देने पर हल्की आपत्ति जताई थी, लेकिन पुलिस ने अधिकारियों को मामला समझा दिया। पुलिस द्वारा स्कूल को एक ईमेल भी भेजा गया। अंत में, परीक्षार्थी परीक्षा केंद्र में प्रवेश कर लिया।

प्रसिद्ध संगीतकार प्रतुल मुखर्जी का निधन

कोलकाता। बंगाली उनके सपनों देखना की भाषा थी। विश्वासघात की भाषा। प्रेम की भाषा। प्रतुल मुखर्जी ने जीवन भर खाली आवाज में उस भाषा में गाया है। वे लोगों के रोजमर्रा के सरल शब्दों पर कई शब्दों की अपेक्षा अधिक भरोसा करते थे। उन्होंने कठोर शब्दों और गरीबों, मजदूरों, किसानों और कैदियों की भाषा का प्रयोग किये। उनके गीत 'आमी बांग्लाय गान गाई' की धुन पर लाखों बंगाली शामिल। प्रतुल मुखर्जी का जन्म 1942 में अविभाजित बंगाल के बारीसाल में हुआ था। पिता प्रभात चंद्र मुखर्जी एक शिक्षक थे। माता बानीदेवी गृहिणी। स्कूल के दिनों से ही इस गीत की सखीलिया धुन की ओर आकर्षित थे। इसी आकर्षण से प्रेरित होकर, 12 वर्ष की आयु में, उन्होंने मंगलचरण चटर्जी की 'आमी धान काटार गान गाई' के लिए संगीत तैयार किये थे। तब से लेकर अब तक उन्होंने 200 से अधिक गीतों की रचना, गायन और संगीत दिया है। सब कुछ बांग्ला में है। उन्होंने लोक संगीत में भी हाथ आजमाया है। लेकिन किसी विशेष शैली से बंधे नहीं रहे। जिस तरह माझी मल्लाह से भटियाली सीखी, उसी तरह उन्होंने आधुनिक बंगाली गीतों से भी प्रेरणा ली। उन्होंने जापानी गीतों को भी संगीत के मूल्यों को आत्मसात कर लिया है।

'मेडिकल प्रदर्शनी 2025' का शुभारंभ, मिल रही शानदार प्रतिक्रिया

संवाददाता

कोलकाता। बहुप्रतीक्षित 'मेडिकल प्रदर्शनी 2025' का उद्घाटन शनिवार सुबह कोलकाता के बिस्वा बांग्ला मेला परिसर में किया गया। यह स्वास्थ्य सेवा सम्मेलन 15 फरवरी से 17 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें देश-विदेश के कई संस्थान हिस्सा ले रहे हैं। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शांतिनिकेतन मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल और त्रिपुरा शांतिनिकेतन मेडिकल कॉलेज के अध्यक्ष डॉ. मलय पीट उपस्थित थे।

उन्होंने उस दिन अपने उद्घाटन भाषण में राज्य सरकार और मुख्यमंत्री द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों की सराहना करते हुए कहा, 'जिस तरह से राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवा में सुधार कर रही है और इसे बेहतर बनाने के बारे में सोच रही है वह प्रशंसा के योग्य है। जिस तरह से अब ग्रामीण अस्पतालों का विकास किया जा रहा है- यह पहले अकल्पनीय था।

उन्होंने राज्य में उद्योग अनुकूल माहौल बनाने में राज्य सरकार की भूमिका की भी सराहना की। मलय बाबू ने कहा, 'पिछले कुछ वर्षों में राज्य सरकार की भूमिका सराहनीय है। हम देख रहे हैं कि प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री की देखरेख में विभिन्न सम्मेलनों में उद्योगपतियों को गंभीरता से मंच पर रखा जा रहा है। दूसरी ओर, राज्य के मंत्री दर्शक सीटों पर बैठे चर्चा सुन रहे हैं। औद्योगिक निवेश के लिए अनुकूल माहौल बनाने का संदेश देने का इससे बड़ा उदाहरण क्या हो सकता है? उद्योग स्थापित किए बिना बेरोजगारी की समस्या का

समाधान संभव नहीं है, यह अहसास सरकार को हो गया है। यह एक बहुत ही सकारात्मक पहलू है।'

उन्होंने आगे कहा, 'हम देश के बाहर के उद्योगपतियों को हमारे देश और राज्य में निवेश के लिए आमंत्रित करने, एक सक्षम वातावरण बनाने के लिए उठाए जा रहे सकारात्मक कदमों का स्वागत करते हैं।'

उन्होंने कहा, 'हम सोच रहे हैं कि अगले दो महीनों के भीतर राज्य के माननीय मुख्यमंत्री के साथ समय लेकर अपने राज्य में सकारात्मक सोच कैसे विकसित की जाए और उद्योग के अनुकूल माहौल कैसे बनाया जाए, इस पर कोलकाता में एक विशेष चर्चा बैठक आयोजित की जाएगी।'

उन्होंने स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में तकनीकी विकास पर विशेष जोर दिया। 'पूरी दुनिया में, प्रौद्योगिकी के उपयोग ने पहले ही स्वास्थ्य के क्षेत्र में भारी प्रगति की है। चीन में एक ऐसा अस्पताल बनाया गया है, जहां कोई भी व्यक्ति नहीं है, पूरे अस्पताल का प्रबंधन रोबोट द्वारा किया जा रहा है। वहां लोगों को अच्छी चिकित्सा सेवाएं भी मिल रही हैं। तो हम स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग क्यों नहीं कर सकते? मलय बाबू ने कहा, टेलीमेडिसिन, टेली-पैथोलॉजी, टेली-रेडियोलॉजी, टेली-आईसीयू और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके हम पूरी दुनिया में स्वास्थ्य सेवाएं देने में सक्षम होंगे।

इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि हाल ही में हैदराबाद में हुई टेलीसर्जरी की घटना ने उन्हें और अधिक प्रेरित किया। संयोग से, इस साल जनवरी में, उन्होंने टेली-रोबोटिक प्रणाली का उपयोग कर- के 286 किमी की दूरी पर दो जटिल हृदय सर्जरी सफलतापूर्वक कीं - जो भारत में अब तक का सबसे लंबा रोगी-से-ऑपरेटिंग सर्जन ऑपरेशन है। चिकित्सा प्रौद्योगिकी कंपनी, एसएसआई लिमिटेड द्वारा विकसित, एसएसआई मंत्रा के नाम से जाना जाने वाला सर्जिकल-रोबोटिक सिस्टम भारत में अपनी तरह का पहला है।

संक्षिप्त खबरें

सड़क दुर्घटना में मजदूर और छात्र घायल

मेदिनीनगर। रेहला थाना क्षेत्र अन्तर्गत सड़क दुर्घटना में एक मजदूर और छात्र गम्भीर रूप से घायल हो गए।घायलों में गढ़वा जिला के दरमी मोहल्ला निवासी शेख शमशेर और विश्रामपुर थाना क्षेत्र के लोहरदग्गा गांव निवासी लाली भुइयां का नाम शामिल है।इस घटना के बारे में घायल मजदूर लाली भुइयां के परिजनों ने बताया की शनिवार की दोपहर लाली भुइयां रेहला बाजार किसी काम से जा रहे थे।इसी बीच रास्ते में मोटरसाइकिल सवार शेख शमशेर ने उन्हें धक्का मार कर खुद भी बाइक से गिर कर गम्भीर रूप से घायल हो गया।इसके बाद स्थानीय लोगो के द्वारा इस घटना की जानकारी दोनों घायलों के परिजनों को दिया गया।जानकारी मिलने पर परिजन घटनास्थल पर पहुंचकर दोनों को इलाज के लिए मेदनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां इलाज के बाद भी दोनों घायलों की स्थिति गंभीर बनी हुई है।

डिवाइडर से टकराई कार,चालक सहित दो लोग घायल

मेदिनीनगर। पलामू जिले के छतरपुर प्रखंड के एनएच 139 हाईवे पर चराई मोड़ के पास शनिवार की सुबह करीब 11:30 बजे अनियंत्रित होकर एक कार डिवाइडर से जा टकराई। इस हादसे में चालक समेत दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।इसके बाद स्थानीय ग्रामीणों ने सभी घायलों को इलाज के लिए छतरपुर अनुमंडली अस्पताल भेज दिया गया है। जहां इलाज के बाद भी चिकित्सकों ने तीनों व्यक्ति की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए मेदनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया है।इस सड़क हादसे के बारे में घटनास्थल पर मौजूद एक व्यक्ति ने बताया कि कार पर सवार सभी व्यक्ति महाकुंभ स्नान कर सभी अपने घर लातेहार की ओर जा रहे थे। इसी दौरान चालक को नींद आ जाने के कारण यह दुर्घटना घटी है।वही चालक को गर्दन में गंभीर चोट आया है।

संत मरियम स्कूल के चेयरमैन ने दही-शक्कर खिलाकर परीक्षार्थियों को किया विदा

मेदिनीनगर। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई)का 10वीं व 12वीं की परीक्षा प्रारंभ है। भारतीय सनातन संस्कृति में परंपरा है कि जब हम किसी व्यक्ति को शुभ कार्य के लिए भेजते हैं तो उसे दही और शक्कर खिला कर विदा करते हैं। संत मरियम आवासीय विद्यालय के चेयरमैन, सनातन संस्कृति के मूर्धन्य वाहक अविनाश देव ने छात्रावास में अध्यनरत 10 वीं के परीक्षार्थियों को दही और शक्कर खिलाकर उनके साथ बस में यात्रा कर परीक्षा केंद्र तक पहुंचा, वही परीक्षार्थियों को निर्भीक व तनाव मुक्त होकर परीक्षा लिखने के लिए कहा साथ ही बेहतर परीक्षा फल केलिए अग्रिम बधाई भी दिया।

ट्रैक्टर और बाइक की आमने-सामने की टक्कर में दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल

मेदिनीनगर। छतरपुर उच्च विद्यालय के बगल में स्थित एनएच 98 रोड पर शुक्रवार की शाम करीब 6:30 बजे ट्रैक्टर और बाइक के बीच आमने-सामने की टक्कर में दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए।घायल व्यक्तियों को स्थानीय ग्रामीणों की मदद से छतरपुर अनुमंडलीय अस्पताल भेजा गया। जहा चिकित्सको ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनो को बेहतर इलाज के लिए मेदनी राय मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया है।बाइक सवार घायलों की पहचान छतरपुर थाना क्षेत्र के सिल्दाखुर्द गांव निवासी 35 वर्षीय नागेंद्र यादव और 32 वर्षीय गुड्डू यादव के रूप में की गई है।इस घटना के संबंध में ग्रामीणों ने बताया कि ट्रैक्टर तेज गति से आ रही थी। इसी दौरान दोनों वाहन की आमने-सामने की टक्कर हो गई।वही मौके पर पहुंची छतरपुर थाना की पुलिस ने दोनों वाहनों को जब्त कर थाना ले गई है।

मनातू थाना में पुलिस पदाधिकारियों का तबादला जरूरी, दलालों के अड्डे का आरोप

पांकी। मनातू थाना में कई वर्षों से जमे पुलिस अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगे हैं। जेएलकेएम के पूर्व प्रत्याशी ओंकार नाथ जायसवाल ने एक प्रेस बयान जारी कर कहा कि मनातू थाना अब दलालों का अड्डा बन चुका है, जहां पोस्ता की खेती के नाम पर गरीबों से पैसे की जबरदस्त उगाही की जा रही है। उन्होंने बताया कि कई पुलिसकर्मी और अधिकारियों ने इस पूरे मामले में दलालों का साथ दिया है और बेगुनाह लोगों को फंसाने के लिए धमकाया जा रहा है।जायसवाल ने आरोप लगाया कि मनातू थाना में पदस्थापित पुलिसकर्मी, जिनमें बड़ा बाबू और छोटा बाबू शामिल हैं, पोस्ता की खेती को लेकर माफिया के साथ मिलकर पैसे की उगाही कर रहे हैं। वह गांवों से लोगों को बुलाकर उन्हें केस में फंसाने की धमकी देते हैं और फिर पैसे की मांग करते हैं। इसके अलावा, पोस्ता की खेती करने वाले बड़े माफिया से मिलकर पुलिस उस पर कोई कार्रवाई नहीं करती।उन्होंने कहा कि यह स्थिति पुलिस विभाग की विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा कर रही है। अगर ऐसे हालात जारी रहे तो पुलिस के प्रति लोगों का विश्वास टूट सकता है। श्री जायसवाल ने बताया कि वह शीघ्र ही डीआईजी पलामू और डीजीपी झारखंड से मुलाकात करेंगे और मनातू थाना की स्थिति के बारे में जानकारी देंगे।जायसवाल ने कहा कि वह पुलिस अधिकारियों से आग्रह करते हैं कि मनातू थाना को दलालों के प्रभाव से मुक्त किया जाए और जिन पुलिसकर्मियों ने गलत काम किए हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि दोषियों पर कार्रवाई हो, लेकिन निर्दोष लोगों को परेशान नहीं किया जाए।

19 को पलामू के शिवाजी मैदान में होगा प्रमंडल स्तरीय किसान मेला

संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू के शिवाजी मैदान में 19 फरवरी 2025 को प्रमंडल स्तरीय किसान मेला-सह-प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। इस भव्य आयोजन की तैयारियों को लेकर उपायुक्त शशि रंजन की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में उपायुक्त ने कहा कि इस किसान मेले के माध्यम से किसानों को कृषि क्षेत्र में हो रहे नवीन प्रयोगों, उन्नत बीजों, आधुनिक तकनीकों और पशुपालन के नए तरीकों की जानकारी दी जाएगी। इससे किसानों को अपनी फसल और पशुपालन व्यवसाय को अधिक लाभकारी बनाने में सहायता मिलेगी। मेले में भाग लेने वाले किसान एक-दूसरे के साथ अपने अनुभव साझा कर सकेंगे। इसके अलावा, पशुपालक किसानों को उन्नत नस्ल के पशुओं की जानकारी दी जाएगी और सखी मंडल की महिलाएं भी विभिन्न आजीविका संबंधी योजनाओं की जानकारी प्राप्त करेंगी। इस मेले में 40 से अधिक स्टॉल लगाए जाएंगे, जिनमें कृषि विभाग, नाबार्ड, अग्रणी बैंक, कृषि विज्ञान केंद्र, क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, ग्रामीण विकास, पशुपालन, शहरी आजीविका मिशन, जेएसएलपीएस, इफ्को सहित विभिन्न विभागों के स्टॉल शामिल होंगे। इन स्टॉलों के माध्यम से किसानों को सरकारी योजनाओं और उनकी लाभकारी संभावनाओं की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा, इस अवसर पर कृषि और पशुपालन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों को सम्मानित किया जाएगा। साथ ही, सरकार की विभिन्न योजनाओं के लाभुकों को अनुदान और सहायता राशि का वितरण भी किया जाएगा। बैठक में जिला परिवहन पदाधिकारी जितेंद्र कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी असीम कुमार, जिला कृषि पदाधिकारी दीपक कुमार, गढ़वा के जिला कृषि पदाधिकारी शिव शंकर प्रसाद, लातेहार के जिला कृषि पदाधिकारी अमृतेश सिंह, कृषि वैज्ञानिक प्रमोद कुमार, जिला पशुपालन पदाधिकारी, जिला मत्स्य पदाधिकारी सहित कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। किसानों को इस मेले में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की गई है, ताकि वे अपनी कृषि और पशुपालन गतिविधियों को और अधिक लाभदायक बना सकें।

कन्या विवाह एंड विकास सोसाइटी द्वारा जागरूकता शिविर आयोजित

संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा जिले के रामगढ़ प्रखंड के नावाडीह पंचायत में कन्या विवाह एंड विकास सोसाइटी द्वारा एक भव्य जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में हजारों की संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं और उन्होंने समाज में व्याप्त कुरीतियों के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की। संस्था के जांच पदाधिकारी अवधेश पासवान उर्फ परलय पासवान ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सोसाइटी का मुख्य उद्देश्य दहेज प्रथा, भ्रूण हत्या और बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराइयों को समाप्त करना है। उन्होंने समाज से अपील की कि वे इन कुरीतियों के खिलाफ जागरूक हों और बेटियों को सम्मान व शिक्षा प्रदान करें। अवधेश पासवान ने यह भी घोषणा की कि आगामी 19 फरवरी को गढ़वा के दानरो नदी छठ पर 251 कन्याओं का सामूहिक विवाह कराया जाएगा, जो समाज के लिए एक महत्वपूर्ण पहल होगी। उन्होंने सभी लोगों से इस पवित्र कार्य में भाग लेने और वर-वधू को आशीर्वाद देने की अपील की। इस जागरूकता शिविर में रामगढ़ प्रखंड के उप प्रमुख पति महावीर प्रसाद ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और कहा कि दहेज प्रथा और बाल विवाह सामाजिक अपराध हैं और इन्हें समाप्त करने के लिए समाज को एकजुट होना होगा। उन्होंने संस्था द्वारा 1 से 15 वर्ष तक की बच्चियों के लिए किए जा रहे रजिस्ट्रेशन का लाभ उठाने की अपील की, ताकि आने वाले समय में बेटियों को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाया जा सके। शिविर में बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित थे, जिनमें दयानंद प्रसाद, ज्योति सोरेन, राकेश सोरेन, पिंकी सुरेन, सुलेखा देवी, सुनीता देवी, चनारीक राम, ननदेव सिंह, कुलेस पाल और बीरेंद्र प्रसाद शामिल थे।

पूर्व विधायक ने किया रिलैक्स बॉयज कॉफी कैफे का उद्घाटन

संवाददाता

हरिहरगंज। टंडवा रोड सिमरी मोड़ के समीप रिलैक्स बॉयज कॉफी कैफे का भव्य उद्घाटन शुक्रवार को बहुजन समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं हरिहरगंज हुसैनाबाद विधानसभा के पूर्व विधायक कुशवाहा शिवपूजन मेहता तथा बहुजन समाज पार्टी के प्रदेश सचिव इरफान शाहिद ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।उद्घाटन समारोह में पूर्व विधायक कुशवाहा शिवपूजन मेहता और प्रदेश सचिव इरफान शाहिद ने कहा कि यह कैफे युवाओं के लिए एक बेहतरीन स्थान होगा, जहां वे आराम से बैठकर अपनी पसंद की कोल्ड ड्रिंक्स और हुक्का का आनंद ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि हरिहरगंज में इस तरह के आधुनिक कैफे की जरूरत लंबे समय से महसूस की जा रही थी, जिसे पूरा करने का प्रयास किया गया है।कैफे के प्रोपराइटर उमर ताज ने बताया कि इस कैफे में ग्राहकों के लिए मधुर संगीत की भी व्यवस्था की गई है, जिससे वे एक बेहतरीन माहौल में अपनी कॉफी और अन्य पेय पदार्थों का आनंद ले सकें। साथ ही, शादी-विवाह और अन्य पार्टियों के लिए भी विशेष व्यवस्था उपलब्ध कराई जा रही है, जिसमें कोल्ड ड्रिंक्स, कॉफी और हुक्का की बुकिंग की जा सकती है। उद्घाटन समारोह में कई प्रमुख लोग उपस्थित थे, जिनमें मुखिया तोहिद आलम, पंचायत समिति सदस्य जियाउद्दीन अंसारी, महताब वार्ड सदस्य फारूक अंसारी, मोहम्मद बिलाल, मुन्ना अंसारी, नाजिश रजा, नवाज आलम, दिलकश ताज समेत अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल थे।

रांची के धुर्वा डैम में झारखंड आंदोलनकारियों का होगा भव्य मिलन समारोह

संवाददाता

मेदिनीनगर। झारखंड आंदोलन के संघर्ष में भाग लेने वाले आंदोलनकारियों को एकजुट करने और उन्हें सम्मानित करने के उद्देश्य से झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा ने रविवार को रांची के धुर्वा डैम में मिलन सह सम्मान समारोह और वनभोज का आयोजन किया है। इस कार्यक्रम को लेकर आंदोलनकारियों में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। इस आयोजन से पहले मोर्चा के केंद्रीय संयोजक सतीश कुमार के आवास पर समीक्षा बैठक की गई, जिसमें सभी प्रमुख आंदोलनकारी और नेता उपस्थित रहे। बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई और आंदोलन को आगे बढ़ाने के लिए नई रणनीति पर चर्चा की गई। रांची जाने से पहले सभी आंदोलनकारी संत मरियम स्कूल (सेवा सदन) के पास एकत्रित होंगे, जहां वे झारखंड आंदोलनकारी स्वर्गीय सुदामा पंडित को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। इसके बाद उनके पुत्र अविनाश देव सभी आंदोलनकारियों को सम्मानित कर रांची के लिए रवाना करेंगे। इस बैठक में सतीश कुमार, बाल किशुनपुर उरांव, बिकेश शुक्ला, दाऊद केरकेट्टा, शंखनाथ सिंह, प्रदीप कुमार सिन्हा, गणेश रवि, मनोज सिंह, धर्मेंद्र चंद्रवंशी, विकास कुमार समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए।कार्यक्रम के दौरान झारखंड आंदोलनकारियों की प्रमुख मांगों को लेकर एक नई रणनीति बनाई जाएगी। झारखंड आंदोलनकारियों के जेल जाने की बाध्यता समाप्त करने और उन्हें स्वतंत्रता सेनानियों के समान सुविधाएं देने की मांग को लेकर एक ठोस निर्णय लिया जाएगा। इस कार्यक्रम में कई बड़े राजनेता, मंत्री, विधायक और सांसद भी शामिल होंगे, जिससे यह आयोजन और भी भव्य होने वाला है।

जीप सदस्य प्रतिनिधि नंद यादव ने किया अतिसुदूरवर्ती क्षेत्र का किया दौरा

संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिले के पाटन प्रखंड के सबसे अतिसुदूरवर्ती गांवों तिलैया और बुका में आज भी कई बुनियादी सुविधाओं की कमी बनी हुई है। इन गांवों में बिजली, पानी, सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत आवश्यकताओं का अभाव है। इन्हीं समस्याओं को लेकर पाटन पूर्वी जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि नंद यादव ने इन गांवों का दौरा किया और ग्रामीणों से मुलाकात की। दौरे के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण इकट्ठा हुए और उन्होंने अपनी समस्याओं से नंद यादव को अवगत कराया। ग्रामीणों ने बताया कि वे आज भी बिजली से वंचित हैं, जिससे उनका जीवन अंधेरे में गुजर रहा है। पानी की व्यवस्था न होने के कारण महिलाओं को दूर-दराज से पानी लाना पड़ता है। गांवों में सड़कें बदहाल हैं, जिससे यातायात में दिक्कत होती है और बीमार पड़ने पर मरीजों को अस्पताल पहुंचाना मुश्किल हो जाता है। शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं का भी घोर अभाव है। इन सभी परेशानियों को लेकर ग्रामीणों ने जीप सदस्य प्रतिनिधि नंद यादव से गुहार लगाई। नंद यादव ने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और कहा कि उनकी सभी मांगें पूरी तरह से जायज हैं। उन्होंने बताया कि वर्षों के अथक प्रयास के बाद अब गांवों में बिजली पहुंचाने का काम शुरू कर दिया गया है। बिजली के तार और पोल लगाने का कार्य तेजी से जारी है, और बहुत जल्द गांवों में रोशनी पहुंचेगी। इसके अलावा, उन्होंने आश्वासन दिया कि पानी, सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं की व्यवस्था करने के लिए वे पूरी कोशिश करेंगे।

प्रेम प्रसंग में 17 वर्षीय युवती ने की आत्महत्या, परिजनों में गम, प्रेमी भी हुआ लापता

संवाददाता

मेदिनीनगर। मेदिनीनगर के पाटन थाना क्षेत्र के किसैनी गांव में शुक्रवार शाम एक दर्दनाक घटना घटी, जब 17 वर्षीय नीलम कुमारी ने प्रेम प्रसंग के कारण फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना से पूरे गांव में मातम पसर गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। मृतका के परिजनों ने बताया कि नीलम कुमारी का पिछले कुछ महीनों से गांव के ही युवक जितेंद्र सिंह के साथ प्रेम संबंध था। दोनों अक्सर मोबाइल फोन पर बात करते थे और एक-दूसरे से मिलने का भी प्रयास करते थे। शुक्रवार की शाम करीब 5 बजे किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। कहा जा रहा है कि इस विवाद के बाद नीलम मानसिक रूप से परेशान हो गई और उसने आत्महत्या करने का फैसला कर लिया। नीलम अपने घर से निकलकर करीब 200 मीटर दूर सखुआ के पेड़ के पास गई और वहां फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। जब देर तक वह घर नहीं लौटी तो परिवारवालों को चिंता हुई। इसी बीच गांव के कुछ लोगों ने उसका शव पेड़ से लटका देखा और इसकी सूचना तुरंत परिजनों को दी। परिजनों के मौके पर पहुंचने के बाद पाटन थाना पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया। घटना की जानकारी मिलते ही जिला परिषद सदस्य संग्राम सिंह पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे और अपनी देखरेख में मृतका का पोस्टमार्टम कराया। उन्होंने घटना पर गहरा दुख जताया और कहा कि आजकल के युवा अज्ञानता और भावनाओं में बहकर गलत फैसले ले रहे हैं, जिससे उनकी जिंदगी खत्म हो रही है। उन्होंने माता-पिता से अपील की कि वे अपने बच्चों के प्रति सतर्क रहें और उनकी भावनात्मक स्थिति को समझने की कोशिश करें। इस घटना के बाद से मृतका का प्रेमी जितेंद्र सिंह भी लापता है। पुलिस ने उसकी तलाश शुरू कर दी है और मामले की गहराई से जांच कर रही है। पुलिस इस पहलू की भी जांच कर रही है कि आत्महत्या से पहले दोनों के बीच क्या बातचीत हुई थी और क्या इस मामले में जितेंद्र की कोई भूमिका है। इस घटना से पूरे गांव में शोक की लहर है। लोग इस बात को लेकर चिंतित हैं कि युवाओं में मानसिक तनाव और भावनात्मक अस्थिरता बढ़ती जा रही है, जिससे वे आत्मघाती कदम उठा रहे हैं। पुलिस इस मामले को गंभीरता से जांच रही है और जल्द ही पूरे मामले का खुलासा होने की उम्मीद है।

समाज सुधारकों की तमाम कोशिशों के बावजूद हालात जस के तस : अविनाश देव

संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू से प्राप्त जानकारी के अनुसार, मुसहर समाज आज भी अभाव और उपेक्षा का शिकार है। देशभर में विकास के दावे किए जाते हैं, शहरों में ऊंची-ऊंची इमारतें और चौड़ी सड़कें बनाई जा रही हैं, लेकिन मुसहर समाज की झोपड़ियों तक आज भी कोई सड़क नहीं पहुंची। यह समाज आज भी अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है और समाज की मुख्यधारा से कोसों दूर है। मुसहर समाज की बदहाली पर चर्चा करते हुए सामाजिक कार्यकर्ता अविनाश देव ने कहा कि समाज विज्ञानी, भाषा शास्त्री और तकनीकी विशेषज्ञ लगातार प्रयोगशालाओं में मेहनत कर रहे हैं ताकि मानव जीवन को आसान और समृद्ध बनाया जा सके, लेकिन इन सारी कोशिशों के बावजूद मुसहर समाज का जीवन स्तर आज भी आदिम युग जैसा है। पढ़ाई-लिखाई तो दूर, इनकी भाषा और बोली भी पिछड़ेपन की गवाही देती है। अविनाश देव ने कहा कि मुसहर समाज एक ताकतवर समुदाय है, लेकिन उपेक्षा और संसाधनों के अभाव में यह समाज लगातार पिछड़ता जा रहा है। यदि इस समाज के लोगों की ऊर्जा और बौद्धिक क्षमता को सही दिशा में लगाया जाए, तो दुनिया की कोई भी ताकत इन्हें आगे बढ़ने से रोक नहीं सकती। कबीर, रैदास, नानक, मीरा, गाडगे और पेरियार जैसे समाज सुधारकों ने भी प्रयास किए, लेकिन उनकी कोशिशों के बावजूद यह समाज आज भी बदहाल स्थिति में है। राजीव सिंह नामक एक समाजसेवी ने इस दिशा में एक नई पहल की है और मुसहर समाज के सर्वांगीण विकास के लिए आगे आए हैं। सदर प्रखंड के चियांकी पहाड़ तर मुसहर टोला में रैदास जयंती के अवसर पर मुसहर समाज के बच्चों की शिक्षा के लिए एक प्रेरणादायक केंद्र की स्थापना की गई। इस अवसर पर संत रैदास की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया गया और फिर रेड रिबन काटकर प्रेरणादायक केंद्र का उद्घाटन किया गया।इस मौके पर अविनाश देव ने कहा कि समाज के प्रबुद्ध नागरिकों को आगे आकर इस वंचित समाज के उत्थान और विकास में सहयोग देना चाहिए। सरकार को भी चाहिए कि मुसहर समाज जैसे महादलित समुदायों के लिए विशेष शिविरों का आयोजन कर उचित योजनाएं लागू करे और समय-समय पर अधिकारियों को इनके विकास के लिए निर्देशित करे। उन्होंने कहा कि समाज के हित में किए गए किसी भी सकारात्मक कार्य में वे राजीव सिंह और उनकी टीम के साथ हर संभव सहयोग देने को तैयार हैं।

उपलब्धि निर्मला मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल को मिली एनएबीएच मान्यता

पलामू का पहला एनएबीएच प्रमाणित अस्पताल बना

संवाददाता

मेदिनीनगर। मेदिनीनगर स्थित निर्मला मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल एवं ट्रॉमा सेंटर ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। इस अस्पताल को भारतीय गुणवत्ता परिषद द्वारा नेशनल एक्रेडिटेशन बोर्ड फॉर हॉस्पिटल एंड हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स की मान्यता प्रदान की गई है। यह पलामू प्रमंडल का पहला ऐसा अस्पताल बन गया है जिसे यह प्रतिष्ठित मान्यता मिली है। अस्पताल के निदेशक एवं प्रसिद्ध हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ० प्रवीण सिद्धार्थ ने इसे मरीजों के लिए एक बड़ी सौगात बताया है। डॉ० सिद्धार्थ ने कहा कि एनएबीएच मान्यता प्राप्त करना किसी भी अस्पताल के लिए बहुत बड़ी बात होती है, क्योंकि इसके लिए अस्पताल को सैकड़ों मानकों पर खरा उतरना पड़ता है। यह मान्यता दर्शाती है कि अस्पताल में उच्च गुणवत्ता की स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही हैं और यहां मरीजों की सुरक्षा एवं देखभाल को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि पूरी टीम के समर्पण और मेहनत का परिणाम है। निर्मला मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल ने अपनी स्थापना के मात्र दो वर्षों के भीतर ही यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर ली है। इस अस्पताल में हड्डी रोग, स्पाइन और मस्तिष्क चोट, चर्म रोग, दंत चिकित्सा और सामान्य सर्जरी जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

हाल ही में इसे स्वास्थ्य विभाग द्वारा 50 बिस्तरों के अस्पताल के रूप में उत्क्रमित किया गया है। डॉ० सिद्धार्थ ने यह भी बताया कि अस्पताल में अब तक सैकड़ों मरीजों के घुटने, कुल्हे, कोहनी और कंधे जैसे जटिल जोड़ों का सफलतापूर्वक प्रत्यारोपण किया जा चुका है। उन्होंने विशेष रूप से हाल ही में हुए एक सर्जरी का जिक्र करते हुए बताया कि एक 80 वर्षीय बुजुर्ग के दोनों घुटनों का प्रत्यारोपण सफलतापूर्वक किया गया, जिससे वे अब बिना किसी परेशानी के चल-फिर सकते हैं।अस्पताल के इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर डॉक्टरों और कर्मचारियों में भी खुशी की लहर है। डॉ० सिद्धार्थ ने कहा कि एनएबीएच मान्यता मिलने के बाद अब अस्पताल मरीजों को और भी बेहतर और उच्च गुणवत्ता की चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध रहेगा।

हरिहरगंज पुलिस ने फरार वारंटी को किया गिरफ्तार, जेल भेजा गया

संवाददाता

हरिहरगंज। हरिहरगंज थाना पुलिस ने वरीय पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर लंबित वारंट के निष्पादन को लेकर एक विशेष अभियान चलाया, जिसके तहत एक फरार वारंटी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी जितेंद्र राम, जो कि हरिहरगंज थाना कांड संख्या 118/24 का प्राथमिकी अभियुक्त है, काफी समय से फरार चल रहा था। जितेंद्र राम, जो कि हरिहरगंज थाना क्षेत्र के सतगावां बांध का निवासी है, को पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार किया। हरिहरगंज पुलिस इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी चंदन कुमार ने शनिवार को बताया कि थाना क्षेत्र में लगातार अपराध नियंत्रण के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें फरार अभियुक्तों को गिरफ्तार करने की प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत अन्य लंबित मामलों के आरोपियों की भी जल्द से जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाएगी। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। लिए पुलिस पूरी तरह से सक्रिय है और अपराधियों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। स्थानीय लोगों ने भी पुलिस के इस प्रयास की सराहना की और कहा कि अपराधियों की गिरफ्तारी से क्षेत्र में शांति और सुरक्षा का माहौल बना रहेगा।

संक्षिप्त खबरें

महिला भारोत्तोलन प्रतियोगिता : अंडर-45 और अंडर-49 कैटेगरी विजेता किये गए सम्मानित

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला में भारतीय विश्वविद्यालय संघ के सौजन्य से आयोजित की जा रही चार दिवसीय अखिल भारतीय इंटर जोनल महिला भारोत्तोलन प्रतियोगिता के पहले दिन अंडर-45 और अंडर-49 कैटेगरी विजेताओं को सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में अंडर-45 वर्ग में रानी नायक (चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी) ने पहला स्थान हासिल कर गोल्ड मैडल जीता है। जबकि सरगार काजोल महादेव (शिवाजी यूनिवर्सिटी, कोल्हापुर) ने सिल्वर और विनाताई अय्यर (लमरीन टेक. स्किल यूनिवर्सिटी) ने ब्रॉन्ज मैडल अपने नाम किए। इसी तरह अंडर-49 वर्ग में थोकचोम संजू देवी (जैन यूनिवर्सिटी), बोर्नली बोराह (लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी) और वानी पूरी (पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़) ने मैडल अपने नाम किए।

अंडर-59 वर्ग के विजेता

वहीं प्रतियोगिता के अंडर-59 वर्ग में रीमा बोही (लवली प्रोफेशनल विवि) को गोल्ड मैडल, शक्गुन राव (एमजी काशी विद्यापीठ वाराणसी) को सिल्वर और राजेश्री बिस्वा (एडम्स विश्वविद्यालय) को ब्रॉन्ज मैडल मिला है।

जापान और दक्षिण कोरिया की धमाकेदार जीत

शेन्जेन। एएफसी अंडर-20 एशियाई कप के ग्रुप डी मुकाबलों में जापान और दक्षिण कोरिया ने शानदार प्रदर्शन किया। शुक्रवार को खेले गए मैच में जापान ने थाईलैंड को 3-0 से हराकर अपना दबदबा कायम रखा, जबकि दक्षिण कोरिया ने सीरिया को 2-1 से मात दी। जापान की ओर से 14वें मिनट में हिसात्सुगु इशी ने पहला गोल किया। इसके बाद 33वें मिनट में रियोन इचिहारा ने पेनल्टी पर गोल कर बढ़त को 2-0 कर दिया। 69वें मिनट में रयुनोसुके सातो ने तीसरा गोल दागते हुए जापान की जीत सुनिश्चित कर दी। दूसरी ओर, दक्षिण कोरिया ने भी दमदार प्रदर्शन किया। सीरिया के खिलाफ आठवें मिनट में सुंग शिन ने पहला गोल किया, जबकि 23वें मिनट में बेक मिन-ग्यू ने स्कोर 2-0 कर दिया। सीरिया के लिए 60वें मिनट में अलंद अब्दी ने गोल कर टीम की वापसी की उम्मीद जगाई, लेकिन अंतिम 30 मिनट में उन्हें बराबरी का मौका नहीं मिल सका। शनिवार को टूर्नामेंट में मेजबान चीन अपने दूसरे ग्रुप मैच में किर्गिस्तान से भिड़ेगा। पहले मुकाबले में चीन ने कतर को 2-1 से हराया था। वहीं, ग्रुप ए के दूसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया और कतर आमने-सामने होंगे।

भारतीय ग्रैंडमास्टर डी. गुकेश फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम में आठवें स्थान पर रहे

हैम्बर्ग। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी. गुकेश ने शुक्रवार को फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम में अपना अभियान आठवें स्थान पर समाप्त किया। उन्हें सातवें स्थान के प्लेऑफ मैच के दूसरे गेम में ईरानी-फ्रांसीसी ग्रैंडमास्टर अलीरेजा फिरोजा के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ गुकेश टूर्नामेंट में एक भी जीत दर्ज नहीं कर सके। गुरुवार को पहले गेम में फिरोजा के खिलाफ ड्रा करने के लिए गुकेश ने प्रभावशाली वापसी की थी, जिससे उम्मीद बंधी थी कि वह सफेद मोहरों से अच्छा प्रदर्शन करेंगे। हालांकि, शुक्रवार को खेले गए 30 चालों में समाप्त हुए निर्णायक मुकाबले में वह हार गए। फिरोजा ने अंतिम गेम में अपना दबदबा बनाए रखा और मौकों का पूरा लाभ उठाते हुए जीत हासिल की। इस बीच, जर्मनी के विंसेंट कीमर ने टूर्नामेंट का पहला संस्करण जीतकर सभी को चौंका दिया। उन्हें टूर्नामेंट से पहले एक नौसिखिया माना जा रहा था।

वॉटर स्पोर्ट्स प्रतियोगिता 17 से 21 फरवरी तक

भोपाल। एजेंसी

अखिल भारतीय स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड, नई दिल्ली द्वारा इस वर्ष 24वीं अखिल भारतीय पुलिस वॉटर स्पोर्ट्स प्रतियोगिता का आयोजन मध्य प्रदेश पुलिस की मेजबानी में 17 से 21 फरवरी, 2025 तक स्थानीय बोट क्लब बड़ा तालाब भोपाल में किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में 22 राज्यों, केन्द्रशासित प्रदेशों तथा केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के कुल 557 प्रतिभागी सहभागिता करेंगे। इनमें 123 महिला खिलाड़ी भी शामिल हैं।

प्रतियोगिता में मेजबान मध्य प्रदेश पुलिस के अतिरिक्त असम, मणिपुर, बिहार, उत्तरप्रदेश, उत्तराखण्ड, राजस्थान, तमिलनाडू, तेलंगाना, पंजाब, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, जम्मू एण्ड कश्मीर, ओडिशा, केरल, सी.आर.पी.एफ., एस.एस.बी., बी.एस.एफ., असम राईफल्स, आई.टी.बी.पी., अण्डमान एवं निकोबार एवं चण्डीगढ की कुल 22 टीमें भाग लेंगी। जनसम्मपर्क अधिकारी आशीष शर्मा ने शनिवार को बताया कि प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा 17 फरवरी को बोट क्लब बड़ी झील पर किया जाएगा। इस प्रतियोगिता के सुगम संचालन के लिए खेल एवं युवा कल्याण विभाग का भी व्यापक तैयारियां की जा रही हैं।

मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा पुलिस वॉटर स्पोर्ट्स प्रतियोगिता के इतिहास में प्रथम बार अंतरराष्ट्रीय स्तर की कार्बन फाइबर की समस्त बोट्स में प्रतियोगिता संपादित कराई जा रही है।

पूर्व में वर्ष 2005, 2007, 2013, 2017 एवं 2019 में भी मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा इन प्रतियोगिताओं की मेजबानी की गई है। वर्ष 2002 में ऑल इन्डिया पुलिस स्पोर्ट्स कन्ट्रोल बोर्ड द्वारा पुलिस खेलों में वॉटर स्पोर्ट्स को सम्मिलित किया गया, जिसमें मध्य प्रदेश पुलिस के द्वारा अभूतपूर्व प्रदर्शन करते हुए 12 स्वर्ण, 3 रजत तथा 6 कांस्य पदक अर्जित किये गये। प्रतियोगिता में राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के स्तर के अनुरूप फोटो फिनिश कैमरा तथा आधुनिकतम तकनीकी का भी उपयोग किया जाएगा, जिससे प्रतिभागियों को उनकी प्रतिभा प्रदर्शन का भरपूर अवसर प्राप्त हो सके और किसी भी प्रकार की विरोधाभास परिस्थितियों का सुविधापूर्वक समाधान किया जा सके। प्रतियोगिता में डोपिंग आदि से बचाव के लिए भी नेशनल एन्टी डोपिंग एसोसिएशन का भी सहयोग प्राप्त किया जा रहा है।

प्रतियोगिता को भव्य तथा आकर्षक बनाने के लिए मध्य प्रदेश पुलिस के मुखिया (पुलिस महानिदेशक) कैलाश मकवाना सतत रूप से मार्गदर्शन एवं दिशा-निर्देशन प्रदान कर रहे हैं। प्रतियोगिता के संरक्षक पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना तथा मुख्य आयोजन समिति के अध्यक्ष विशेष पुलिस महानिदेशक विजय कटारिया, डायरेक्टर स्पोर्टस रविकुमार गुप्ता, आयोजक सचिव पुलिस महानिरीक्षक कृष्णावेणी देसावतु विसबल, मध्यक्षेत्र एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की अध्यक्षता में गठित विभिन्न समितियों द्वारा इस प्रतियोगिता को संपादित कराया जाना है।

मूलभूत सुविधाओं से परिपूर्ण आवासीय स्थलों पर रुकने की व्यवस्था की गई

मध्य प्रदेश पुलिस की अखिल भारतीय पुलिस खेल स्पधाओँ में मेजबानी तथा वॉटर स्पोर्ट्स प्रतियोगिता का गौरवशाली इतिहास रहा है। इसी परम्परा को कायम रखते हुए प्रतियोगिता के लिए आने वाली टीमों को समस्त मूलभूत सुविधाओं से परिपूर्ण आवासीय स्थलों पर रुकने की व्यवस्था की गई है, साथ ही भारतीय क्याकिंग एवं केनोइंग एसोसिएशन तथा रोइंग फेडरेशन ऑफ इण्डिया द्वारा अपने उच्च स्तरीय राष्ट्रीय अम्पायरों तथा ऑफिशियल्स की उपलब्धता सुनिश्चित की है, ताकि प्रतियोगिता को परम्परा अनुसार भव्यता प्रदान की जा सके।

केनोइंग, क्याकिंग तथा रोइंग की कुल 27 स्पर्धाएं होंगी

पांच दिन तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में केनोइंग, क्याकिंग तथा रोइंग की कुल 27 स्पधाऐं होंगी, जिसमें कुल 360 पदकों (पुरुष वर्ग में 60 स्वर्ण, 60 रजत तथा 60 कांस्य तथा महिला वर्ग में 60 स्वर्ण, 60 रजत तथा 60 कांस्य) के लिए विभिन्न राज्यों और अर्द्धसैनिक बलों की टीमें अपना जौहर दिखाएंगी। इस दौरान 20 फरवरी को समस्त प्रतियोगियों एवं टीम मैनेजरों के लिए पुलिस परम्परा अनुसार बड़ाखाना एवं सांस्कृतिक संध्या का आयोजन भी स्थानीय लाल परेड मैदान में किया जाएगा, जिससे प्रतियोगिता में अन्य राज्यों से आये पुलिस बल को आपसी समन्वय, टीम भावना के साथ मनोरंजन का पर्याप्त अवसर प्राप्त हो।

मैनचेस्टर सिटी को बड़ा झटका, डिफेंडर मैनुअल अकांजी 10 सप्ताह के लिए बाहर

लंदन। मैनचेस्टर सिटी की चोट की समस्याएं और गहरी हो गई हैं, क्योंकि स्विस डिफेंडर मैनुअल अकांजी जांघ की चोट के कारण लगभग 10 सप्ताह तक मैदान से बाहर रहेंगे। सिटी के कोच पेप गार्डियोला ने शुक्रवार को न्यूकैसल यूनाइटेड के खिलाफ शनिवार को होने वाले प्रीमियर लीग मुकाबले से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस बात की पुष्टि की। अकांजी को मंगलवार रात रियल मैड्रिड के खिलाफ चैंपियंस लीग प्ले-ऑफ में सिटी की 3-2 की हार के दौरान हाफटाइम पर बाहर होना पड़ा था। गार्डियोला ने बताया कि डिफेंडर की शनिवार को सर्जरी होगी और उन्हें ठीक होने में आठ से 10 सप्ताह का समय लग सकता है। कोच ने कहा, ₹शनिवार को उनकी सर्जरी होगी। हमें उम्मीद है कि वह जल्द स्वस्थ होंगे। इस सीजन में उन्होंने अविश्वसनीय मेहनत की है, लेकिन अंततः शरीर ने संकेत दिया कि अब ब्रेक की जरूरत है। हालांकि, मैन सिटी के लिए राहत की खबर यह रही कि विंगर जैक ग्रीलिश की चोट गंभीर नहीं है। गार्डियोला ने कहा यह मनु की चोट जितनी गंभीर नहीं है, लेकिन मुझे नहीं पता कि वह न्यूकैसल के खिलाफ खेलने के लिए तैयार होंगे या नहीं। मैनचेस्टर सिटी अगले बुधवार को सैंटियागो बर्नब्यू में रियल मैड्रिड से मिली हार का बदला लेने की कोशिश करेगी।

क्रिकेट बोर्ड ने सोनी बेकर को विकास अनुबंध दिया

लंदन। एजेंसी

हैम्पशायर के 21 वर्षीय तेज गेंदबाज सोनी बेकर को इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) द्वारा इंग्लिश पुरुष टीम का विकास अनुबंध प्रदान किया गया है। उन्होंने लायंस के लिए प्रभावशाली प्रदर्शन कर यह अवसर अर्जित किया।

इंग्लैंड के पूर्व अंडर-19 खिलाड़ी बेकर, सर्दियों में हैम्पशायर में शामिल होने से पहले समरसेट के लिए खेलते थे। उन्हें इंग्लैंड लायंस के ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए बुलाया गया था, जहां उन्होंने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ अपने प्रथम श्रेणी करियर की शुरुआत की और अंतिम दौरे के मैच में 60 रन देकर 3 विकेट हासिल किए।

उनके प्रदर्शन ने सभी का ध्यान आकर्षित किया, जिसमें क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया कके खिलाफ 71 रन देकर 5 विकेट लेना भी शामिल था। इस शानदार प्रदर्शन ने लायंस के मुख्य कोच एंड्रयू फ्लिंटॉफ को प्रभावित किया, जिसके बाद ईसीबी ने उन्हें सितंबर तक अनुबंधित कर लिया। फ्लिंटॉफ ने कहा सर्दियों में सोनी को उभरते हुए देखना बहुत खुशी की बात है।

मैं और वह चरित्र और व्यक्तित्व में बहुत अलग हैं, लेकिन थ्री लॉयन्स पहनने में उन्हें जो गर्व महसूस होता है, हर गेंद पर जो ऊर्जा लाते हैं और पिच पर जो नाटक और जादू करते हैं, उसे देखना बेहद प्रेरणादायक है। उनके खेल के प्रति व्यावसायिकता और समर्पण सभी खिलाड़ियों के लिए एक मिसाल है। सोनी का भविष्य उज्ज्वल है। हम आने वाले वर्षों में उनके और हैम्पशायर के साथ काम करने के लिए उत्सुक हैं।

हॉकी टूर्नामेंट : पुरुष वर्ग के सेमीफाइनल में पहुंचे श्याम लाल, श्रीराम कॉलेज

नई दिल्ली। एजेंसी

11वें पद्मश्री श्याम लाल मेमोरियल हॉकी टूर्नामेंट में पुरुष वर्ग के सेमीफाइनल में मेजबान श्याम लाल कॉलेज, श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स, इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज और श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज ने जगह बना ली है। लीग दौर के अंतिम मैच में श्याम लाल कॉलेज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए किरोड़ीमल कॉलेज को 8-1 से पराजित किया।

श्याम लाल कॉलेज की ओर से प्रियांशु ने तीन, नवीन बिधूड़ी ने दो, जबकि मोहित राणा, मनमोहन और अतुल ने एक-एक गोल किया। किरोड़ीमल कॉलेज के लिए विशाल ने एकमात्र गोल दागा। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार श्याम लाल कॉलेज के हिमांशु लोहिया को मिला। वहीं, इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज ने एमिटी यूनिवर्सिटी को 8-4 से हराया। इस मैच में इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट की ओर से फरमान ने तीन, चिरंजीवी और शेखर ने दो-दो, जबकि राम यादव ने एक गोल किया।

एमिटी यूनिवर्सिटी की तरफ से रूपेश बल्हारा ने चार गोल किए। फरमान को मैन ऑफ द मैच चुना गया। श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स ने दमदार प्रदर्शन करते हुए श्याम लाल कॉलेज एलुमनाई को 5-0 से शिकस्त दी। श्रीराम कॉलेज की ओर से विपिन नांदल ने दो, जबकि इंद्रपाल सिंह, विभांशु तिवारी और रितिक ने एक-एक गोल किया। इस मैच में विभांशु तिवारी को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला।

महिला वर्ग में इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट की शानदार जीत

महिला वर्ग में इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज को 4-0 से हराकर दमदार जीत दर्ज की। इस मुकाबले में पिंकी ने शानदार खेल दिखाते हुए तीन गोल, जबकि नेहा ने एक गोल किया। पिंकी को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। टूर्नामेंट के सेमीफाइनल मुकाबले अब रोमांचक मोड़ पर पहुंच चुके हैं।

कई पूर्व शूटरों को राष्ट्रीय टीम के कोच के रूप में किया गया नियुक्त

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय रायफल संघ (एनआरएआई) की गवर्निंग बॉडी की बैठक शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी में स्थित कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में आयोजित की गई, जिसमें कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इनमें से एक प्रमुख निर्णय यह रहा कि कई पूर्व शूटरों को राष्ट्रीय टीम के कोच के रूप में नियुक्त किया गया। इसके अलावा द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता दीपाली देशपांडे और जसपाल राणा को क्रमशः हेड कोच (राइफल) और हाई-परफॉर्मेंस कोच (25 मीटर) के रूप में नियुक्त किया गया। कुल मिलाकर 16 नए सदस्यों को कोचिंग टीम में शामिल किया गया, जबकि 19 को बरकरार रखा गया, जिनमें एक समन्वयक (अमर जंग सिंह) और दो कोच (प्रीति शर्मा और अनुजा जंग) को बधिर शूटरों के लिए नियुक्त किया गया। पूर्व शूटरों में से जिनका चयन राष्ट्रीय टीम के नए कोचों के रूप में किया गया है, उनमें प्रमुख नामों में पूर्व पिस्टल शूटर जीतू राय (पद्म श्री और खेल रत्न पुरस्कार विजेता, 10 मीटर एयर पिस्टल) शामिल हैं।

सर्विसेज ने हासिल किया शीर्ष स्थान, मेजबान उत्तराखंड सातवें स्थान पर रहा

देहरादून। एजेंसी

उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेल 2025 का सफल समापन 14 फरवरी को हुआ। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में 28 राज्यों, आठ केंद्र शासित प्रदेशों और सेवा खेल नियंत्रण बोर्ड (एसएससीबी) सहित विभिन्न टीमों ने भाग लिया। 26 जनवरी को आरंभ हुआ यह खेल आयोजन देशभर के खेल प्रेमियों के लिए उत्साह का केंद्र बना।

सर्विसेज ने पदक तालिका में मारी बाजी

सेवा खेल नियंत्रण बोर्ड (सर्विसेज) ने 121 पदकों (68 स्वर्ण, 26 रजत और 27 कांस्य) के साथ शीर्ष स्थान प्राप्त किया। महाराष्ट्र ने कुल 201 पदक (54 स्वर्ण, 71 रजत, 76 कांस्य) जीतकर दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि हरियाणा ने 153 पदक (48 स्वर्ण, 47 रजत और 58 कांस्य) के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया।

मेजबान उत्तराखंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 24 स्वर्ण पदकों के साथ पदक तालिका में सातवाँ स्थान प्राप्त किया। हालांकि, नागालैंड, पुडुचेरी और सिक्किम इस प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने में असफल रहे। इस आयोजन ने खेल प्रतिभाओं को निखारने और राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

व्यापार

भारत और श्रीलंका ने महत्वपूर्ण खनिजों, खोज और खनन क्षेत्र में संबंधों को मजबूत किया

नई दिल्ली। एजेंसी

केंद्रीय कोयला और खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने आज यहां शास्त्री भवन में श्रीलंका सरकार के उद्योग और उद्यमिता विकास मंत्री सुनील हंडुनेट्टी के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। चर्चा में खनिज अन्वेषण और खनन में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया गया, विशेष रूप से दोनों देशों के आर्थिक और औद्योगिक विकास के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण खनिजों को सुरक्षित करने पर।

श्रीलंका के विशाल ग्रेफाइट और समुद्र तट रेत खनिज संसाधनों पर मुख्य ध्यान दिया गया, जो स्वच्छ ऊर्जा, उन्नत बैटरी प्रौद्योगिकियों और उच्च तकनीक उद्योगों की ओर वैश्विक बदलाव का समर्थन करने की अपार क्षमता रखते हैं। बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने श्रीलंका में भारतीय कंपनियों के लिए खनिज अन्वेषण और खनन अवसरों में सहयोग को मजबूत करने के महत्व को स्वीकार किया।

दुबे ने इस बात पर जोर दिया कि भारत के राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन का उद्देश्य देश के महत्वाकांक्षी अक्षय ऊर्जा लक्ष्य को पूरा करने के लिए लिथियम, ग्रेफाइट, निकल, कोबाल्ट और तांबे जैसे आवश्यक कच्चे माल की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि भारत महत्वपूर्ण खनिजों के लिए खनन अधिकार देने, अंतरराष्ट्रीय साझेदारी बनाने और भारतीय कंपनियों को वैश्विक स्तर पर खनिज संपत्ति हासिल करने के लिए प्रोत्साहित करने की दिशा में सक्रिय रूप से काम कर रहा है। दोनों पक्षों ने इन क्षेत्रों में अन्वेषण के अवसरों, तकनीकी सहयोग और निवेश की संभावनाओं पर गहन चर्चा की। सरकार-से-सरकार (जी टू जी) आधार पर खनिज अन्वेषण की संभावना पर भी चर्चा की गई।

अमरदीप ने गुजरात और राजस्थान की मेगा इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं की समीक्षा की

नई दिल्ली। एजेंसी

उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव अमरदीप भाटिया ने गुजरात और राजस्थान में मेगा इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं को प्रभावित करने वाले प्रमुख मुद्दों की समीक्षा के लिए एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों और परियोजना से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया, जिसमें परियोजना निगरानी समूह (पीएमजी) द्वारा सुगम अंतर-मंत्रालयी और राज्य समन्वय के माध्यम से मुद्दे के समाधान में तेजी लाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। बैठक में 14 महत्वपूर्ण परियोजनाओं में 21 मुद्दों की समीक्षा की गई, जिनमें श्रम और रोजगार मंत्रालय के अंतर्गत चार परियोजनाएं शामिल हैं। इनकी कुल लागत 13,162 करोड़ रुपये से अधिक है। इसके अतिरिक्त, 600 करोड़ रुपये मूल्य की एक निजी परियोजना से संबंधित सात मुद्दों की भी समीक्षा की गई।

बैठक में गुजरात में खावड़ा अक्षय ऊर्जा पार्क की ट्रांसमिशन परियोजनाओं पर महत्वपूर्ण रूप से बल दिया गया। एक बार कार्यान्वित होने के बाद पार्क से वार्षिक तौर पर लगभग 81 बिलियन यूनिट स्वच्छ बिजली उत्पन्न होने की उम्मीद है, जिससे जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता काफी कम हो जाएगी।

केंद्रीय राज्य मंत्री ने समकक्ष उप मंत्री से मुलाकात की

नई दिल्ली। म्यांमार के वाणिज्य मंत्रालय के उप मंत्री यू मिन मिन ने यहां वाणिज्य भवन में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद से मुलाकात की। बैठक में दोनों पक्षों के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने की संभावनाओं पर जोर देते हुए मंत्रियों ने फार्मास्यूटिकल्स, दालें और बीन्स, पेट्रोलियम उत्पादों के क्षेत्रों में संभावनाओं और आपसी विकास को बढ़ावा देने के लिए हाल ही में शुरू किए गए रुपया-क्यात व्यापार निपटान तंत्र के अधिक उपयोग पर चर्चा की। बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए सहयोग के संभावित क्षेत्रों पर विचार-विमर्श किया और सड़कों के माध्यम से सीमा व्यापार को फिर से शुरू करने के महत्व को भी स्वीकार किया और इस मुद्दे पर कदम उठाने पर सहमति व्यक्त की।

वैश्विक मछली उत्पादन में भारत दूसरा सबसे बड़ा मत्स्य उत्पादक देश

नई दिल्ली। एजेंसी

वैश्विक मछली उत्पादन में लगभग 8 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ भारत दूसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक देश है। पिछले दो दशकों में भारत मत्स्य पालन क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि और परिवर्तन का साक्षी बना है।

तकनीकी प्रगति से लेकर नीतिगत सुधारों तक 2004 से 2024 की अवधि में ऐसी उपलब्धियां रही हैं, जिन्होंने वैश्विक मत्स्य पालन और जलीय कृषि में भारत की स्थिति को मजबूत किया है। केंद्रीय बजट 2025-26 में मत्स्य पालन क्षेत्र के लिए 2,703.67 करोड़ रुपये का अब तक का सबसे अधिक कुल वार्षिक बजटीय समर्थन प्रस्तावित किया गया है। यह जलीय कृषि और समुद्री खाद्य निर्यात में अग्रणी के रूप में भारत की उपलब्धि का प्रमाण है। केंद्रीय मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के अनुसार 2025-26 के बजट की घोषणा रणनीतिक रूप से वित्तीय समावेशन को बढ़ाने, सीमा शुल्क को कम करते हुए किसानों पर वित्तीय बोझ को कम करने और समुद्री मत्स्य पालन के विकास को आगे बढ़ाने पर केंद्रित है।

इसके अतिरिक्त, बजट 2025-26 में विशेष आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) और खुले समुद्र से मत्स्य पालन के सतत दोहन के लिए एक रूपरेखा को सक्षम करने पर प्रकाश डाला गया है। इसमें लक्षद्वीप और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह पर विशेष ध्यान दिया गया है। इससे समुद्री क्षेत्र में विकास के लिए भारतीय ईईजेड और आसपास के खुले समुद्र में समुद्री मछली संसाधनों की अप्रयुक्त क्षमता का सतत दोहन सुनिश्चित होगा।

संक्षिप्त खबरें

बस की ट्रक से हुई टक्कर में चार घायल

अमेठी। जिले के बाजार शुकुल थाना क्षेत्र अंतर्गत पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर 59.4 किलोमीटर पर टोल गेट के पास शनिवार की सुबह तेज रफ्तार बस खड़े ट्रक से टकरा गई। बस में सवार कुल 12 यात्रियों में से ड्राइवर सहित चार यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्वालियर से यात्रियों को लेकर गोरखपुर जा रही प्राइवेट बस पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर खड़ी ट्रक से टकरा गई। इसके उपरांत बस में आग लग गई। जिससे बस पूरी तरह से जल गई। बाजार शुकुल थाना क्षेत्र में तैनात 112 की पीआरबी 2794 की सक्रियता से यात्रियों की जान बच गई है।

प्रयागराज सड़क हादसे में हुई जनहानि में मुख्यमंत्री योगी ने जताया शोक

महाकुम्भ नगर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने प्रयागराज–मीरजापुर हाइवे पर मेजा थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात हुए सड़क हादसे में दस लोगों की हुई जनहानि पर गहरा दुःख प्रकट करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर उनके समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं। महाराज जी ने प्रभु श्री राम से दिवंगत आत्माओं की शांति की कामना करते हुए घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है। उल्लेखनीय है कि शनिवार की अल सुबह प्रयागराज के मेजा थाना क्षेत्र में बोलेरों और ट्रक एवं बस की टक्कर से दस लोगों की जान चली गई।

पानी की मांग को लेकर नेशनल-हाईवे जाम, किसानों का महापड़ाव शुरू

श्रीगंगानगर। सिंचाई के पानी की मांग को लेकर किसानों ने शनिवार सुबह बीकानेर-श्रीगंगानगर हाईवे को जाम कर दिया। 13-एमडी टोल नाके समेत पांच जगह किसान धरने पर बैठे हैं। किसानों का कहना है कि अनूपगढ़ शाखा नहर में किसानों के हक का पूरा पानी छोड़ा जाए। मांगें नहीं माने जाने तक धरना जारी रहेगा। या तो यहां से पानी लेकर जाएंगे या फिर जेल जाएंगे। किसान इंदिरा गांधी नहर परियोजना के प्रथम चरण के किसान सिंचाई के लिए पानी की मांग कर रहे है। इसे लेकर शनिवार सुबह करीब 11 बजे नेशनल हाईवे 911 पर अनिश्चितकालीन जाम शुरू कर दिया है। संयुक्त किसान मोर्चा के नेतृत्व में किसानों ने रावला, घड़साना और जैतसर सहित विभिन्न स्थानों पर नाके लगाकर रास्ता बंद कर दिया गया है। किसान नेता सत्यप्रकाश सियाग ने बताया कि अनूपगढ़ शाखा में 2400 क्यूसेक पानी छोड़ा जाता है, लेकिन चीफ इंजीनियर ने जानबूझकर पानी कम छोड़ा है।

इजराइल की घोषणा, हमास तीन बंधकों को छोड़ेगा

तेल अवीव। इजराइल ने गाजा पट्टी में आज आतंकवादी समूह हमास के जरिये फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद की कैद से रिहा किए जाने वाले तीन बंधकों के नामों की घोषणा की। ये हैं- अमेरिकी-इजराइली सागुई डेकेल-चेन (बाएं), रूसी-इजराइली एलेक्जेंडर ट्रूफानोव (मध्य) और अर्जेंटीनाई इजराइली आयर हॉर्न (दाएं)। तीनों को सात अक्टूबर, 2023 को अगवा किया गया था। यह रिहाई पिछले महीने इजराइल और हमास के बीच हुए संघर्ष विराम और बंधकों की अदला-बदली समझौते के तहत होगी। फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद ने कैद में उनके कई वीडियो जारी किए हैं।

कुल्लू में नशा तस्करी के आरोप में एक गिरफ्तार

कुल्लू। कुल्लू शहर में पुलिस ने नशा तस्करी के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ पुलिस ने मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है और उसे न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया जारी है। पुलिस टीम आखाड़ा बाजार पार्किंग में गश्त कर रही थी। इस दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति पुलिस को देखकर छिपने की कोशिश करने लगा। पुलिस ने उसे रोककर तलाशी ली, जिसके बाद उसके कब्जे से 2.78 ग्राम हीरोइन/चिट्टा और 11.94 ग्राम चरस/कैनाबिस बरामद हुआ।

दो बाइक की टक्कर में तीन लोगों की मौत

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले के महामाया थाना क्षेत्र में दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने की टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गई। हादसा मनकुंवर से महामाया जाने वाले मार्ग पर ग्राम आड़ेझर के पास शुक्रवार शाम को हुई है। महामाया थाना से मिली जानकारी के अनुसार मनकुंवर से महामाया जाने वाले रोड में दो बाइक की आपस में टक्कर हो गई जिससे तीन लोगों की मौत हो गई।

विश्व इज्तेमा में शामिल बुजुर्ग जायरीन का निधन

ढाका। मुसलमानों के बड़े धार्मिक आयोजन विश्व इज्तेमा की मेजबानी कर रहे बांग्लादेश के गाजीपुर जिले के औद्योगिक शहर टोंगी में एक बुजुर्ग जायरीन का इंतकाल हो गया। 58वें विश्व इज्तेमा के दूसरे चरण का आगाज टोंगी में तुराग नदी के तट पर इज्तेमा मैदान में शुक्रवार को हुआ है। इसके पहले चरण में भी दो श्रद्धालुओं की मौत हो चुकी है। द डेली स्टार समाचार पत्र के अनुसार, विश्व इज्तेमा के दूसरे चरण में एक और जायरीन की मौत के साथ इस आयोजन के दोनों चरणों में मरने वाले श्रद्धालुओं की संख्या बढ़कर तीन हो गई।

सीएम भूपेंद्र पटेल ने 23वीं ग्लोबल कैस्टर कॉन्फ्रेंस 2025 का किया उद्घाटन, कहा

वर्ल्ड कैस्टर मार्केट में गुजरात का बड़ा योगदान

गांधीनगर। एजेंसी

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने शनिवार को गांधीनगर में उद्योग मंत्री बलवंतसिंह राजपूत की उपस्थिति में 23वीं ग्लोबल कैस्टर कॉन्फ्रेंस 2025 का उद्घाटन किया। कैस्टरः पावरिंग सस्टेनेबल सॉल्यूशंस फॉर ग्रीनर फ्यूचर थीम के साथ सॉल्वेंट एक्स्ट्रैक्टर्स एसोसिएशन (एसईए-सी) द्वारा आयोजित इस कॉन्फ्रेंस में 15 से अधिक देशों के 400 से अधिक प्रतिनिधि सहभाग कर रहे हैं। पटेल ने उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता करते हुए अपने संबोधन में कहा कि अरंडी जैसी परंपरागत कृषि फसलों एवं उत्पादों का मूल्यवर्धन करने के साथ समयानुरूप नूतन आयाम अपनाए गए हैं। आज वर्ल्ड कैस्टर मार्केट में भी गुजरात बड़ा योगदान देने

वाला स्टेट है। वर्ष 2003 में गुजरात में केवल 2900 हेक्टेयर क्षेत्र में अरंडी की बुवाई हुई थी, परंतु वर्ष 2024 में यह बुवाई लगभग 7200 से अधिक हेक्टेयर में होने लगी है।

उन्होंने कहा कि फार्मास्युटिकल, कॉस्मेटिक्स, लुब्रिकेंट्स एवं बायोडीजल जैसे अनेक क्षेत्रों में अरंडी का उपयोग व्यापक रूप से बढ़ा है, जिससे उसकी मांग दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है और उसके मूल्यवर्धन की आवश्यकता उत्पन्न हुई है। विश्वभर के बाजारों में गुजरात के अरंडी के तेल की विश्वसनीयता एवं गुणवत्ता बहुत महत्वपूर्ण है।

कॉन्फ्रेंस में उद्योग मंत्री बलवंतसिंह राजपूत ने कहा कि 21वीं शताब्दी में जब दुनिया तेजी से आगे बढ़ रही है, तब विशेषकर गुजरात में 85 प्रतिशत से अधिक कैस्टर उत्पादन में और प्रगति हो, इसके लिए इस कॉन्फ्रेंस में लगातार विचार-विमर्श किया जाएगा। इस प्रकार की कॉन्फ्रेंस में विचार-विमर्श के माध्यम से निश्चित रूप से अच्छा परिणाम मिलता ही है।

एसईए के चेयरमैन शेलैष बालधा ने कहा कि इस कॉन्फ्रेंस में इंडस्ट्रीज के प्रत्येक स्टेक होल्डर की डिमांड-सप्लाई चेन तथा उसे प्रभावित करने वाले विभिन्न मुद्दों पर मार्गदर्शन दिया जाएगा। डिमांड-सप्लाई चेन के संतुलन के फलस्वरूप पिछले दो वर्षों में कैस्टर ऑयल के दाम स्थाई रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश में स्टेक होल्डर, रिसर्च संस्थान, एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी सहित सरकार के अथक प्रयासों से कैस्टर इंडस्ट्रीज का भविष्य और उज्ज्वल बनेगा। एसईए के वाइस प्रेसिडेंट आंगशू मलिक ने स्वागत संबोधन में कहा कि भारत विश्व की मांग का लगभग 90 प्रतिशत कैस्टर सीड उत्पादन तथा लगभग 15 हजार करोड़ रुपये के कैस्टर ऑयल का निर्यात करता है। इस प्रकार गुजरात कैस्टर सीड का मुख्य उत्पादक राज्य बना है। आज इस कॉन्फ्रेंस में कैस्टर सीड की खेती तथा निर्यात से जुड़े किसानों एवं उद्योगों को प्रोत्साहन मिले, इसके लिए उन्हें पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

क्षेत्र के अधिक बेहतर ढंग से विकास के लिए उचित प्लेटफॉर्म बताया

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने अरंडी के उत्पादन तथा निर्यात के साथ नई टेक्नोलॉजी एवं अनुसंधान से उत्पादन क्षमता बढ़ाने को प्राथमिकता दी है। उन्होंने इस कॉन्फ्रेंस को केवल उद्योग या कृषि के लिए ही नहीं, बल्कि 'मेक इन इंडिया, ग्रो इन गुजरात' के प्रधानमंत्री के विजन के लिए भी महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह कॉन्फ्रेंस ग्लोबल अरंडी हब के रूप में गुजरात की पहचान सुदृढ़ करने की दिशा में सामूहिक मंथन करने में विशेष भूमिका निभाएगी। उन्होंने इस कॉन्फ्रेंस को अरंडी उद्योग से जुड़े किसानों तथा उद्योगों के व्यापक हित में इस क्षेत्र के अधिक बेहतर ढंग से विकास के लिए उचित प्लेटफॉर्म बताया।

पीएम ओली ने मधेशी दलों से अध्यादेश पारित कराने के लिए किया सहयोग का आग्रह

काठमांडू। एजेंसी

प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने शनिवार को सत्तारूढ़ गठबंधन की बैठक बुलाकर शामिल दलों का अध्यादेश का विरोध नहीं करने का आग्रह किया है। प्रधानमंत्री ओली ने अपने सरकारी निवास पर बुलाई बैठक में सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल मधेशी दलों के शीर्ष नेताओं से अध्यादेश का विरोध करने की बजाय इसे सदन से पारित करने में सहयोग का आग्रह किया है।

प्रधानमंत्री ओली के प्रमुख राजनीतिक सलाहकार विष्णु रिमाल ने इसकी पुष्टि की है।

रिमाल के मुताबिक जिस भूमि आयोग के विधेयक को लेकर मधेशी दलों ने विरोध किया है, उसके कुछ प्रावधानों को आने वाले समय में बदलने का प्रधानमंत्री की तरफ से आश्वासन भी किया गया है। उन्होंने बताया कि एक बार अध्यादेश पास हो जाने के बाद जब उस संबंध में नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा तो उस समय विवादित प्रावधानों को हटाने दिया जाएगा। प्रमुख राजनीतिक सलाहकार ने बताया कि प्रधानमंत्री के आग्रह और आश्वासन के बाद भी विधेयक का विरोध कर रहे मधेशी दलों ने अपने रुख में कोई भी परिवर्तन नहीं किया है।

प्रधानमंत्री निवास पर हुई बैठक में शामिल होने गए जनमत पार्टी के उपाध्यक्ष अब्दुल खान ने कहा कि सिर्फ आश्वासन देने से समस्या का समाधान नहीं होने वाला है। उन्होंने बताया कि मधेशी दलों की तरफ से प्रधानमंत्री ओली को इस अध्यादेश को वापस लेने को कहा गया है और सबकी सहमति से एक विधेयक लाने की मांग की गई है। आज की बैठक में अध्यादेश का विरोध करने वाले सत्तारूढ़ गठबंधन के जनता समाजवादी पार्टी नेपाल का कोई भी प्रतिनिधि मौजूद नहीं था, जबकि जनमत पार्टी के अध्यक्ष ने इस बैठक में खुद सहभागी न होकर अपने उपाध्यक्ष को भेज दिया था।

सागरमाथा संवाद के लिए नेपाल ने भारत व चीन के प्रधानमंत्रियों को किया आमंत्रित

काठमांडू। एजेंसी

नेपाल सरकार ने काठमांडू में आगामी 16-17 मई को आयोजित होने वाले सागरमाथा संवाद में भारत और चीन के प्रधानमंत्री को एकसाथ बुलाने के लिए निमंत्रण पत्र भेजा है। सागरमाथा संवाद नेपाल सरकार का अंतराष्ट्रीय डायलॉग फोरम है जिसमें दुनिया के देशों की सरकारों और अंतराष्ट्रीय संघ संस्थाओं के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जा रहा है।

इस वर्ष के सागरमाथा संवाद में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बतौर प्रमुख अतिथि निमंत्रण पत्र भेजा गया है। ग्लोबल वार्मिंग और इसके हिमालयी क्षेत्रों पर पड़ने वाले प्रभाव के बिंदु पर होने वाले इस कार्यक्रम में नेपाल सरकार ने चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग को भी निमंत्रण भेजा है। विदेश मंत्री डा आरजू राणा ने चीन के प्रधानमंत्री को भी सागरमाथा संवाद के लिए निमंत्रण भेजे जाने की पुष्टि की है। विदेश मंत्री डा राणा ने बताया कि यह नेपाल के लिए एक अच्छा मौका है कि अपने दो पड़ोसी देशों के प्रधानमंत्रियों को एकसाथ एक ही मंच पर स्थान देने से इस कार्यक्रम का वैश्विक प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि जिस तरह से भारत और चीन के बीच पिछले कुछ महीनों से कूटनीतिक संबंधों में सुधार आ रहा है इसलिए भी दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों के आने की प्रबल संभावना है।

मारवत ने पीटीआई से निष्कासन के लिए राजा को दोषी ठहराया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) से बाहर किए जाने के बाद असंतुष्ट विधायक शेर अफजल मारवत ने चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने अपने निष्कासन के लिए सीधे तौर पर पीटीआई महासचिव सलमान अकरम राजा और उनके सहयोगियों को जिम्मेदार ठहराया है। मारवत ने दावा किया है कि जनाधारहीन नेता पार्टी के सभी मामलों का प्रबंधन कर रहे हैं। द न्यूज इंटरनेशनल समाचार पत्र के अनुसार, मारवत ने यह टिप्पणी सहयोगी समाचार चैनल जियो न्यूज के कार्यक्रम 'आज शाहजेब खानजादा के साथ' में की। जेल में बंद पीटीआई संस्थापक और अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान ने पार्टी अनुशासन का लगातार उल्लंघन करने के कारण इस सप्ताह मारवत को तत्काल पार्टी से निष्कासित करने का आदेश दिया था। पीटीआई के पूर्व नेता मारवत ने दावा किया कि राजा कुछ प्रभावशाली लोगों की सिफारिश पर पूर्व सत्तारूढ़ पार्टी के महासचिव बने थे। विधायक का यह बयान पीटीआई में चल रही अंदरूनी कलह के बीच आया है।

राष्ट्रीय हित किसी भी राजनीतिक या व्यक्तिगत हित से बड़ा है : धनखड

कटरा। एजेंसी

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को कटरा स्थित श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय (एसएमवीडीयू) के दीक्षांत समारोह में भाग लिया और इस बात पर जोर दिया कि राष्ट्रीय हित किसी भी राजनीतिक या व्यक्तिगत हित से बड़ा है। एसएमवीडीयू परिसर के मातृका सभागार में आयोजित 10वें दीक्षांत समारोह में उपराष्ट्रपति ने कहा कि हम भारतीय हैं और भारतीय होना हमारी पहचान है। राष्ट्रवाद हमारा धर्म है और चाहे जो भी परिस्थिति हो, राष्ट्रवाद को सर्वोच्च स्तर पर रखना हमारा कर्तव्य है। उन्होंने पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की प्रगति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कोई भी राजनीतिक या व्यक्तिगत हित राष्ट्रीय हित से बड़ा नहीं हो सकता है। उन्होंने अगस्त 2019 में भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को निरस्त करने को भी

ऐतिहासिक करार दिया और कहा कि संवैधानिक प्रावधान अस्थायी प्रकृति का था। समारोह में उपराष्ट्रपति व अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा चयनित छात्रों को कुल 26 पदक, नौ विशिष्टता प्रमाण पत्र और उत्कृष्टता के लिए 10 इंफोसिस फाउंडेशन पुरस्कार प्रदान किए गए। कुल 501 पुरुष और 408 महिला छात्रों को डिग्री प्रदान की गई। समारोह में उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, शिक्षा मंत्री सकीना फिरदौस भी शामिल हुए। इससे पहले उपराज्यपाल जो विश्वविद्यालय के कुलाधिपति भी हैं ने जम्मू हवाई अड्डे पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड का स्वागत किया।

सोनीपत की अशोका यूनिवर्सिटी में दो छात्रों की मौत

सोनीपत। सोनीपत के राई क्षेत्र स्थित एजुकेशन सिटी में अशोका यूनिवर्सिटी में दो छात्रों की मौत के बाद शनिवार को माहौल तनावपूर्ण हो गया। एक छात्र ने यूनिवर्सिटी की इमारत से कूदकर आत्महत्या कर ली, जबकि दूसरे छात्र की मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हुई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल भेज दिया। फॉरेंसिक टीम भी जांच में जुटी हुई है। सूत्रों के अनुसार, तेलंगाना निवासी ध्रुव ज्योति साहू (20), जो अशोका यूनिवर्सिटी में यूजी प्रथम वर्ष का छात्र था, ने शुक्रवार देर रात यूनिवर्सिटी की ऊपरी मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। यूनिवर्सिटी प्रशासन और पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन आत्महत्या के कारणों का अब तक पता नहीं चल पाया है। बैंगलोर निवासी विग्नेश गुड़ा साह (19), जो यूजी द्वितीय वर्ष का छात्र था, का शव यूनिवर्सिटी के मुख्य गेट के बाहर संदिग्ध अवस्था में मिला। यह मामला 15 फरवरी को अल सुबह सामने आया। प्रारंभिक जांच में हार्ट अटैक या हार्ट फेल की आशंका जताई जा रही है, लेकिन पुलिस अन्य संभावनाओं पर भी जांच कर रही है।

हमारे राष्ट्र की ताकत मूल्यों, नवाचार और ज्ञान से निर्धारित होगी : मनोज

कटरा। एजेंसी

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय (एसएमवीडीयू) के दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। उपराज्यपाल ने विश्वविद्यालय के 10वें दीक्षांत समारोह में एसएमवीडीयू के स्नातक छात्रों को आशीर्वाद देने के लिए भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का आभार व्यक्त किया। उापराज्यपाल मनोज सिंहा ने कहा कि आज का क्षण छात्रों की यादों में जीवन भर अंकित रहेगा। उपराज्यपाल ने सभा को संबोधित करते हुए युवाओं से देश के विकास को आगे बढ़ाने और इसे दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का आह्वान किया। उपराज्यपाल ने कहा कि हमारे राष्ट्र की ताकत मूल्यों, नवाचार और ज्ञान से निर्धारित होगी और मेरा दृढ़ विश्वास है कि इस अमृत काल में स्नातक होने वाले युवा पुरुष और महिलाएं हमारे राष्ट्र की नियति को आकार देंगे। आज वास्तविक

● हमारे युवा विशेष ज्ञान और कौशल से लैस हैं जिनका ग्रामीण क्षेत्रों में बदलाव के लिए उचित उपयोग किया जा सकता है

दुनिया में कदम रखने वालों के पास राष्ट्र निर्माण का एक अनूठा अवसर है। उन्होंने कहा कि मानविकी, कला, विज्ञान और प्रौद्योगिकी में प्रगति ने अवसरों के नए क्षेत्र खोले हैं और स्नातक छात्रों का ज्ञान और सीख उन्हें सफलता प्राप्त करने में मदद करेगी। उपराज्यपाल ने कहा कि आज हमारे युवा विशेष ज्ञान और कौशल से लैस हैं जिनका ग्रामीण क्षेत्रों में बदलाव के लिए उचित उपयोग किया जा सकता है। इस मिशन के लिए समर्पण और दृढ़ संकल्प की आवश्यकता है। सबसे बढ़कर हमारे युवाओं को प्राचीन संस्कृति में निहित होना चाहिए और उन्हें अपनी क्षमताओं और हमारी संस्कृति के ज्ञान पर विश्वास होना चाहिए। उपराज्यपाल ने जोर दिया कि कौशल और ज्ञान लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में योगदान देना चाहिए। विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भविष्य के अवसरों को जब्त करने के लिए हमें अपने शिक्षण-मार्गदर्शन प्रणाली पर नए सिरे से विचार करने की आवश्यकता है क्योंकि इसका विकसित भारत की यात्रा पर सीधा असर पड़ेगा।

कार्यक्रम महाकुम्भ के परमार्थ निकेतन शिविर में 16 से 19 फरवरी तक होगा कीवा महोत्सव का आयोजन

महाकुम्भ भारत की संस्कृति विविधताओं में एकता की मिसालः ओम बिड़ला

● भारतीय समाज में समन्वय और समरसता की भावना सदैव रही है

महाकुम्भ नगर। एजेंसी

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने कहा कि भारत की संस्कृति विविधताओं में एकता की मिसाल है। यहां विभिन्न धर्मों, भाषाओं और परम्पराओं का संगम है, जहां हर संस्कृति को समान सम्मान मिलता है। यह विचार उन्होंने प्रयागराज महाकुम्भ के परमार्थ निकेतन शिविर में 16 फरवरी से शुभारम्भ होने वाले चार दिवसीय कीवा (धरती माता के संरक्षण का महोत्सव) महाकुम्भ में शनिवार को पहुंचे पर व्यक्त किए।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि भारतीय समाज में समन्वय और समरसता की भावना सदैव रही है। भगवद गीता, वेद, उपनिषद और अन्य सभी ग्रंथ, सहिष्णुता और सह-अस्तित्व का संदेश देते हैं। भारत में विविधता को न केवल सहन किया गया, बल्कि इसे अपनाया और सम्मानित किया गया। यही भारतीय संस्कृति की ताकत है, जो हमें एकजुट रहने की प्रेरणा देती है।

केन्द्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पियूष गोयल ने कहा कि स्वामीजी ने पूरे विश्व में भारतीय संस्कृति का न केवल प्रचार-प्रसार किया बल्कि विभिन्न संस्कृतियों को आमंत्रित भी किया है। संस्कृतियों को आदान-प्रदान पूरे विश्व को एक सूत्र में जोड़ता है। भारत के पास सभी से जुड़ने व सभी को जोड़ने का अद्भुत सूत्र है। कीवा कुम्भ को महाकुम्भ में आयोजित करने का उद्देश्य आदिवासी क्षेत्र की देखभाल और संरक्षण, प्रकृति की सुरक्षा मूल भाषाओं और सांस्कृतिक धरोहर का संरक्षण, आदिवासियों की पहचान को स्वीकारना, सम्मानित करना, आदिवासियों की संस्कृतियों का संरक्षण, स्वस्थ और सतत अर्थव्यवस्थाओं का निर्माण करना है। स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने कहा कि महाकुम्भ के सम्मान और एकजुटता का महोत्सव है। महाकुम्भ में कीवा कुम्भ का उत्सव एक दिव्य प्रतीक है। हम सभी को इस समारोह में भाग लेने के लिए आमंत्रित करते हैं। यह एक अवसर है, जब हम सभी एकजुट होकर अपनी धरती माता के प्रति सम्मान, प्रेम और कृतज्ञता प्रकट कर सकते हैं।

हम सभी इस यात्रा का हिस्सा बनें और अपनी आदिवासी संस्कृतियों की अमूल्य धरोहर को सम्मान दें। हमारे द्वारा एकजुट होकर किया गया प्रयास हमारी धरती माता को फिर से संजीवनी देने वाली बना सकता है। यह आयोजन हम सभी को एक बड़ा वैश्विक परिवार और वसुधैव कुटुम्कम् के सूत्र के साथ जोड़ने का अवसर प्रदान करेगा। वास्तव में कीवा उत्सव विविधता में एकता का दिव्य उत्सव है।उन्होंने बताया कि महाकुम्भ की दिव्य धरा पर 16 से 19 फरवरी के बीच परमार्थ त्रिवेणी पुष्प, परमार्थ निकेतन शिविर, प्रयागराज में चार दिवसीय कीवा महाकुम्भ का आयोजन किया जा रहा है। आदिवासी समुदायों के ज्ञान के रखवालों, जनजातीय नेताओं और विशिष्ट अतिथियों के पवित्र मार्गदर्शन में विश्व के विभिन्न देशों की आध्यात्मिक परम्पराओं को एकजुट करते हुए सभी एक वैश्विक सामंजस्य के लिए एक शक्तिशाली आह्वान करेंगे।

एक भारत–श्रेष्ठ भारत का अनमोल उदाहरण है महाकुम्भ : पीयूष गोयल

महाकुम्भ नगर। एजेंसी

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल शनिवार को त्रिवेणी संगम पहुंचे और आस्था की डुबकी लगाई। इस दौरान उन्होंने महाकुम्भ को एक भारत- श्रेष्ठ भारत का अनमोल उदाहरण बताते हुए कहा कि विश्व भर के लोगों की आस्था देख कर आनंद की अनुभूति हो रही है। हमारा सनातन धर्म सुरक्षित है और यह देश को नई ऊंचाइयों पर लेकर जाएगा। उन्होंने प्रयागराज में परमार्थ निकेतन आश्रम (ऋषिकेश) के प्रमुख, स्वामी चिदानंद सरस्वती के दर्शन कर, उनका आशीर्वाद ग्रहण किया। पीयूष गोयल ने मीडिया से कहा कि यह सचमुच एक भावनात्मक

क्षण है। महाकुम्भ में आने का सौभाग्य मिलना एक आशीर्वाद जैसा है। यह भारत की सामूहिक भावना का अद्भुत उदाहरण है। अब तक 50 करोड़ से अधिक लोग देश और विदेश से महाकुम्भ में आ चुके हैं, जिससे भारत की बढ़ती शक्ति का संदेश पूरी दुनिया में गया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मैं जब बेल्जियम में था, तब मुझे जानकारी मिली कि कोल्डप्ले के क्रिस मार्टिन महाकुम्भ आना चाहते हैं।

हफ्ते में पाएं लाइट कॉम्प्लेक्शन

जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती जाती है, स्किन टोन भी बदलती जाती है। झाइयां, रूखी त्वचा और डार्क स्पॉट सामने आने लगते हैं और त्वचा उतनी साफ और गोरी नहीं रह जाती। उम्र पर भोजन का असर भी होता है। विंटर में सनस्क्रीन क्रीम शायद ही कोई इस्तेमाल करता है। साथ ही खुली ठंडी हवाएं त्वचा की ऊपरी परत को काफी हद तक नुकसान पहुंचाती हैं। कॉम्प्लेक्शन डल कर देती हैं। सामान्य और रूखी त्वचा पर खास तौर पर इनका असर होता है। इसलिए अगर आप अपनी रंगत को निखारना चाहती हैं तो ब्यूटी एक्सपर्ट अंबिका पिल्लै की ये ट्रिक्स अपनाइए और खोई हुई रंगत वापस पाइए।

सनब्लॉक

गोरी रंगत पाने का सबसे आसान उपाय है रोज सनब्लॉक का इस्तेमाल। इसलिए ऐसा मॉयस्चराइजर लें जिसमें एसपीएफ 15 या उससे भी अधिक हो। सुबह चेहरा धोने के बाद इसे लगाना न भूलें। सनब्लॉक न सिर्फ आपकी त्वचा को डार्क होने से बचाता है, नुकसानदेह धूपी किरणों से त्वचा के कैंसर और आकस्मिक झुर्रियों से भी बचाता है। अपने हाथों पर भी सनब्लॉक जरूर लगाएं।

एक्सफोलिएट

हफ्ते में एक बार एक्सफोलिएशन से त्वचा के डेड सेल्स निकल जाते हैं और वह गोरी-चमकदार हो जाती है। 2 टेबल स्पून ओटमील में 2 टेबल स्पून ब्राउन शुगर व 1/4 कप दूध मिलाकर पेस्ट बनाएं। इससे गोलाई में घुमाते हुए स्क्रब करें। धोकर मॉयस्चराइजर लगाएं।

मास्क पॉवर

गोरी रंगत पाने के लिए घर पर यह मास्क तैयार करें-चंदन पाउडर-नीबू का रस-टमाटर का रस-खीरे का रस बराबर मात्रा में लेकर पेस्ट बनाएं। चेहरे पर लगाकर सूखने दें। धोकर मॉयस्चराइजर लगाएं ताकि त्वचा की नमी बरकरार रहे।

स्टाइलिश वेज हील

इन दिनों फैशन में हिट है वेज हील। कैजुअल से लेकर स्टाइलिश पार्टी वेयर तक हर अंदाज में उपलब्ध है यह फुटवेयर। वेज हील का मतलब सिर्फ हाई हील नहीं है। इसमें आपको हाई और कम हील दोनों ही मिलेंगी। अब यह आप पर निर्भर करता है कि आपको क्या पसंद है। फैशन के अनुकूल होने के साथ ही वेज हील पांवों को भी आराम देती है। इन्हें पहनकर चलना सुविधाजनक होता है। वहीं इनमें पांवों की खूबसूरती भी उभरकर आती है। यदि आपका टखना भारी है तो आपके लिए वेज हील एकदम परफेक्ट है। वेज हील की डिजाइन ऐसी होती है कि इसे पहनने पर भारी टखना पतला प्रतीत होगा। हां, अगर टखना बेहद पतला है तो भारी वेज हील पहनने से बचना चाहिए, क्योंकि उसमें वह और भी पतला लगे। बहरहाल इसमें कोई शक नहीं कि वेज हील की है ग्लोबल अपील। इसे पहनने मात्र से बढ़ जाता है आपका स्टाइल। किसी भी लेंथ की स्कर्ट या ड्रेस के साथ वेज हील आकर्षक लगती है।

कैसे करें हाथों की देखभाल

सही रख-रखाव वाले और साफ-सुथरे हाथ न केवल आकर्षक दिखते हैं बल्कि अच्छे स्वास्थ्य की कुंजी भी हैं क्योंकि ज्यादातर इंफेक्शन गंदे हाथों से ही फैलते हैं। आपके हाथों की सही केयर कोई मुश्किल काम नहीं है और हैंडवॉश तथा माइश्चराईजिंग का डेली सिम्पल रूटीन काफी है तथा ज़रूरत होने पर नाखूनों की ट्रिमिंग की जानी चाहिये। आपके हाथों को साफ रखने के लिये सोप बार और लिक्विड क्लींजर्स समान रूप से अच्छे हैं लेकिन अपने नाखून और अंगुलियों को स्वच्छ करना मत भूलें जिससे नाखूनों के नीचे मैल न रहे। फिंगरनेल ब्रशेज भी मार्केट में उपलब्ध हैं जो आपके नाखूनों के हर तरफ की सभी गंदगी को सही से साफ करते हैं। हर पखवाड़े अपने नाखूनों की ट्रिमिंग अच्छी आदत है लेकिन इसे करते समय सावधानी बरतें कि क्यूटिकल्स न कटने पायें जो नेल बेड की सुरक्षा करते हैं इसके बजाय अपने नाखूनों के नेचुरल कर्व को फॉलो करें। सही तरह से ट्रिम किये जाने वाले नाखूनों में दर्द की वजह बनने वाले इन्ग्रोन नेल्स या हैंगनेल्स के चांस कम हो जाते हैं। ट्रिमिंग के बाद अपने नाखूनों को मॉइश्चराईज़ करके आप उन्हें कमजोर होने से बचा सकते हैं।

हाथों पर पिगमेंटेशन डेवलप होने से वे एजिंग के संकेत प्रदर्शित कर सकते हैं इसलिये मॉइश्चराईज़र के अलावा अपने हाथों को डैमेज होने से बचाने के लिये सनस्क्रीन का उपयोग करना चाहिये। साबुन से धोये जाने पर हाथ सूखे हो जाते हैं इसलिये त्वचा को ड्राइनेस और क्रैक होने से बचाने के लिये मॉइश्चराइजर इस्तेमाल करना जरूरी हो जाता है। इसके अलावा अपने हाथों की अच्छी केयर के लिये दूसरे उपाय भी अपनाने चाहिये हर माह मेनीक्योर कराना कोई बुरा विचार नहीं है क्योंकि इससे न केवल आपके हाथ संवरते हैं बल्कि आपकी ओवरऑल एपीयरेंस और हाइजीन का स्तर भी सुधरता है।

पैरों की केयर करने को अनेक लोगों द्वारा तब तक उपेक्षित किया जाता है जब तक कोई गंभीर समस्या उत्पन्न नहीं हो जाती जैसे एथलीट्स फुट या कोई दर्दयुक्त कार्न या फिर हर मौसम में पैर लगातार बदबू करने लगते हैं। पैरों के अंगूठे और अंगुलियों की ट्रिमिंग सावधानीपूर्वक की जानी चाहिये क्योंकि त्वचा के बिल्कुल पास ट्रिमिंग करने से इंफेक्शन का खतरा उत्पन्न हो सकता है। पैरों की अंगूठे-अंगुलियों की सही ट्रिमिंग न होने से दर्दयुक्त हैंगनेल्स या इनग्रोन टो-नेल्स बन सकते हैं। सही तरह से फिट न आने वाले जूतों या चलने-फिरने के गलत ढंग के कारण पैरों में कॉलसेस और कार्न्स विकसित हो सकते हैं। यदि ये बहुत कठोर नहीं हों तो इनको घर पर ही अपने पैरों को गुनगुने पानी में डुबोकर और उनको प्यूमिस स्टोन से रगड़ने से छुटकारा पाया जा सकता है। ज्यादा कड़े कार्न्स को मेडिकल सहायता की जरूरत होती है। फंगल इंफेक्शनों को दूर रखने के लिये फुट हाइजीन महत्वपूर्ण है। अपने पैरों को पूरी तरह से खास कर अंगूठों अंगुलियों के बीच अच्छी तरह धोकर सुखाना ज़रूरी है। यदि आपके पैरों में ज्यादा पसीना आने की परेशानी है तो मेडिकेटेड पाउडर का उपयोग करें और रोज धुले मोजे पहनें जिससे फंगल इंफेक्शन से बचाव हो सके। लम्बे समय से बदबू करने वाले पैरों में बैक्टीरियल इंफेक्शन हुआ हो सकता है जिसे डॉक्टर को दिखाना ज़रूरी होता है।

पेडीक्योर फीट केयर का अच्छा उपाय है क्योंकि यह पैरों की सभी समस्याओं को दूर रखते हुए आकर्षक बनाता है। पेडीक्योर पैरों से डेड त्वचा को हटाता है इन्ग्रोन टो-नेल्स से बचाव करता है और कॉलसेस और कार्न्स से छुटकारा दिलाता है। पेडीक्योर से बदबू करने वाले पैरों का भी ट्रीटमेंट किया जा सकता है!

दिखें दूसरों से जुदा

कॉलेज में हर दिन दूसरी गर्ल्स से अलग दिखने की चाहत में गर्ल्स कर रही है खास तैयारी। कानपुर की कुछ एक्सपर्ट की टिप्स अपनाकर आप दिख सकती है दूसरों से जुदा.

स्कूलिंग से फ्री होकर कॉलेज का रुख करने वाली गर्ल्स के बीच इन दिनों खास तैयारियां चल रही है। अगर आप भी उनमें से एक है तो नई ड्रेस की शॉपिंग जरूर की होगी। दूसरी कॉलेज गोइंग ग र्ल्स की तरह ही आपको भी यह चिंता सता रही होगी कि हमारी जैसी ड्रेस और स्टाइल में कोई दूसरी गर्ल दिख गई तो मजा किरकिरा हो जाएगा। ऐसा मत सोचिए, डिफरेंट लुक पाने के अन्य विकल्प भी है।

साथ रखें स्टोल्स

धनकुट्टी स्थित श्रीकृष्णा बुटीक की फैशन डिजाइनर सारिका अग्रवाल सलाह देती है, अपने बैग में कलरफुल स्टोल्स रखें। यह ब्राइट कलर में होने चाहिए। इनका फायदा आपको तब मिलेगा जब कोई दूसरी गर्ल आप जैसी ही कुर्ती या टॉप पहने होगी। आप कलरफुल स्टोल कैरी कर अलग लुक दिखा सकती है। इन दिनों फ्लोरल प्रिंट हॉट है, इसलिए ब्लैक, यलो और पिंक स्टोल खरीदें।

जंक ज्वैलरी का जलवा

काशी ज्वैलर्स की ज्वैलरी डिजाइनर कृति बताती है, डिफरेंट लुक पाने का सिंपल ऑप्शन है जंक ज्वैलरी। पर्स में इसके दो-तीन ऑप्शन रखें। अगर आपकी ज्वैलरी किसी से मेल खाती है तो अपने पास रखे दूसरे ऑप्शन को ट्राय कर सकती है। अगर आपकी ड्रेस दूसरे से मैच खाती है तो भी यह काम की साबित होगी।

मेकअप हो कुछ खास

ब्यूटी एक्सपर्ट निहारिका त्रिपाठी बताती है, मेकअप में ब्राइट कलर्स से बचें। लाइट कलर को प्राथमिकता में रखें और नेचुरल लुक पाने की कोशिश करें। इन दिनों कॉलेज गोइंग ग र्ल्स के लिए आरेंज या फ्लोरोसेंट ग्रीन कलर इन है। कलर्स में आप इन्हे आजमाएं।

बोल्ड इमेज से बचें

कॅरियर काउंसलर व पर्सनॉलिटी डेवलपमेंट एक्सपर्ट संजय मिश्रा कहते है, कॉलेज में शुरु से ही बोल्ड इमेज बनाना ठीक नहीं है। ब्राइट कलर्स के शॉर्ट्स और कलरफुल कैप्री की जगह लाग स्कर्ट के ऑप्शन को फालो करे। ज्यादा बातें करना या हर मुद्दे पर तर्क रखना भी आपकी इमेज खराब करेगा। नए फ्रेंड्स से इतनी दूरी बनाकर रखें कि उनकी नजर में आपकी पर्सनॉलिटी औरों से जुदा रहे।

क्या रूप निखरा है

एक अंडे की सफेदी को एक चम्मच शहद के साथ मिला कर चेहरे पर 20 मिनट लगाएं। उसके बाद पानी से चेहरा धो लें।

- एक केले में शहद और नींबू का रस मिलाकर पेस्ट बनाएं। इस पेस्ट को चेहरे, गर्दन व हाथ-पैरों पर लगाएं। आधा घंटे बाद पानी से धो लें।
- आम के छिलकों को पीस लें। इसमें एक चम्मच पाउडर मिल्क मिलाकर चेहरे पर हलके हाथों से मलें। इसे हाथ, पैर और गर्दन पर भी लगाएं। 20 मिनट बाद ठंडे पानी से धो लें।
- दो चम्मच कॉर्नफ्लोर को एक अंडे की सफेदी में मिलाकर चेहरे पर लगाएं। करीब 20-25 मिनट लगा रहने दें।

जब पेस्ट सूख जाए तो हाथों को हलके गरम पानी में डुबोएं और चेहरे को मलें। फिर चेहरा धो लें। ऐसा 10-15 दिन तक लगातार करें।

- खीरे का रस, गुलाबजल और नींबू का रस बराबर-बराबर मात्रा में लेकर मिला लें। फिर चेहरा धोकर सुखाएं और इस मिश्रण को चेहरे पर लगाकर रात भर के लिए छोड़ दें। सुबह चेहरा धोकर फर्क महसूस करें।
- इंस्टेंट ग्लो पाने के लिए दो चम्मच टमाटर के रस को चार चम्मच दही के साथ मिलाकर 15 मिनट तक चेहरे पर लगाएं।
- खीरे का रस और दही 1-1 चम्मच लें। चुटकी भर हल्दी पाउडर मिला लें। चेहरे पर 15 मिनट लगा कर रखें। फिर ठंडे पानी से चेहरा धोएं।
- अनन्नास का रस और नारियल पानी को मिलाकर चेहरे पर लगाएं।
- एक अंडे का पीला भाग लें। इसमें एक टुकड़ा सीताफल का पेस्ट मिला लें। इसे आधा घंटा चेहरे पर लगा कर रखें और इंस्टेंट ग्लो पाएं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक निमिषा कुमारी द्वारा शिवा सांई पब्लिकेशन प्रा० लि० काठीटांड़, रातू रांची, झारखंड 835222 से मुद्रित व 364, को ऑपरेटिव कालोनी, बोकारो स्टील सिटी, बोकारो, 827003 से प्रकाशित। प्रबंध संपादक विनय कुमार तिवारी* (*पी आर बी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) आर एन आई न०- JHA/HIN/ 2018/ 76658 फोन न०8340571405, 9955023741